नई दिल्ली। बुधवार, 09 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 244/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल विमेंस जूनियर एशिया कप: जापान को 7-0 से ... | @ विचार डॉ. संजीव कुमार : साहित्य जगत के एक विराट... | @ व्यापार सेंसेक्स 555 अंक टूटा...

विश्व केसरी खबर झरोखा

सोमालिया में फिर लौट रहे समुद्री लुटेरे, भारत के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

नई दिल्ली। हिंद महासागर की लहरों पर एक पुराना खतरा फिर सवार हो रहा है। सोमालिया के तट के आसपास कभी खौफ का पर्याय रहे पाइरेट्स यानी समुद्री डाकू करीब एक दशक की अपेक्षाकृत शांति के बाद दोबारा एक्शन में आ गए हैं। अप्रैल 2026 के अंत से अब तक कई जहाजों के अपहरण की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

इस कहानी का एक अहम सिरा भारत से भी जुड़ा है। इस साल ऐसी भारतीय जल क्षेत्र के इर्द-गिर्द दो घटनाएं हुईं जो चिंता बढ़ाती हैं। 1 जुलाई 2026 को भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर समुद्री डकैती के प्रयास के खिलाफ तत्काल कार्रवाई कर यह दिखाया था कि हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी खतरे को भारत हल्के में नहीं लेता। हमला जिबूती से लगभग 300 समुद्री मील पूर्व-उत्तर-पूर्व में हुआ था

पांचवां वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो चीन के हांगचो शहर में आयोजित होगा

बीजिंग। पांचवां वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो (जीडीटी) 23 से 27 सितंबर तक चीन के चच्यांग प्रांत के हांगचो में आयोजित किया जाएगा। राज्य परिषद सूचना कार्यालय ने 7 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर संबंधित जानकारी दी। हाल के वर्षों में, डिजिटल व्यापार वैश्विक आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण प्रेरक बन गया है। चीनी उप वाणिज्य मंत्री यान तोंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2016 से 2025 तक, चीन की डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के कुल आयात और निर्यात की मात्रा में औसतन 11.2 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई, जो वैश्विक औसत से 1.8 प्रतिशत अंक अधिक है। यान तोंग ने बताया कि इस वर्ष के जीडीटी का मुख्य विषय 'जीडीटी में एआई के भविष्य से मुलाकात' है, जिसमें एक तिहाई से अधिक प्रदर्शक एआई कंपनियां हैं।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल में तकनीकी खराबी, करीब 300 उड़ानें रद्द

लंदन। ब्रिटेन के हीथ्रो, गैटविक, मैनचेस्टर और बर्मिंघम समेत कई एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल में तकनीकी समस्या के कारण उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। फ्लाइटरडार 24 के अनुसार करीब 300 उड़ानें रद्द हुईं, जबकि सैकड़ों उड़ानें विलंबित हुईं। राष्ट्रीय हवाई यातायात नियंत्रण सेवा (नैट्स) ने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण कुछ उड़ानों के प्रस्थान में परेशानी हो रही है। सेवा ने कहा कि विमानों को सुरक्षित तरीके से उड़ान भरने में दिक्कत के कारण प्रस्थान में काफी देरी हुई। नैट्स ने कहा, 'हम एक तकनीकी समस्या की जांच कर रहे हैं, जिसके कारण कुछ उड़ानों के प्रस्थान में बाधा आ रही है। हमारे इंजीनियर मौके पर मौजूद हैं और जल्द से जल्द अपडेट दिया जाएगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश में जुटा है भारत

दोनों देशों के संपर्क में दिल्ली: विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत ने पुराने रुख को दोहराया है। मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत का मानना है कि युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली इस युद्ध को खत्म कराने के लिए मॉस्को और कीव दोनों के संपर्क में है और ऐसे सुझावों पर विचार कर रही है, जिससे संघर्ष को रोका जा सके।

नई दिल्ली में द्वि-साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की हाल की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा का जिक्र किया, जहां उन्होंने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है और संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद करने के लिए भारत की तत्परता व्यक्त की थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच शांति में मध्यस्थता कर रहा है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'विदेश मंत्री ने हाल ही में यूक्रेन और पोलैंड का दौरा किया था। इन दोनों देशों में, अपनी बातचीत के दौरान, उन्होंने कहा कि भारत ने लगातार यह बनाए रखा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा।' रणधीर जायसवाल ने कहा, 'उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की इस टिप्पणी को भी रेखांकित किया कि अंतहीन युद्ध को अब युद्ध के अंत का रास्ता देना चाहिए। विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि यह संबंधित पक्षों पर निर्भर है कि वे कोई रास्ता निकालें, यदि भारत युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो वह इसके लिए तैयार है। भारत यूक्रेन और रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है और यह देखने की कोशिश कर रहा है कि क्या कोई ऐसे विचार और सुझाव हैं जो संघर्ष को समाप्त करने में योगदान दे सकते हैं।'

रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत से ही भारत ने युद्ध को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की है। 2022 में उज्बेकिस्तान के समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'आज का युग युद्ध का युग नहीं है।' पोलैंड की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि भारत यूक्रेन और रूस दोनों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है, और ऐसे विचारों और सुझावों पर काम कर रहा है जो दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष को कम करने और इसे समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त करने में मदद कर सकते हैं।

4 सितंबर को वारसॉ में पोलिश विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को और कीव के बीच तनाव कम करने में भारत की भूमिका पर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया।

हमारा यूपीआई कई देशों तक पहुंच चुका है : पीएम मोदी

एजेंसी ■ मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुंबई में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (डीएफएफ) 2026' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि आज यहां एक और हैट्रिक लगी है। एक हैट्रिक तो 2024 में तीसरी बार सरकार बनने से लगी थी और ये हैट्रिक आप सभी के बीच आने से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वालों में से नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं उससे से बड़े लक्ष्य की तैयारी में जुट जाता हूं।

हमारा यूपीआई कई देशों तक पहुंच चुका है, लेकिन यह सिर्फ पहला कदम है। हमारा अगला लक्ष्य उनके पेमेंट सिस्टम से जुड़ना होना चाहिए। हमने सिंगापुर के साथ ऐसा किया है और नतीजतन, भारत और सिंगापुर के बीच लेन-देन वैसे ही हो रहा है जैसे किसी शहर की दो सड़कों के बीच होता है। हमें दूसरे देशों और बाजारों के साथ भी ऐसा ही कनेक्शन बनाना होगा। पॉलिसी और गवर्नेंस से जुड़े इकोसिस्टम में मुझे अब 25 वर्ष पूरे होने वाले हैं। और जिन्होंने भी मुझे इन वर्षों में देखा है, वो जानते हैं आज हमारा यूपीआई कई देशों में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार मेरा थर्ड ईयर है। ये हैट्रिक बताती है कि विकसित भारत के लिए आप कितने महत्वपूर्ण हैं, आपका काम कितना महत्वपूर्ण है। मैं जब भी यहां आता हूं तो पहले से ज्यादा हमें युवा दिखाई देते हैं, पहले से ज्यादा एनर्जी अनुभव होती है। इसलिए विकसित भारत के फ्यूचर को लेकर मेरा विश्वास और मजबूत हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया अभी टकराव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। एनर्जी और कमोडिटी सप्लाई चेन पर दबाव है। यह स्थिति कई महीनों से बनी हुई है और अप्रैल से जून की तिमाही तो खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रही है। ऐसे समय में, जब भारत 7.8 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है, तो दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। यही भरोसा यहां मौजूद लोगों के चेहरों पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसा: मालिक दंपति 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के मामले में अदालत ने मंगलवार को बिल्डिंग के मालिक हरिराम और उनकी पत्नी उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि उनके बेटे महेश को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मामले में गिरफ्तार लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को भी उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ लिया गया है और पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पूछताछ में महेश ने बताया कि वह अपने माता-पिता की ओर से बिल्डिंग के रखरखाव और मरम्मत का काम देखता था। अगस्त 2025 में बिल्डिंग को 'हॉस्टल डेज' नाम के पीजी ऑपरेटर को लीज पर दिया गया था। जांच में महेश ने यह भी बताया कि पिछले आठ-दस दिनों से बारिश के दौरान बेसमेंट में पानी और कचरा जमा होने की समस्या के कारण उसकी मरम्मत कराई जा रही थी। वहीं ग्राउंड फ्लोर पर व्यावसायिक विस्तार के उद्देश्य से निर्माण और मरम्मत का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन स्थानीय लोगों से बिल्डिंग गिरने की सूचना मिलने के बाद महेश अपने घर से फरार हो गया और राजस्थान के भिवाड़ी स्थित अपने ससुराल पहुंच गया था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि रविवार को दोपहर करीब 1.30 बजे सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला पीजी बिल्डिंग ढह गई थी।

सत्य निकेतन हादसा: लागू होगी पीजी नीति, जरूरी होगा लाइसेंस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली सरकार ने पीजी नीति लागू करने का फैसला किया है। जल्द इसका मसौदा तैयार किया जाएगा। नीति के तहत पीजी चलाने के लिए लाइसेंस जरूरी होगा।

मंगलवार को शहरी विकास और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में पीजी और किराये के मकानों में रहने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान सूद ने कहा कि एक से दो महीने के भीतर इस नीति को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा।

सूद ने प्रस्तावित पेइंग गेस्ट आवास विनियमन एवं सुरक्षा विधेयक 2026 के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नीति में पीजी संचालन के लिए अनिवार्य लाइसेंस, जोनवार किराया सीमा समेत अग्नि सुरक्षा ऑडिट तथा एक केंद्रीय पीजी पोर्टल की व्यवस्था होगी। पोर्टल पर छात्रों को पीजी का किराया, सुविधाएं और सुरक्षा ऑडिट की स्थिति जैसी जानकारी पहले से उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि सरकार पहले से पीजी नीति और न्यायमूर्ति गौबा समिति की रिपोर्ट को लागू करने पर काम कर रही थी इसके अलावा विश्वविद्यालयों और नरेला समेत खाली पड़ी सरकारी इमारतों में छात्रावास बनाने की संभावनाएं भी तलाशी जा रहीं हैं। बता दें कि इस विषय पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में चर्चा भी हो चुकी है।

राम मंदिर की व्यवस्थाओं को नई धार देने अयोध्या पहुंचे पहले सीईओ जितेंद्र मिश्र, संभाली कमान

एजेंसी ■ अयोध्या

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर अपनी नई जिम्मेदारी संभाल ली। पदभार संभालने के बाद उन्होंने सबसे पहले राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और इसके बाद तीर्थ क्षेत्र भवन पहुंचकर मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं और अधिकारियों के साथ कामकाज शुरू किया।

ट्रस्ट ने जितेंद्र मिश्र के लिए मंदिर के समीप ही अपने एक भवन में आवास की व्यवस्था की है। अब वह अयोध्या में रहकर मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं, वित्तीय प्रबंधन और श्रद्धालुओं से जुड़ी सुविधाओं की निगरानी करेंगे। मंगलवार को मंदिर परिसर पहुंचने के बाद वह ग्रीन हाउस गए, जहां उन्होंने मंदिर से जुड़े अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मिश्रा की नियुक्ति इसी महीने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में की गई थी।

मंदिर के पहले सीईओ के चयन के लिए गठित खोज समिति की सिफारिशों के आधार पर पांच हजार से अधिक संभावित उम्मीदवारों में से उनका चयन किया गया। ट्रस्ट ने भारतीय वायुसेना में 39 वर्षों से अधिक के उनके विशिष्ट सेवाकाल और व्यापक प्रशासनिक एवं नेतृत्व अनुभव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। मिश्रा इससे पहले नियुक्ति के बाद अयोध्या की अपनी पहली यात्रा पर आए थे। उस दौरान उन्होंने ट्रस्टियों के साथ बैठक कर सीईओ के रूप में अपनी जिम्मेदारियों, कार्यक्षेत्र और मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं को समझा था। इसके बाद वह दिल्ली लौट गए थे। मंगलवार को अयोध्या पहुंचने के बाद अब वह स्थायी रूप से यहीं रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। सीईओ के रूप में मिश्रा के सामने मंदिर की बढ़ती गतिविधियों और श्रद्धालुओं की संख्या के बीच प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की चुनौती होगी। मंदिर प्रबंधन, सुरक्षा, कर्मचारियों की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाएं, वित्तीय प्रबंधन तथा विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल खोलने के नियम बदले

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्राइवेट स्कूल शुरू करने और उनकी मान्यता को लेकर नियम बदल गए हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 7 सितंबर 2026 को नई गाइडलाइन जारी की है। ये नियम एकेडमिक सेशन 2026-27 से लागू होंगे। इससे पहले 2018 के नियम लागू थे।

राज्य सरकार के जून 2026 के नोटिफिकेशन के बाद अब नए नियम बनाए गए हैं। नई गाइडलाइन में स्कूल संचालकों को कुछ बड़ी राहत दी गई है। अब स्कूल खोलने के लिए एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट जरूरी नहीं होगा।

मान्यता के लिए स्कूल को सेल्फ सर्टिफिकेशन देना होगा। इसमें स्कूल को खुद बताना होगा कि उसकी बिल्डिंग सेफ है, लैब, लाइब्रेरी और प्लेग्राउंड की सुविधा है, टीचिंग स्टाफ क्वालिफाइड है और बच्चों की सेफ्टी के जरूरी इंतजाम किए गए हैं। अगर सेल्फ सर्टिफिकेशन में गलत जानकारी दी गई तो स्कूल की मान्यता सस्पेंड या कैंसिल की जा सकती है। फाइन भी लगाया जा सकता है। इसके अलवा अब एक रूम में अधिकतम 45 बच्चें ही बैठ सकेंगे। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि स्कूल खोलने के लिए अब अनिवार्यता प्रमाण पत्र (एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट) नहीं लेना होगा। इसके अलावा स्कूल के लिए न्यूनतम कॉर्पस फंड रखने की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है।

भैंस गांव-नागर मारी पुलिस जवानों की हत्या मामले में पांच माओवादी दोष सिद्ध

33 लाख के इनामी नक्सल दंपती को 7-7 साल जेल: 3 को 5-5 साल की सजा

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय ने नक्सल दंपती समेत 5 नक्सलियों को सजा सुनाई है। कोर्ट ने डीकेएसजेडसी रैंक के नक्सली प्रभाकर और डीवीसीएम रैंक की उसकी पत्नी राजे कांगे को 7-7 साल की जेल हुई है। जबकि रमेश कुमार कुमेटी, श्याम नाथ उसेंडी और चिंतुराम ताम्रकार को 5-5 वर्ष की कठोर सजा सुनाई गई है।

पुलिस अधीक्षक निखिल के मुताबिक, नक्सलवाद के खात्मे के बाद किसी बड़े नक्सली लीडर को कोर्ट से सजा मिलने का यह पहला मामला है।

प्रभाकर और राजे कांगे लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय थे। दोनों एसआई और बस्तर फाइटर के जवान की हत्या जैसी कई वारदातों में शामिल थे।

दरअसल, साल 2015 में नक्सलियों ने कांकेर के कोरर इलाके में सर्चिंग और गश्त पर निकले जवानों पर घात लगाकर हमला किया था। घटना के बाद पुलिस ने प्रभाकर, राजे कांगे समेत कई नक्सलियों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

2024 में प्रभाकर, बाद में पत्नी गिरफ्तार

नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को साल 2024 में प्रभाकर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इसके कुछ समय बाद उसकी पत्नी राजे कांगे को भी गिरफ्तार किया गया।

दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस को कोरर हमले से जुड़े कई महत्वपूर्ण सबूत मिले। इन्हीं सबूतों के आधार पर पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था।

प्रभाकर पर 25 लाख, राजे पर 8 लाख का इनाम था

पुलिस की कार्रवाई: पुलिस और सुरक्षा बलों की जांच टीम ने इस नक्सली वारदात के बाद इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाकर इन आरोपियों को दबोचा था। साक्ष्यों को अदालत के सामने मजबूती से पेश किया गया, जिससे आरोपियों को सजा दिलाने में मदद मिली।

नक्सल उन्मूलन अभियान: सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियानों के तहत इसे एक महत्वपूर्ण कानूनी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार डीकेएसजेडसी रैंक के नक्सली प्रभाकर पर 25 लाख रुपए और उसकी पत्नी डीवीसीएम रैंक की नक्सली राजे कांगे पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

तीर तेवर — सागर कुमार

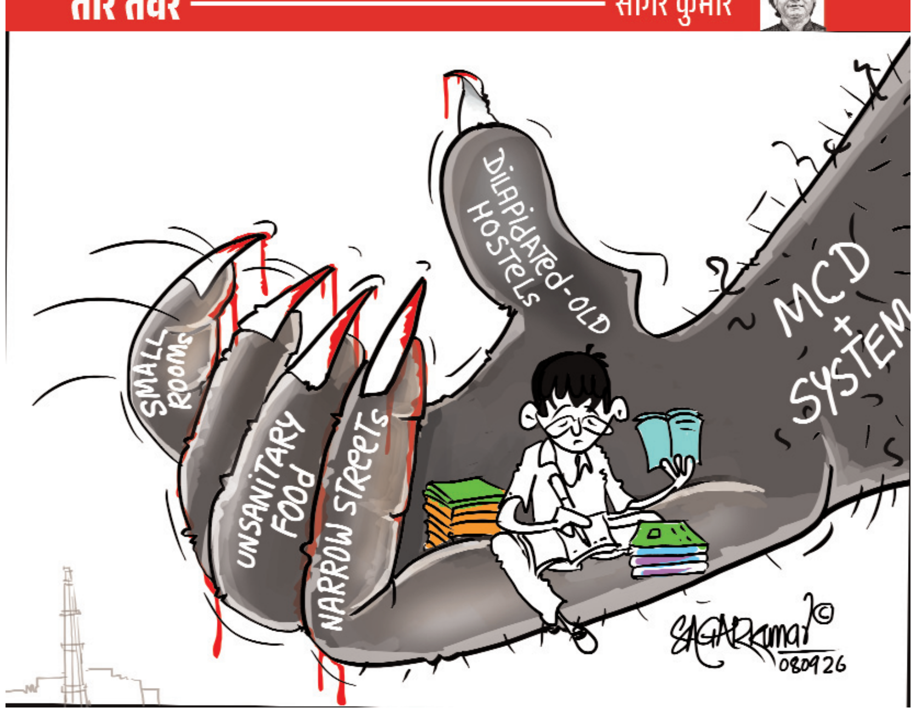

प्रस्तावित नए विधानसभा परिसर पर विचार करने के लिए सीएम विजय ने बुलाई बैठक

विश्व केसरी

चेन्नई। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय मंगलवार को तमिलनाडु के प्रस्तावित एकीकृत विधानसभा और सचिवालय परिसर के स्थानों पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य फोर्ट सेंट जॉर्ज स्थित सरकारी प्रशासनिक मुख्यालय पर दबाव कम करना है।

लोक निर्माण, राजस्व और नगर प्रशासन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के अधिकारियों बैठक में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, पट्टिनापक्कम, गिंडी और नंदंबक्कम में स्थित स्थल भी जांच के दायरे में हैं और विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप स्थान के बारे में कोई निर्णय लिया जा सकता है। विजय ने पिछले सप्ताह विधानसभा में इस परियोजना की घोषणा की थी, लेकिन उन्होंने स्थल का नाम नहीं बताया था।

प्रस्तावित परिसर का निर्मित क्षेत्रफल 20 लाख वर्ग फुट होगा और इसकी अनुमानित लागत 1,200 करोड़ रुपये है। इसे एक ही प्रशासनिक परिसर के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें विधानसभा और राज्य सरकार के वे विभाग समाहित होंगे जो वर्तमान में अलग-अलग स्थानों से कार्य कर रहे हैं।

सरकार का तर्क है कि एक नए परिसर की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हो गई है क्योंकि फोर्ट सेंट जॉर्ज का विस्तार वर्तमान और भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से नहीं किया जा सकता है।

हालांकि ऐतिहासिक परिसर लगभग 107 एकड़ में फैला हुआ है, लेकिन राज्य सरकार का नियंत्रण केवल लगभग चार एकड़ भूमि पर है। शेष अधिकांश भूमि रक्षा प्रतिष्ठान और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है, जिससे नए निर्माण और व्यापक संरचनात्मक परिवर्तनों पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

पिछले चार दशकों में विभागों, कर्मचारियों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। इससे पुरानी इमारतों पर दबाव बढ़ा है और परिणामस्वरूप कई कार्यालय सचिवालय के बाहर हो गए हैं, जिससे समन्वय और भी कठिन हो गया है। विभागों को एक साथ लाने से प्रशासनिक दक्षता और जनता की पहुंच में सुधार होने की उम्मीद है, साथ ही भविष्य के विस्तार के लिए पर्याप्त स्थान भी उपलब्ध होगा।

1,200 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट में प्रस्तावित 20 लाख वर्ग फुट के एकीकृत परिसर का निर्माण शामिल है। परिसर में आधुनिक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित पहुंच, हरित भवन मानक, सम्मेलन कक्ष, सार्वजनिक सेवा केंद्र, पर्याप्त पार्किंग और कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाएं शामिल होने की उम्मीद है।

इस योजना से चेन्नई के सबसे महत्वपूर्ण विरासत स्थलों में से एक, फोर्ट सेंट जॉर्ज को बढ़ते सरकारी भवन के लिए बार-बार किए जाने वाले बदलावों के दबाव के बिना संरक्षित किया जा सकेगा।

गौरव गोगोई ने मणिपुर के म्यूजिशियन की हत्या पर जताया दुख

विश्व केसरी

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने मंगलवार को मणिपुर के म्यूजिशियन चोंगथम विक्रम सिंह की मृत्यु पर दुख जाहिर किया। विक्रम सिंह ने दक्षिण दिल्ली स्थित अपने आवास के बाहर तेज आवाज में म्यूजिक चलाने पर आपत्ति जताई, तो कथित तौर उन्हें पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया गया। गोगोई ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट करके सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पूरा पूर्वोत्तर भारत दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ा है।

सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए गोगोई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'चोंगथम विक्रम सिंह एक विनम्र व्यक्ति थे। उनमें कोई अहंकार नहीं था, उनका किसी के साथ बैर भी नहीं था। वह एक शांतिप्रिय व्यक्ति थे, जो सिर्फ संगीत से प्रेम करते थे। उन्हें हर कोई पसंद करता था।' गोगोई ने कहा, 'दिवंगत आत्मा को शांति मिले। आपको न्याय मिलेगा। पूरा पूर्वोत्तर भारत आपके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहा है।'

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सिंह ने दक्षिण दिल्ली स्थित अपने आवास के बाहर तेज शोर पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद बात हाथापाई तक पहुंच गई। इसके बाद उन्हें पीटा गया, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी ने सिंह के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए संगीत के क्षेत्र में दिए उनके योगदान को भी सराहा। गोगोई ने उन्हें एक शांतिपूर्ण व्यक्ति बताया और कहा कि वो बैर-भाव से दूर रहते थे और सिर्फ कला के लिए जीते थे। इस हादसे के बाद मणिपुर समुदाय के साथ पूरे पूर्वोत्तर भारत के लोगों में शोक है। लोग म्यूजिशियन के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस पूरे मामले की सही से जांच होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि आखिर किन परिस्थितियों में म्यूजिशियन की मौत हुई थी।

पुलिस अब अपनी जांच के तहत यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस हमले के पीछे पूरा घटनाक्रम क्या रहा है। इसमें सिंह के घर के बाहर संगीत को लेकर विवाद भी शामिल है। पुलिस अब यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जो लोग भी इस हमले में शामिल थे, उनकी भूमिका क्या थी।

इस हादसे के बाद से सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

पटना में एनआईए की छापेमारी

विश्व केसरी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक अभियान के परिणामस्वरूप सुरक्षाकर्मियों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान एक स्कूटर से कथित तौर पर लगभग 20 लाख रुपये नकद बरामद करने के बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। यह घटना पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके में जूडियो मॉल के पास घटी, जहां संदीप गुप्ता नामक एक संदिग्ध की मौजूदगी की सूचना मिलने पर एनआईए विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारा था। हालांकि, संदिग्ध मौके पर नहीं मिला। ऑपरेशन के दौरान अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स का एक अन्य युवक सुरक्षाकर्मियों को देखकर घबरा गया और स्कूटर से परिसर से निकलने की कोशिश करने लगा। एसटीएफ कर्मियों और चित्रगुप्त नगर पुलिस ने उसे रोका और स्कूटर की तलाशी ली। स्कूटर के स्टोरेज कंपार्टमेंट से करीब 20 लाख रुपये नकद से भरा एक बैग बरामद हुआ। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के चकिया निवासी अनमोल कुमार मोदी के रूप में हुई है।

नोएडा में मोबाइल स्नैचिंग गैंग का खुलासा, तीन शातिर गिरफ्तार

विश्व केसरी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी और मोबाइल फोन स्नैचिंग करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी और स्नेचिंग के 14 मोबाइल फोन, दो चोरी की मोटरसाइकिल, मोटरसाइकिल का लॉक तोड़ने में इस्तेमाल होने वाला उपकरण, मोबाइल फोन बेचकर मिले 5 हजार रुपये नकद और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चोरी और राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के मुताबिक, 8 सितंबर 2026 को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को सर्विस रोड, सेक्टर-28, नोएडा से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशु कुमार, मन्नू कुमार और नावेद खान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आशु कुमार और मन्नू कुमार चोरी की मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल वारदातों को अंजाम देने के लिए करते थे।

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर हरियाणा में सेवा अभियान चलाएगी सरकार: रणबीर गंगवा

विश्व केसरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के मंत्री रणबीर गंगवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर विभिन्न सेवा अभियानों के आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 25 साल के सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता के साथ देश और राज्यों को आगे ले जाने का काम किया है।

चंडीगढ़ में आईएएनएस से मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान गुजरात मॉडल पेश किया गया। इसके बाद करीब 12 वर्षों से उन्होंने देश की बागडोर संभाली है और भारत का गौरव विश्व पटल पर बढ़ाने का काम किया है। देश में नए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

हरियाणा से हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की दिशा में भी काम शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक अलग-अलग सेवा अभियान चलाए जाएंगे। इस दौरान मेडिकल कैंप और रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा और पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में चर्चा हो चुकी है।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर गंगवा ने कहा कि सरकार उनके साथ है। कर्मचारियों की 12 मांगें पूरी की जा चुकी हैं, जबकि एक मांग को लेकर कुछ समस्या है, जिस पर सरकार विचार कर रही है। मैं निवेदन करूंगा कि सफाई कर्मचारी काम पर लौटें। सरकार आपके साथ है।

पंजाब में ड्रग्स की समस्या को लेकर गंगवा ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, तब लोगों को उम्मीद थी कि नई पार्टी कुछ अलग करेगी।

कर्नाटक में आपातकालीन सेवाओं में बाधा पहुंची तो सरकार होगी जिम्मेदार : आर अशोक

विश्व केसरी

बेंगलुरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर.अशोक ने मंगलवार को सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। उनके मुताबिक, सरकार ने 108 'आरोग्य कवच' मुफ्त एंबुलेंस को संकट के समय उतारने का फैसला किया है। अगर सरकार के इस फैसले की वजह से 20 सितंबर के बाद आपातकालीन सेवाओं में किसी भी प्रकार की बाधा पहुंचती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और स्वास्थ्य मंत्री यू.टी खादर की होगी।

ज्ञात हो कि मुफ्त एंबुलेंस के 108 ड्राइवरों ने कर्नाटक सरकार को सीधे शब्दों में कह दिया है कि अगर 15 दिनों के अंदर उनकी मांग पूरी नहीं होगी, तो वो सामूहिक इस्तीफा दे देंगे।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यू.टी खादर ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आंदोलन से मरीजों को किसी भी प्रकार से परेशानी हुई, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने ड्राइवरों से कहा कि वो सरकार से जुड़े संगठनों से इस बारे में दृढ़ता से बात करें, ताकि उनकी मांगों पर विचार किया जाए। अशोक ने कहा कि 108 एंबुलेंस से जुड़े करीब 35,00 कर्मचारियों ने 20 तारीख को सामूहिक तौर पर इस्तीफा देने का ऐलान किया है। इसके बावजूद सरकार उनकी मांगों पर खामोश बैठी है।

विधानसभा हंगामे पर बीआरएस विधायकों पर केस दर्ज

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने विधानसभा के प्रवेश द्वार पर हुई घटनाओं के सिलसिले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव, तेलंगाना विधानसभा में बीआरएस के उप-नेता टी. हरीश राव और पार्टी के कई अन्य विधायकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बीआरएस विधायकों पर पुलिस के काम में बाधा डालने और उनके साथ मारपीट करने का आरोप है। जांच निरीक्षक एम. बालास्वामी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, राजनीतिक नारों वाली काली टी-शर्ट पहने इन नेताओं ने स्पीकर के आदेशों के तहत लगाई गई सुरक्षा पाबंदियों के बावजूद जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। आरोप है कि उन्होंने महिला कांस्टेबलों से बदसलूकी की, कर्मचारियों को धमकाया, पुलिसकर्मियों के कॉलर पकड़े और क्यूआरटी कर्मियों को धक्का दिया।

एफआईआर में नामजद नेताओं में पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी, गंगुला कमलाकर, सबिता इंद्रा रेड्डी और सुनीता लक्ष्मा रेड्डी; विधायक पाडी कौशिक रेड्डी, शम्बीपुर राजू, संजय, विजयडु, सुधीर रेड्डी और कोवा लक्ष्मी शामिल थे। यह मामला सैफबाद पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 121(1), 132, 74, 79, 351, 352, 353 और 3(5) के तहत दर्ज किया गया है। ये धाराएं ड्यूटी पर तैनात लोक सेवक को चोट पहुंचाने, किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे या जानकारी के साथ उस पर हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने; महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से इशारा करने; आपराधिक धमकी; जानबूझकर अपमान करने और सार्वजनिक अशांति पैदा करने वाले झूठे बयान देने जैसे अपराधों से संबंधित हैं।

जम्मू-कश्मीर: नचलाना तालाब गांव तक पहुंचेगी सड़क, निर्माण कार्य शुरू

विश्व केसरी

बनिहाल। जम्मू-कश्मीर के बनिहाल के नचलाना तालाब में सड़क की 70 साल पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। यहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत 4 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण शुरू हो गया है, जिससे लगभग नचलाना तालाब गांव के 1,000 निवासियों को फायदा होगा।

तहसील खाड़ी के नचलना तालाब इलाके में सड़क बनाने का काम शुरू हो गया है। 10.81 करोड़ की लागत से बनने वाली इस 4 किलोमीटर लंबी सड़क से कनेक्टिविटी बेहतर होने और मरीजों, छात्रों और ग्रामीणों को फायदा होने की उम्मीद है।

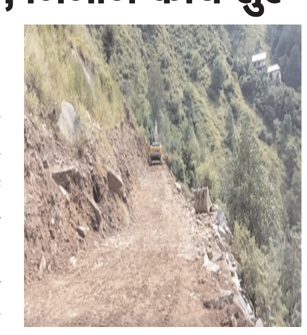

पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, 'नाचना से तलाब सड़क की लंबाई 4 किमी है और बजट 10.81 करोड़ है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, इस सड़क बनने से 320 लोगों को फायदा मिलता, लेकिन वर्तमान में 1 हजार लोग इससे लाभान्वित होंगे।

शपथ पत्र

मै देवी मौर्य आयू 52 वर्ष पिता सुकू निवासी ग्राम डोगरीपारा घाटकवाली, तहसील बस्तर जिला बस्तर छ0ग0 पिन न0 494223 का निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करता हूँ।

1 यह कि मेरे आधार कार्ड न 9031 0810 2486 मे नाम देसी पिता सुकू (**DESEE S/O SUKU**) दर्ज है मेरा नाम त्रुटिपूर्ण है ।

2 यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक YXP1708833 एवं बैंक पास बुक में नाम देवी मौर्य पिता सुकू (**DEVI MAURYA S/O SUKU**) दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है ।

3 यह कि मेरे मेरे आधार कार्ड न 9031 0810 2486 मे नाम देसी पिता सुकू (**DESEE S/O SUKU**) को सुधार कर मतदाता परिचय पत्र एवं बैंक पास बुक में दर्ज वास्तविक नाम देवी मौर्य पिता सुकू (**DEVI MAURYA S/O SUKU**) को दर्ज कराना चाहता हूँ

भविष्य में मेरे नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी ।

अतः यह शपथ पत्र मेरे नाम की सूचना छत्तीसगढ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है

शपथकर्ता
देवी मौर्य

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35207..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35207
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652G06580** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOHAMMAD ASHRAF** पिता / पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD MUSTAK** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **WAHID KHAN** पिता / पति श्री/श्रीमती **HANIF KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..35204..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35204
वार्ड का नाम 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663R01619** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAY PRAKASH VERMA** पिता / पति श्री श्रीमती **VANKATESHWAR PRASAD VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ANANDITA MISHRA** पिता / पति श्री/श्रीमती **D/O LT. DEVJYOTI MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..35143...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35143
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652F1202C** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, **SMT. REKHA DEWANGAN** पिता/पति श्री श्रीमती **CHUMMAN LAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **PRATIMA SINGH** पिता / पति श्री/श्रीमती **PREM SINGH KSHATRIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..35127..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क. 35127
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652F00931** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. **BHARAT BHUSHAN SINGH** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE RAJENDRA PRASAD SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **RISHABH SONI** पिता / पति श्री श्रीमती **BHARAT BHUSHAN SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..3513.../ न. पा. नि./जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35133
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663P0203A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUDHIR TANK** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE KESHO LAL TANK** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **AISWRIA AGRAWAAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O RAJ KUMAR AGRAWAAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा । प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा । आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..35166..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35166
वार्ड का नाम 65-65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A00321** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DEVENDRA KUMAR YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती **BANSILAL YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती जितेश्वरी महोबिया पिता / पति श्री/श्रीमती पति नारायण महोबिया ने** मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /..35167..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35167
वार्ड का नाम 65-65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662E00303** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SAGAR SHUKLA** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE RAVISHANKAR SHUKLA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री वेद प्रकाश सिंह कुशवाहा पिता / पति श्री/श्रीमती पित्ता जय प्रकाश सिंह कुशवाहा ने** मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आवश्यक सूचना / सार्वजनिक इस्तिहार

VANO BASTAR CHANDAN AGRI PVT. LTD., KANKER
Reg. No. 016425

सर्वसंबंधित सदस्यों, डिस्ट्रीब्यूटर्स, लीडर्स एवं कंपनी से जुड़े पूर्व कार्यकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि कंपनी द्वारा पूर्व से पंजीकृत/कार्यरत सदस्यों के लिए नई ID जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

जिन सदस्यों की कंपनी में पुरानी ID पूर्व से बनी हुई है, वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 10 (दस) दिवस के भीतर कंपनी के कार्यालय, कांकेर में संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए अपनी नई ID प्राप्त कर लें।

विशेष सूचना

निर्धारित 10 दिवस की अवधि के पश्चात संबंधित पुरानी/पूर्व ID को ब्लॉक किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में उक्त ID के माध्यम से कंपनी की सेवाओं एवं गतिविधियों का संचालन नहीं किया जा सकेगा।

अतः सभी संबंधित सदस्यों, लीडर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स से अनुरोध है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कंपनी कार्यालय में संपर्क कर अपनी नई ID प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

शैलेन्द्र तिवारी (अधिवक्ता)
कांकेर छत्तीसगढ़
मो नंबर 8717947451

दिनांक: 07/09/2026
कार्यालय: कांकेर, छत्तीसगढ़

रूस से भारत का ऊर्जा आयात रिकॉर्ड स्तर पर, हर महीने बन रहा नया कीर्तिमानः क्रेमलिन प्रवक्ता

विश्व केसरी

मॉस्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा रूसी ऊर्जा आयात में किसी प्रकार की कमी नहीं आई है और दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों के साथ वर्चुअल बातचीत में यह जानकारी दी। यह संवाद इस सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले हुआ।

पेस्कोव ने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह सटीक आंकड़े साझा नहीं करना चाहते, लेकिन भारत को होने वाले रूसी ऊर्जा निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं समझने योग्य कारणों से कोई संख्या नहीं बताना चाहता, लेकिन लगभग हर महीने हम एक नया रिकॉर्ड देख रहे हैं।'

भारत और रूस के बीच व्यापार में लंबे समय से चर्चा का विषय रहे रुपया भुगतान संतुलन के मुद्दे पर भी पेस्कोव ने सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार में जमा हुई रुपए की राशि से जुड़ी समस्याओं का समाधान धीरे-धीरे किया जा रहा है और दोनों देश इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

क्रेमलिन प्रवक्ता ने बताया कि भारत और रूस दुर्लभ मृदा खनिजों (रेयर अर्थ्स) की खोज और विकास के क्षेत्र में सहयोग को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, रूस के अत्याधुनिक सुखोई एसयू-57 स्टेल्थ लड़ाकू विमान की संभावित बिक्री का मुद्दा भी दोनों देशों के बीच चर्चा के एजेंडे में शामिल है। पेस्कोव ने ब्रिक्स देशों द्वारा राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने के प्रयासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी 'डी-डॉलराइजेशन' अभियान का हिस्सा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया व्यावहारिक कदम है। उन्होंने कहा, 'हम किसी डी-डॉलराइजेशन नीति का दावा नहीं कर रहे हैं। हम केवल वही कर रहे हैं जो हमारे राष्ट्रीय हितों के अधिक अनुकूल है।'

पेस्कोव के अनुसार, कुछ देश अपनी मुद्राओं का उपयोग राजनीतिक दबाव के साधन के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा, 'यदि वे हमें अपनी मुद्रा का उपयोग नहीं करने देते, तो हम अपनी मुद्रा का उपयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि रूस को डॉलर और यूरो के उपयोग पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उसने राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए। हालांकि रूस अभी भी सभी स्वीकार्य भुगतान प्रणालियों और मुद्राओं के उपयोग के लिए खुला है।

क्रेमलिन ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, वित्त और सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शुक्रवार को द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

सीमा पार धुंध पर आसियान की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा जरूरीः मलेशियाई पीएम

विश्व केसरी

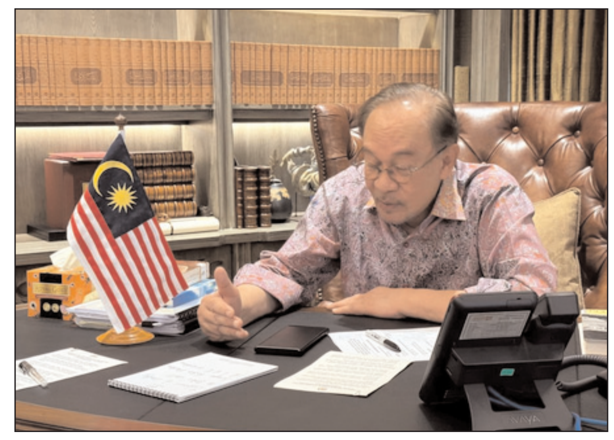

कुआलालंपुर। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) को सीमा पार फैलने वाली धुंध (ट्रांसबाउंड्री हेज) से निपटने के लिए अपनी मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता लोगों, खासकर बच्चों और शिशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है।

मंगलवार को प्रेस वार्ता में अनवर इब्राहिम ने कहा कि हर साल लौटने वाली धुंध की समस्या को आसियान को गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन के मौजूदा तंत्र को केवल कागजों तक सीमित रखने के बजाय धुंध के स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने कहा, इस व्यवस्था में सुधार की काफी गुंजाइश है। आसियान के मंत्रियों को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा असर लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है, विशेष रूप से बच्चों और नवजातों पर। अनवर ने बोर्नियो द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित मलेशिया के सारावाक राज्य के सेरियन जिले का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हालात बेहद चिंताजनक हैं। जिले में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद आपातकाल घोषित किया गया था।

हालांकि सोमवार को आपातकाल समाप्त कर दिया गया, लेकिन मंगलवार सुबह सेरियन में एयर पॉल्यूटेंट इंडेक्स (एपीआई) फिर 302 दर्ज किया गया, जो 'खतरनाक' श्रेणी में आता है। मलेशिया के वायु गुणवत्ता मानकों के अनुसार 301 या उससे अधिक एपीआई को खतरनाक माना जाता है।

चीन तटरक्षक बल ने अपने पहले अखिल एशियाई-प्रशांत बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की

विश्व केसरी

बीजिंग। एशिया में तटरक्षक एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों का 22वीं उच्च स्तरीय सम्मेलन मंगलवार को चच्यांग प्रांत के हांगचो शहर में उद्घाटित हुआ।

यह सम्मेलन चीन तटरक्षक बल द्वारा आयोजित पहला अखिल एशियाई-प्रशांत बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन था। इस सम्मेलन में दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और वियतनाम सहित 23 देशों और क्षेत्रों की समुद्री कानून प्रवर्तन एजेंसियों दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संबंधित चीनी विभागों के प्रतिनिधियों समेत कुल 124 लोगों ने भाग लिया।

समुद्री सुरक्षा से जुड़े बढ़ते जटिल मुद्दों और पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अंतर्संबंध को देखते हुए, इस सम्मेलन में छह प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा: अवैध समुद्री गतिविधियों की रोकथाम एवं मुकाबला, समुद्री खोज एवं बचाव, समुद्री पारिस्थितिक पर्यावरण संरक्षण, सूचना साझाकरण, संयुक्त अभ्यास और क्षमता निर्माण। इसका उद्देश्य विभिन्न पक्षों के साथ मिलकर समुद्री शासन को आगे बढ़ाना और साझा भविष्य समुद्री समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देना है।

दक्षिण कोरिया-जापान ने क्षेत्रीय शांति के लिए अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग दोहराया

विश्व केसरी

सियोल। दक्षिण कोरिया और जापान के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग को कोरियाई प्रायद्वीप और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। दोनों देशों ने रक्षा आदान-प्रदान और सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

दक्षिण कोरिया के उप रक्षा मंत्री ली डू-ही और जापान के उप रक्षा मंत्री अत्सुशी एंडो के बीच सियोल डिफेंस डायलॉग (एसडीडी) के दौरान यह बैठक हुई। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय तथा त्रिपक्षीय सहयोग क्षेत्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने आपसी समझ और विश्वास के आधार पर स्थिर, पारस्परिक रूप से लाभकारी और भविष्य उन्मुख रक्षा सहयोग को लगातार मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की।

जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी इस सम्मेलन में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह उप रक्षा मंत्री अत्सुशी एंडो ने भाग लिया। कोइज़ुमी ने हाल ही में टोक्यो स्थित एक विवादित युद्धकालीन स्मारक का दौरा किया था, जिसे जापान के साम्राज्यवादी अतीत का प्रतीक माना जाता है। इस दौरे की दक्षिण कोरिया और अन्य पड़ोसी देशों ने आलोचना की थी।

बैठक के इतर ली डू-ही ने फिनलैंड के रक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव याने कूसेला से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और यूरोप तथा इंडो-पैसिफिक के बीच बढ़ते सुरक्षा सहयोग के मद्देनजर द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों देशों ने रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा उद्योग और मौजूदा साझेदारियों, विशेष रूप से के-9 सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्जर परियोजना, के आधार पर सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

इसके अलावा ली डू-ही ने मलेशिया के रक्षा महासचिव लोकमान हकीम बिन अली और सिंगापुर के रक्षा राज्य मंत्री डेसमंड चू से अलग-अलग मुलाकात कर रक्षा सहयोग और हथियार निर्माण के क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सियोल डिफेंस डायलॉग 2026 इस वर्ष 'उथल-पुथल के दौर में नए सह-अस्तित्व की ओर' विषय के साथ आयोजित किया जा रहा है।

1.3 लाख करोड़ की फ्रेट कॉरिडोर परियोजना राष्ट्र को समर्पित, महाराष्ट्र को मिलेगा बड़ा फायदा

विश्व केसरी

उरण (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को जेएनपीटी-न्यू उमरगाम खंड वाले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के उद्घाटन को एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर भारत में माल ढुलाई व्यवस्था को पूरी तरह बदल देगा और कम लागत वाली वैश्विक लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भारत को चीन का मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना की मदद से भारत की लॉजिस्टिक्स लागत 10 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत तक आ जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 1.3 लाख करोड़ रुपए की इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। लगभग 1,500 किलोमीटर लंबे इस फ्रेट कॉरिडोर का विस्तार महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में है। यह परियोजना उत्तर भारत को देश के पश्चिमी तट से बेहतर तरीके से जोड़ेगी।

फडणवीस ने कहा कि 2014 से पहले भारत में लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 14 प्रतिशत थी, जबकि चीन में यह करीब 7 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने इस लागत को घटाकर 10 प्रतिशत तक पहुंचाया है। अब (डब्ल्यूडीएफसी) के पूरी तरह चालू होने के बाद यह लागत 7 प्रतिशत तक आने की संभावना है। इससे भारत वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और सप्लाई चेन का बड़ा केंद्र बनेगा तथा बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी देश के कुल कंटेनर ट्रैफिक का 55 प्रतिशत से अधिक संभालती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में जेएनपीटी की क्षमता कई मिलियन टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित वधावन पोर्ट, जो जेएनपीटी से तीन गुना बड़ा होगा और डब्ल्यूडीएफसी मिलकर महाराष्ट्र को समुद्री और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की बड़ी ताकत बना देंगे।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस कॉरिडोर की लगभग 70 से 80 प्रतिशत क्षमता उत्तर भारत के इनलैंड कंटेनर डिपो और पश्चिमी बंदरगाहों जैसे जेएनपीटी, मुंद्रा और पीपावाव के बीच आयात-निर्यात कंटेनर यातायात के लिए निर्धारित की गई है।

जीएसएलवी-एफ17 मिशन की सफलता पर कर्नाटक सरकार ने इसरो टीम को सराहा

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के लघु सिंचाई और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अजय धर्म सिंह ने मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन से मुलाकात की और हाल ही में सफल रहे जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 मिशन के लिए उन्हें बधाई दी।

इसरो के वैज्ञानिकों इंजीनियरों और तकनीकी टीमों की तारीफ करते हुए मंत्री ने कहा कि यह मिशन भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं में एक और अहम पड़ाव है। अजय धर्म सिंह ने कहा, 'इसरो की यह उपलब्धि पूरे देश और कर्नाटक के लिए गर्व की बात है। राज्य सरकार कर्नाटक में स्पेस साइंस, रिसर्च, स्पेस-टेक, डीप-टेक, स्टार्टअप और उभरती हुई टेक्नोलॉजी के विकास में सहयोग देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने वी. नारायणन से फोन पर बात की और सफल मिशन के लिए इसरो चेयरमैन और पूरी टीम को बधाई दी।

अजय धर्म सिंह ने कहा कि विज्ञान, तकनीक और उभरते इनोवेशन के क्षेत्रों में इसरो और कर्नाटक सरकार के बीच सहयोग को और मजबूत करने की काफी गुंजाइश है। मंत्री ने कहा, 'कर्नाटक ऐतिहासिक रूप से इसरो और भारत के स्पेस इकोसिस्टम का केंद्र रहा है। राज्य को देश में स्पेसटेक और डीपटेक के विकास के अगले चरण में भी सबसे आगे रहना चाहिए। इस सफर में इसरो का मार्गदर्शन और सहयोग बहुत अहम होगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि और ज्यादा सहयोग के मौकों का पता लगाने के लिए इस महीने के आखिर में मुख्यमंत्री शिवकुमार और इसरो के लीडर्स के साथ एक मीटिंग आयोजित की जाएगी।

नारायणन को लिखे अपने पत्र में मंत्री अजय धर्म सिंह ने कहा, 'मैं सफल जीएसएलवी-एफ-17/ईओएस-05 मिशन के लिए आपको और इसरो की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं।'

दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने युवाओं को राजनीति में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को युवाओं से कहा कि वे राजनीति को सिर्फ दूर से न देखें, बल्कि आगे आएं, उसमें हिस्सा लें और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान दें।

दिल्ली विधानसभा के 'यूथ आउटरीच प्रोग्राम' के तहत दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों के छात्रों से बातचीत करते हुए गुप्ता ने लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। एक बयान के अनुसार, उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के केवल दर्शक बनकर न रहें, बल्कि सार्वजनिक जीवन, शासन और राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दें।

'यूथ आउटरीच प्रोग्राम' के तहत राजधानी कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, लॉ सेंटर-वन और शिवाजी कॉलेज के छात्रों ने दिल्ली विधानसभा का दौरा किया। उन्होंने स्पीकर के साथ संसदीय कामकाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में पीठासीन अधिकारी (स्पीकर) की भूमिका पर बातचीत की। विपक्ष के नेता से सदन के स्पीकर बनने तक के अपने सफर के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गुप्ता ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर उनका अनुभव चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन इसने उनके इस संकल्प को और मजबूत किया कि स्पीकर के रूप में वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सदन के हर सदस्य को बोलने का निष्पक्ष और सार्थक मौका मिले।

स्पीकर ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर मिले अनुभवों ने उस तरीके को प्रभावित किया है, जिससे वे सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर सदस्य को, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा हो, अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्पीकर के तौर पर, वह यह पक्का करने की पूरी कोशिश करते हैं कि संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं के दायरे में सदस्यों की बात सुनी जाए। कार्यवाही के दौरान ज्यादा पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए अपनाए गए उपायों के बारे में बताते हुए गुप्ता ने असेंबली चैंबर के अंदर डिस्प्ले स्क्रीन पर टाइमर के इस्तेमाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सदस्यों को दिया गया समय साफ तौर पर दिखाई देता है।

पंजाब में हुई एनआरपीसीसी की 10वीं बैठक में साइबर क्राइम और आंतरिक सुरक्षा पर मंथन

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को हाइब्रिड मोड में 10वीं नॉर्दर्न रीजनल पुलिस कोऑर्डिनेशन कमेटी (एनआरपीसीसी) की बैठक की गई , जिसमें केंद्रीय एजेंसियों और अन्य मुख्य स्टेकहोल्डर्स के डीजी/आईजी शामिल हुए। पंजाब पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी।

इस बैठक में बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एनआईए, एसआईबी, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ की राज्य पुलिस फोर्स और अन्य केंद्रीय व सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

पुलिस के मुताबिक, बातचीत का मुख्य फोकस साइबर क्राइम, आंतरिक सुरक्षा, काउंटर-इंटेलिजेंस और इंटेलिजेंस को मजबूत करने, तैयारी बढ़ाने और अधिक प्रभावी पुलिसिंग क्षमताएं बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने पर था। असल में एनआरपीसीसी का मकसद कोऑर्डिनेशन है। जैसे-जैसे अपराध और सुरक्षा के खतरे राज्यों की सीमाओं से आगे बढ़ रहे हैं, उभरते खतरों से निपटने के लिए प्रभावी इंटेलिजेंस शेयरिंग, एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित संयुक्त कार्रवाई बहुत जरूरी है।

संगठित अपराध, गैंगस्टर नेटवर्क, साइबर क्राइम, ऑनलाइन चरमपंथ और सुरक्षा से जुड़ी अन्य उभरती चुनौतियों के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई, समन्वित पुलिसिंग और अंतर-राज्यीय सहयोग की ताकत को दिखाती है।

संपादकीय

भारतेंदु हरिश्चंद्र के साहित्य में राष्ट्रबोध की चेतना

आचार्य ललित मुनि

उन्नीसवीं शताब्दी का भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा था, जहां पुरानी दुनिया धीरे धीरे पीछे छूट रही थी और आधुनिकता का एक नया संसार सामने आ रहा था। अंग्रेजी शासन मजबूत हो चुका था, पश्चिमी शिक्षा तथा आधुनिक विचारों का प्रभाव बढ़ रहा था। ऐसे समय में काशी से एक ऐसी आवाज उठी जिसने हिंदी साहित्य को केवल मनोरंजन और काव्य रस की दुनिया से बाहर निकालकर अपने समय के मुद्दों से जोड़ दिया। यह आवाज थी भारतेंदु हरिश्चंद्र की।

भारतेंदु का जीवन बहुत लंबा नहीं था। उनका जन्म 1850 में हुआ और 1885 में उनका निधन हो गया। केवल लगभग पैंतीस वर्ष के जीवन में उन्होंने कविता, नाटक, निबंध और पत्रकारिता के माध्यम से हिंदी समाज के भीतर नई चेतना पैदा की। उनके व्यक्तित्व में देश प्रेम और क्रांति चेतना का विशेष स्थान था। उन्होंने साहित्य के साथ पत्र पत्रिकाओं और सामाजिक गतिविधियों को भी जनजागरण का माध्यम बनाया।

भारतेंदु के राष्ट्रबोध को समझने के लिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि उनके साहित्य में राष्ट्रप्रेम कभी भारत की दुर्दशा पर करुणा बनकर सामने आता है, कभी अपनी भाषा के प्रति आग्रह बनकर, कभी सामाजिक कुरीतियों के विरोध में और कभी आर्थिक शोषण की पीड़ा के रूप में। सबसे मार्मिक रूप उनके नाटक भारत दुर्दशा में दिखाई देता है। यहां भारत कोई अमूर्त भौगोलिक इकाई नहीं है। वह एक पीड़ित देश के रूप में सामने आता है, जिसकी वर्तमान दशा उसके गौरवशाली अतीत से बिल्कुल अलग हो गई है।

भारतेंदु को यह पीड़ा केवल विदेशी शासन से नहीं थी। वे भारतीय समाज की अपनी कमजोरियों से भी उतने ही चिंतित थे। उनके लिए देश की उन्नति का रास्ता केवल शासन परिवर्तन से होकर नहीं जाता था। समाज को अपनी जड़ता, आलस्य, अज्ञान और आपसी विभाजन से भी बाहर निकलना था। उनकी रचनाओं में पराधीनता का प्रश्न प्रमुख रूप से दिखाई देता है। वे लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि जो समाज कभी समृद्ध और प्रभावशाली था, वह पराधीन कैसे हो गया। यही प्रश्न भारतेंदु के राष्ट्रबोध का केंद्र है। वे केवल शिकायत नहीं करते, आत्ममंथन भी कराते हैं। भारतेंदु की राष्ट्रीय चेतना की विशेषता यह है कि उसमें केवल विदेशी शासन को दोष देने की प्रवृत्ति नहीं है। वे अपने समाज को भी कठघरे में खड़ा करते हैं। उनके लिए राष्ट्रीय जागरण का अर्थ था कि भारतीय समाज अपनी कमियों को पहचाने और उन्हें दूर करने का प्रयास करे। उनका प्रसिद्ध निबंध भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें उन्होंने भारतीय समाज की आर्थिक और सामाजिक कमजोरियों पर विचार किया। उन्होंने श्रम, समय के सदुपयोग, आत्मबल, शिक्षा और संगठन की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही अंग्रेजों के परिश्रम और संगठन से सीख लेने की बात भी की। भारतेंदु ने ब्रिटिश शासन की मनमानी पर व्यंग्य किया, लेकिन अंग्रेजों के परिश्रमी स्वभाव की प्रशंसा भी की।

यह तथ्य उनके राष्ट्रबोध को अधिक वास्तविक बनाता है। उनका राष्ट्रवाद भावुक विरोध भर नहीं था। वे आधुनिक ज्ञान और उपयोगी गुणों को अपनाकर भारतीय समाज को मजबूत बनाना चाहते थे। भारतेंदु के राष्ट्रबोध का दूसरा बड़ा आधार भाषा है। उनकी प्रसिद्ध पंक्ति है – 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल। यह पंक्ति केवल हिंदी के प्रचार का नारा नहीं थी। इसके भीतर भाषा और आत्मसम्मान का गहरा संबंध दिखाई देता है। भारतेंदु समझते थे कि जिस समाज की अपनी भाषा में ज्ञान, विचार और संवाद की मजबूत परंपरा होगी, वही समाज अपनी सामूहिक चेतना को मजबूत कर सकेगा। उन्होंने कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र मैगजीन और हरिश्चंद्र चंद्रिका जैसी पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी को नए विषयों और नई शैली से जोड़ा। स्त्रियों की शिक्षा और जागरूकता के लिए बालाबोधिनी का प्रकाशन भी इसी व्यापक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। भारतेंदु ने भाषा को केवल साहित्य की भाषा नहीं माना। वह उनके लिए समाज को जोड़ने और जागृत करने का माध्यम थी।

उन्होंने पत्र पत्रिकाओं को समाज के सामने उपस्थित प्रश्नों पर विचार करने का मंच बनाया। उनकी पत्रकारिता में साहित्य, राजनीति, समाज सुधार, शिक्षा और आर्थिक प्रश्न एक दूसरे से जुड़े हुए दिखाई देते हैं।

उस समय पत्रकारिता आसान काम नहीं था। अंग्रेजी शासन के दौर में सत्ता की आलोचना करना जोखिम से खाली नहीं था। फिर भी भारतेंदु ने अपनी लेखनी के माध्यम से जनता को अपने समय को समझने के लिए प्रेरित किया। उनकी पत्रिकाओं ने हिंदी पत्रकारिता को सामाजिक समस्याओं और जनचेतना से जोड़ा तथा उनके लेखन का प्रभाव इतना था कि तत्कालीन अधिकारियों की भी उस पर नजर रहती थी। इस तरह भारतेंदु की पत्रकारिता राष्ट्रबोध की प्रयोगशाला बन गई, जहां साहित्य समाज से सीधे संवाद करने लगा। भारतेंदु ने व्यंग्य को भी सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण का प्रभावी माध्यम बनाया। अंधेर नगरी इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। अंधेर नगरी में व्यवस्था की विसंगतियों, मूर्खतापूर्ण शासन और न्याय की विडंबना पर तीखा व्यंग्य है। यह केवल किसी काल्पनिक राजा की कहानी नहीं रह जाती। पाठक उसके भीतर शासन व्यवस्था और सामाजिक विवेक से जुड़े मुद्दों को पहचान सकता है।

डॉ. संजीव कुमार : साहित्य जगत के एक विराट व्यक्तित्व की अनकही दास्तान

रणविजय राव

जीवन की आपाधापी, रिश्तों के ताने-बाने और शब्दों की जादुई दुनिया के बीच कुछ लोग ऐसे आते हैं जो अपनी छाप केवल पन्नों पर नहीं, बल्कि इंसानी दिलों पर हमेशा के लिए छोड़ जाते हैं। डॉ. संजीव कुमार एक ऐसा ही वटवृक्ष थे, जिनकी स्नेहिल छाया में साहित्य, समाज और विधि की दुनिया से जुड़े अनगिनत लोग विश्राम पाते थे. जीवन भर जो इंसान हर किसी को साथ लेकर चलने का संकल्प लिए जिया, जिसका जीवन उत्सव की तरह लोगों को जोड़ने में बीता, वह अब अनन्त यात्रा पर पूरी तरह अकेला ही प्रस्थान कर गया। नियति का यह कैसा निष्ठुर न्याय है ? जो व्यक्ति हर महफिल की जान था, जिसके शब्द मायूस दिलों में नई उम्मीद भर देते थे, वह बिना कोई अंतिम शब्द कहे, चुपचाप समय के पर्दे के पीछे ओझल हो गया।

डॉ. संजीव कुमार केवल एक नाम नहीं थे, वे अध्ययन, चिंतन और कर्मठता के एक जीवंत संस्थान थे। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। एक तरफ वे कानून की पेचीदगियों को समझने और सुलझाने वाले अत्यंत कुशल विधिवेत्ता थे, तो दूसरी तरफ एक ऐसा कोमल हृदय साहित्यकार, जो जीवन की सबसे मामूली घटना में से भी अमर पंक्तियाँ चुरा लाता था। साहित्य की शायद ही कोई ऐसी विधा बची हो, जहाँ उनकी लेखनी ने अपने अमिट छाप न छोड़ी हो। बाल कहानियों की निष्छल और रंगीन दुनिया हो, पौराणिक आख्यानों की गहराई हो, लोक कथाओं की खुशबू हो, समाज की विसंगतियों पर करारा प्रहार करने वाला व्यंग्य हो, हृदय के तारों को झंकृत करती कविताएँ हों या फिर अपने पीछे छूटे पलों को सहेजते संस्मरण -- संजीव जी ने हर जगह अपनी मौलिकता की छाप छोड़ी।

विभिन्न विधाओं में तीन सौ साठ से भी अधिक पुस्तकों का सृजन करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। यह केवल लेखन का अभ्यास नहीं, बल्कि एक तरह की साधना थी, एक जुनून था। इसी अविश्वसनीय और असाधारण रचनाधर्मिता के कारण उनका नाम 'इंडिया नेट इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ। परंतु, इतने विशाल कीर्तिमान और यश के शिखर पर पहुँचने के बाद भी उनमें अहंकार लेशमात्र भी नहीं था। मेरे और संजीव जी के बीच का रिश्ता सिर्फ शब्दों, किताबों या साहित्यिक आयोजनों तक सीमित नहीं था। वह औपचारिकताओं से बहुत परे, एक गहरा, पारदर्शी और आत्मीय पारिवारिक संबंध था। कई बार साहित्यिक गोष्ठियों, सांस्कृतिक सम्मेलनों और धार्मिक यात्राओं में उनके साथ सपरिवार जाने का सौभाग्य मिला। यात्रा के उन क्षणों में उन्हें केवल एक विद्वान के रूप में नहीं, बल्कि एक निश्छल, जीवन से भरपूर इंसान के रूप में देखा।

अग्रज होने के नाते उनका स्नेह, आशीर्वाद और वात्सल्य हमेशा एक सुरक्षा कवच की तरह मेरे साथ रहता था। उनकी हर योजना, हर नई सोच में मेरे लिए एक खास जगह हमेशा आरक्षित रहती थी। अक्सर अचानक उनका फोन आता, 'सुनो, तुम्हें यह काम

संभालना है', 'हम सब इस तारीख को वहाँ चल रहे हैं' या 'इस विषय पर तुरंत कुछ लिखो।' उनके उस आदेश में अधिकार भी था और अगाध प्रेम भी। उनके इन निमंत्रणों को टालने की क्षमता मुझमें नहीं थी। मैंने हमेशा यही भरसक प्रयास किया कि उनके इस अटूट भरोसे की नींव कभी कमजोर न पड़े। देश और विदेश की अनेक यात्राओं में उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का मौका मिला। इन यात्राओं के दौरान ही मुझे उनके व्यक्तित्व के उस पहलू को बहुत करीब से देखने का अवसर मिला, जो आम आयोजनों के दौरान देखने को नहीं मिलता है. वे सही अर्थों में 'यारों के यार' थे। एक ऐसा इंसान जिसके भीतर न तो कोई छल था, न कोई बनावट। बेहद शांत, सरल, मृदुभाषी और हमेशा दूसरों की खुशी में अपनी खुशी तलाशने वाले। वे हर दृष्टि से एक सुखी, संतुष्ट और खुशमिजाज व्यक्तित्व के स्वामी थे। अहंकार उनके स्वभाव के रसायन में था ही नहीं। वे सहजता के पर्याय थे।

संजीव जी की जीवन-शैली का सबसे बड़ा दर्शन था - रिश्ते जोड़ना। उन्होंने हमेशा दोस्त बनाने की कोशिश की, वैमनस्य को मिटाने का प्रयास किया। अगर जाने-अनजाने कोई उनसे ईर्ष्या या दुश्मनी भी पाल बैठता, तो संजीव जी अपनी आत्मीयता और मुस्कान से उस शत्रुता को भी मित्रता में बदलने का जतन करते थे। उनके लिए कोई भी पराया नहीं था। अक्सर जब हम शाम को फुर्सत के पलों में बैठते, सफर में साथ होते तो हम सब उनसे उनकी एक बेहद प्रिय पंक्ति और गीत सुनाने का बार-बार हठ करते थे। जब वे अपनी गंभीर पर मिठास भरी आवाज में गुनगुनाते, 'प्रेम गर मर जाएगा/ तो और क्या रह जाएगा।' तो समां बंध जाता था।

एक लेखक के रूप में स्वयं को स्थापित करना एक बात है, लेकिन दूसरों को राह दिखाना और नए रचनाकारों के लिए अपने कंधे देना बिल्कुल अलग बात है। संजीव जी ने 'इंडिया नेटबुक्स' की स्थापना केवल एक व्यावसायिक प्रकाशन के रूप में नहीं की थी, बल्कि वह नए और उपेक्षित रचनाकारों के लिए एक सुरक्षित संबल था. इंडिया नेटबुक्स के माध्यम से उन्होंने ऐसे दर्जनों नवोदित साहित्यकारों को पहचान दी, जो अपनी रचनाओं को दुनिया के सामने लाने के लिए भटक रहे थे, जिन्हें कहीं मौका नहीं मिल रहा था। इसके अलावा, इंडिया नेटबुक्स के भव्य वार्षिक आयोजनों के जरिए वे वरिष्ठ, युवा और यहां तक कि बाल साहित्यकारों को भी मंच पर लाकर सम्मानित करते थे। उनका मकसद केवल पुरस्कार देना नहीं था, बल्कि उन लेखकों के भीतर बेहतर सृजन की नई लौ जलाना था। एक संवेदनशील कवि, प्रकांड विद्वान, शिक्षाविद, कुशल विधिवेत्ता, अनिकेत यायावर, और प्रकाशक के रूप में उनकी भूमिकाएं बहुगुणित थीं। वे 'बीपीए फाउंडेशन' के मुख्य कर्ताधर्ता थे, जिसके माध्यम से अनगिनत सामाजिक और सांस्कृतिक कार्य चुपचाप संपन्न होते रहते थे। शायद यही कारण है कि मानो उन्हें अनहोनी का पूर्वाभास हो गया था। शायद उन्हें आभास हो चुका था कि इस नश्वर संसार में उनके पास समय बहुत कम बचा है। इसीलिए वे अपनी तमाम योजनाओं को असामान्य गति से, जल्दी-जल्दी निपटा रहे थे। वे साहित्य और समाज के लिए जितना कर गए, वह अतुलनीय है, पर उनके भीतर और भी बहुत कुछ करने की तड़प बाकी थी। शरीर साथ नहीं दे रहा था, पर उनका मन एक चंचल बालक की तरह हमेशा कुछ नया करने को मचलता रहता था।

संजीव जी भौतिक रूप से हमारे बीच से भले ही चले गए हों, लेकिन जो मूल्य, जो परंपराएं और जो वैचारिक विरासत वे छोड़ गए हैं, वह कभी समाप्त नहीं हो सकती। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनकी सुयोग्य बेटियाँ, नीति और शुभ्रा, उनके सुपुत्र तनुज तथा मनोरमा जी एवं कामिनी जी मिलकर उनकी इस महान विरासत को नए शिखरों तक ले जाएंगे। संजीव जी के छूटे हुए सपनों और अधूरे कामों को वे सब मिलकर अवश्य पूरा करेंगे, यही उनके प्रति सबसे सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनकी कमी, उनका वह अचानक फोन आना, उनकी स्नेहिल डांट और उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा हमेशा याद आएगा। भौतिक शरीर से परे, उनकी आत्मा जहां भी गई होगी, मुझे यकीन है कि वे वहां भी अपनी बातों, अपने गीतों और अपनी आत्मीयता से महफ़िल सजा रहे होंगे। हे प्रिय अग्रज! आप जहां भी रहें, अपनी दिव्य उपस्थिति से हम सबको सही मार्ग पर चलने का आशीर्वाद देते रहें। आपको अश्रुपूरित एवं विनम्र श्रद्धांजलि!

बिट्टू तबाही सबकी प्रेरणा बने, नदी को हम बचाएँगे, नदी हमको बचाएगी

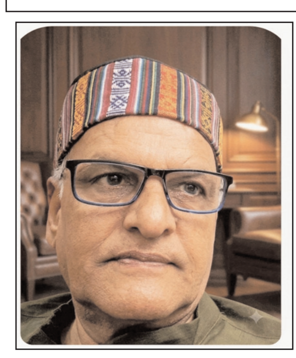

गिरीश पंकज

गंगा जैसी अधिक नदियों की सफाई में करोड़ों रुपए खर्च होते रहे हैं लेकिन नदिया साफ नहीं होती लेकिन बिट्टू का तबाही जैसा एक युवक ईमानदारी के साथ खड़ा होता है तो कुछ ही महीने में अजनार नदी साफ सुथरी हो जाती है। एक तरफ सरकार के करोड़ों रुपए और दूसरी तरफ सुरेंद्र सिंह चौधरी उर्फ बिट्टू तबाही के मंत्र तीस हजार रुपये खर्च हुए और नदी स्वच्छ हो गई । राजगढ़ जिले के जिस नदी को अपने कुछ मित्रों के साथ मिलकर साफ करके बिट्टू ने दिखा दिया कि हिम्मत करें इंसान तो क्या हो नहीं सकता। हालांकि कुछ लोग बिट्टू का मजाक उड़ाते रहे कि यह सोशल मीडिया में लाइक्स पाने के लिए यह सब कर रहा है । लेकिन बिट्टू ने किसी भी की परवाह नहीं की और अपना काम करता रहा आज बिट्टू कोई काम को दुनिया सराह रही है। इस काम के लिए बिट्टू को कोई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल जाए तो यह कम होगा। बिट्टू तबाही हर उस सिस्टम पर तमाचा है, जो नदियों

की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये हजम कर जाता है। इस खेल में नीचे से ऊपर तक अनेक लोग साथ शामिल रहते हैं। किसका नाम लिया जाएकिसी मंत्री का अफसर का विधायक का सब मिलजुल कर सफाई के नाम पर करोड़ हजम करते हैं, लेकिन क्या नदी,क्या सड़क : हर जगह गंदगी-ही-गंदगी नजर आती है।

'बिट्टू तबाही' और उनके साथियों द्वारा मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में अजनार नदी का कायाकल्प जनभागीदारी, संकल्प और प्रशासनिक उदासीनता के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। सरकारी योजनाओं में 'नमामि गंगे' जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं से लेकर स्थानीय स्तर के रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट्स तक, समस्या बजट की नहीं बल्कि जवाबदेही की रही है। अरबों रुपये के टेंडर, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लंबे-चौड़े वादे और कागजी निरीक्षण अक्सर धरातल पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं। इसके विपरीत, बिट्टू तबाही ने महज लगभग तीस हजार के निजी संसाधन, स्थानीय युवाओं की मेहनत और निरंतर श्रमदान से वह नतीजा दिया जो वर्षों की सरकारी फाइलें नहीं दे सकीं।

नदियों की सफाई के बजट में प्रशासनिक तंत्र, ठेकेदार और जनप्रतिनिधियों का गठजोड़ अक्सर फंड के सही उपयोग को रोक देता है। मेंटेनेंस और इच्छाशक्ति का अभाव: जब तक नदी केवल बजट पास कराने का जरिया रहेगी, तब तक स्थायी सफाई संभव नहीं है। बिट्टू जैसे जमीनी प्रयासों में कोई कमीशन नहीं होता, केवल समस्या खत्म करने का सीधा लक्ष्य होता है। जनता की सोच में बदलाव: शुरुआत में सोशल मीडिया पब्लिसिटी का आरोप झेलने के बावजूद, निरंतर काम करके उन्होंने साबित किया कि अगर नीयत साफ हो तो आलोचनाएं खुद-ब-खुद समर्थन में बदल जाती हैं।

नागरिकों की व्यक्तिगत पहल प्रेरणादायक हो सकती है, लेकिन यह लंबे समय तक प्रशासन की जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बन सकती। बिट्टू तबाही का यह मॉडल दिखाता है कि जब तक नदियों में मिलने वाले गंदे नालों, प्लास्टिक कचरे और औद्योगिक बहाव के मुख्य स्रोतों को सरकारी सख्ती से बंद नहीं किया जाएगा।

बोध कथा

जीवन का सत्य

एक व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान की आशा में एक संत के पास पहुंचा। संत ने उसे एक राजा के पास जाने को कहा। वह व्यक्ति राजा के पास पहुंचा। राजा उसे अपने दरबार में ले गया। वहां का दृश्य देखकर वह व्यक्ति दंग रह गया। वहां नर्तकियां नृत्य कर रही थीं। लोग बैठकर मदिरा का सेवन कर रहे थे। वह घबराकर राजा से बोला- महाराज, मैं गलत जगह आ गया हूं। अब यहां मैं एक पल नहीं रुक सकता। मैं तो कुछ जिज्ञासा लेकर आया था पर आप तो स्वयं ही भटके हुए हो तो मुझे क्या मार्ग दिखाओगे।

राजा ने कहा- मैं भटका हुआ नहीं हूं। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएं। वह व्यक्ति वहां रुक गया। उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह व्यक्ति सकुचाता हुआ उस पर सोया। तभी उसकी नजर ऊपर की ओर गई। एक चमचमाती तलवार ठीक उसके सिर पर एक सूत से लटकी थी। अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अगर धागा टूट गया तो । वह रात भर इस चिंता में सो नहीं पाया।

सुबह राजा खुद उसके कमरे में पहुंचा। उसने पूछा- अच्छी नींद आई न? इस पर उस व्यक्ति ने कहा- खाक नींद आती। आपने तो ऐसी तलवार टांग रखी है कि नींद उड़ गई। रात भर यही सोचता रहा कि अगर यह गिर जाएगी तो क्या होगा। इस पर राजा ने मुस्कराकर कहा- इसी तरह मौत की तलवार मेरे ऊपर टंगी रहती है। मेरे सामने बहुत सी चीजें रहती हैं पर मेरा ध्यान तो मृत्यु पर रहता है। अगर हर व्यक्ति यह मानकर चले कि सब कुछ के बावजूद मृत्यु ही जीवन का सत्य है तो वह किसी भी चीज में लिप्त नहीं होगा।

कविता

तिब्बत

उदय प्रकाश

तिब्बत से आये
हुए
लामा घूमते
रहते हैं
आजकल मंत्र
बुदबुदाते

उनके खच्चरों
के झुंड
बगीचों में उतरते हैं
गेंदे के पौधों को नहीं चरते

गेंदे के एक फूल में
कितने फूल होते हैं
पापा?

तिब्बत में बरसात
जब होती है
तब हम किस मौसम में
होते हैं?

तिब्बत में जब
तीन बजते हैं
तब हम किस समय में
होते हैं?

तिब्बत में
गेंदे के फूल होते हैं
क्या पापा?

लामा शंख बजाते है पापा?
पापा लामाओं को
कंबल ओढ़ कर
अंधेरे में
तेज़-तेज़ चलते हुए देखा है
कभी?

व्यंग्य केसरी

उफ़! ये डॉक्टर हैं या भगवान?

अशोक मतवाला

भारत में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है। और सच पूछिए तो कुछ अस्पतालों में यह बात इतनी गंभीरता से ली जाती है कि भगवान की तरह उनके रहस्य भी समझ में नहीं आते—और उनका हिसाब-किताब भी!

मसलन, मेरी उँगली में घर का काम करते हुए एक छोटा-सा कट लग गया। न कोई हड्डी टूटी, न उँगली अलग हुई, न खून ने बगावत की। थोड़ी देर में रक्तस्राव भी रुक गया। बस, एहतियातन उँगली दबाए मैं अपने घर में था!

पत्नी ने उँगली देखी तो बोली— 'अस्पताल चलो!'

मैंने कहा, 'अरे, कुछ नहीं हुआ।'

'तुम्हें कुछ नहीं हुआ, यह डॉक्टर तय करेंगे!'

पत्नी ने कहा!

बस फिर क्या था। मुझे अस्पताल पहुँचा दिया गया। अंदर प्रवेश करते ही लगा जैसे अस्पताल को पहले से खबर थी कि आज एक उँगली आने वाली है।

चार-पाँच लोग तुरंत मेरे चारों ओर जमा हो गए। किसी ने ब्लड प्रेशर पकड़ा, किसी ने शुगर जाँची, किसी ने मशीन लगा दी। एक गंभीर चेहरे वाले डॉक्टर साहब भी आ गए। उनकी गंभीरता देखकर मुझे अपनी उँगली से ज्यादा अपनी ज़िंदगी की चिंता होने लगी।

मैं सोचने लगा— 'भाई, कट उँगली में है या दिल में?'

तभी एक नर्स ने मेरी शर्ट नीचे की और बिना मेरी भावनाओं की अनुमति लिए इंजेक्शन भी दे दिया।

मैंने मन ही मन सोचा— 'अभी तो अस्पताल आया हूँ, कहीं यह लोग मुझे यहीं का निवासी न बना दें!'

फिर उँगली पर ऐसी शानदार पट्टी बाँधी गई कि लगा चोट नहीं, उँगली का उद्घाटन समारोह हुआ है।

पाँच दिन की दवाएँ भी थमा दी गईं।

मैंने पूछा, 'इतनी दवा?'

जवाब मिला— 'पूरा कोर्स कीजिए।'

मैंने मन में कहा— 'बीमारी तो है नहीं, मगर कोर्स पूरा करना जरूरी है!'

दवाएँ घर आकर वैसे ही पड़ी रहीं। उँगली ने बिना दवा के ही अपना काम शुरू कर दिया—ठीक होना।

अब आया असली इलाज— बिल। छः हज़ार रुपये!

मैंने बिल देखा तो लगा शायद उन्होंने मेरी उँगली का नहीं, मेरे पूरे शरीर का बीमा कर दिया है।

पत्नी ने खुशी-खुशी भुगतान किया। डॉक्टर साहब को हज़ार बार धन्यवाद दिया। उनकी खुशी देखकर मुझे समझ आया कि अस्पताल से निकलने के बाद भी इलाज जारी था—इस बार पत्नी जी का मानसिक इलाज हो रहा था कि उन्होंने मुझे समय पर अस्पताल पहुँचा दिया।

और अंत में घर लौटकर अदरक वाली चाय मिली।

उस चाय का स्वाद चार हज़ार रुपये का था।

अब सवाल यह नहीं कि डॉक्टर भगवान हैं या नहीं। हृश्नसवाल यह है कि अगर डॉक्टर भगवान हैं, तो अस्पताल उनका मंदिर है या पाँच सितारा टिकटघर?

भगवान के यहाँ तो प्रसाद चढ़ता है, यहाँ पहले रजिस्ट्रेशन फीस, फिर टेस्ट, फिर इंजेक्शन, फिर पट्टी और अंत में ऐसा बिल मिलता है कि आदमी सोचता है— 'हे भगवान! अगली बार छोटी चोट लगे तो पहले आपसे ही पूछ लूँ!'

आम आदमी बीमारी से जितना नहीं डरता!

इतिहास

9 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1776: अमेरिकी कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर देश का नाम 'यूनाइटेड कॉलोनीज़' से बदलकर संयुक्त राज्य अमेरिका (SA) किया।

1850: कैलिफ़ोर्निया अमेरिका का 31वाँ राज्य बना।

1948: सोवियत संघ के हटने के बाद उत्तर कोरिया में प्योंगयांग को राजधानी बनाते हुए Democratic People s Republic of Korea की घोषणा की गई।

1991: ताजिकिस्तान ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।

1993: इज़राइल और फलस्तीन मुक्ति संगठन (PLO) ने एक-दूसरे को मान्यता दी।

अयोध्या दौरे पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ से मुलाकात की

विश्व केसरी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या दौरे के दौरान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नवनियुक्त पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जितेंद्र मिश्र और मंदिर समिति के अन्य सदस्यों से मुलाकात की।

सीएम आदित्यनाथ ने सीईओ मिश्र और अन्य लोगों के साथ मंदिर में 'राम लला' की पूजा-अर्चना भी की। इससे पहले मंगलवार को मिश्र ने राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ का पदभार संभाला था।

योगी आदित्यनाथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के लिए अयोध्या आए थे। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कई योजनाओं की शुरुआत करने की भी घोषणा की।

दिन में पत्रकारों से बात करते हुए सीईओ मिश्र ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के दौरे के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री दोपहर में आएंगे। वे आधिकारिक काम से अयोध्या आ रहे हैं और निश्चित रूप से दर्शन के लिए मंदिर जाएंगे। चूंकि अयोध्या के निवासियों और श्री राम मंदिर ने हमेशा मुख्यमंत्री के सभी दौरों के दौरान उनका स्वागत किया है, इसलिए इस बार भी हम उसी तरह उनका स्वागत करेंगे।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस महीने की शुरुआत में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के वरिष्ठ अधिकारी को राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ नियुक्त किया था। उन्हें 5,000 से ज्यादा संभावित उम्मीदवारों में से इस बड़े पद के लिए चुना गया।

इस नियुक्ति को 2 सितंबर को ट्रस्ट की एक अहम बैठक में मंजूरी दी गई। इस बैठक में मंदिर के पहले सीईओ को चुनने के लिए बनाई गई सर्च कमेटी की सिफारिशों पर विचार किया गया। सीईओ के पास कई काम होंगे, क्योंकि मंदिर के एडमिनिस्ट्रेशन और फाइनेंशियल मैनेजमेंट को ज्यादा व्यवस्थित और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।

मंदिर का मैनेजमेंट, सुरक्षा, स्टाफ का एडमिनिस्ट्रेशन, भक्तों के लिए सुविधाएं और अलग-अलग विभागों व एजेंसियों के बीच तालमेल बिठाना उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में शामिल होगा।

पूर्व आईएएफ ऑफिसर जीतेंद्र मिश्र के अलावा, महेश भागचंदका, मदन मोहन पांडे और निर्मला यादव को नए ट्रस्टी के तौर पर नियुक्त किया गया, जिससे मंदिर की संस्था में खाली पड़ी तीन जगहें भर गईं।

स्वामी गोविंद देव गिरि को जनरल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि महेश भागचंदका ने मंदिर ट्रस्ट के ट्रेजरर का पद संभाला।

हरेकला हजब्बा को जारी नोटिस पर कर्नाटक सीईओ का स्पष्टीकरण, नाम की गड़बड़ी हुई दूर

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पद्मश्री सम्मानित हरेकला हजब्बा को जारी किया गया नोटिस मतदाता अभिलेखों में उनके नाम से जुड़ी विसंगति के कारण भेजा गया था। उन्होंने कहा कि इस मामले का अब समाधान कर लिया गया है।

सीईओ ने बताया कि नोटिस केवल मतदाता सूची में दर्ज नाम और उपलब्ध रिकॉर्ड के बीच असंगति को दूर करने के उद्देश्य से जारी किया गया था। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, आवश्यक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच के बाद समस्या का समाधान कर दिया गया है और अब मामला पूरी तरह सुलझ चुका है।

सीईओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंगलुरु के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) द्वारा हजब्बा के नाम में सुधार के संबंध में जारी स्पष्टीकरण को साझा किया। डीईओ ने कहा, 'पद्मश्री से सम्मानित हरेकला हजब्बा के नाम में सुधार के मामले में यह स्पष्ट किया जाता है कि मतदाता के नाम में अंतर पाया गया था। उनके नाम को सही करने के लिए अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की और दस्तावेज एकत्र किए। अब यह मामला सुलझा लिया गया है।'

यह स्पष्टीकरण तब आया जब चुनाव अधिकारियों ने हजब्बा को नोटिस भेजकर दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा था, क्योंकि मौजूदा मतदाता सूची में दर्ज नाम और पिछली एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दर्ज नाम में अंतर था।

उनके आवास पर जारी नोटिस में हजब्बा को अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। उन्हें 11 सितंबर को हरेकला ग्राम पंचायत में उपस्थित होने के लिए कहा गया था। हालांकि, नोटिस मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर, ग्राम लेखाकार हजब्बा के आवास पर वापस आए और नोटिस वापस ले लिया। अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके नाम में जो अंतर है, उसे ठीक कर दिया जाएगा।

इस घटनाक्रम ने मंगलुरु में आश्चर्य पैदा कर दिया था क्योंकि हजब्बा अपने सामाजिक कार्यों और मंगलुरु में संतरे बेचकर कमाए गए पैसे से अपने पैतृक गांव हरेकला में एक स्कूल बनाने के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं।

केरल के विकास प्रोजेक्ट्स पर 'मेट्रो मैन' ई. श्रीधरन से मिले मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। 'मेट्रो मैन' ई. श्रीधरन ने राज्य में प्रमुख कनेक्टिविटी और विकास परियोजनाओं पर चर्चा के लिए मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन से मुलाकात की।

यह बैठक मुख्यमंत्री के कार्यालय में हुई। उन्होंने लंबे समय तक चलने वाले विकास प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, 'आज डॉ. ई. श्रीधरन से मुलाकात हुई। टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले विकास को सुनिश्चित करने के लिए मुख्य कनेक्टिविटी और राज्य के विकास प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने पर फायदेमंद चर्चा हुई। देश में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के श्रीधरन के अनुभव को देखते हुए यह बैठक अहम है।

श्रीधरन दिल्ली मेट्रो के निर्माण में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं और कोंकण रेलवे के विकास से भी जुड़े थे। केरल की प्रमुख परिवहन परियोजनाओं के लिए भी उनकी मदद मांगी गई है। ह्यश्रीधरन ने पहले केरल में हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के अपने प्रस्ताव पर सतीशन के साथ चर्चा की थी। उन्होंने प्रस्ताव पर एक अंतरिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी थी। बाद में यूडीएफ सरकार ने प्रस्ताव की जांच करने और उसकी तकनीकी और वित्तीय व्यवहार्यता पर विचार करने के लिए एक एक्सपर्ट पैनल नियुक्त किया।

चुनाव चिह्न विवाद पर उद्धव ठाकरे ने सिब्बल का किया समर्थन, कहा- चोरी की संपत्ति से शासन नहीं चलने देंगे

विश्व केसरी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट पर तीखा हमला करते हुए सुप्रीम कोर्ट में सीनियर वकील कपिल सिब्बल की दलील का समर्थन किया। सिब्बल ने मांग की थी कि अगर पार्टी की पहचान पर अंतिम फैसले में और देरी होती है, तो अविभाजित पार्टी के चुनाव चिह्न 'धनुष-बाण' को फ्रीज कर दिया जाए।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे ने सिब्बल के रुख का समर्थन करते हुए कहा कि जिन लोगों ने पार्टी, उसका नाम और उसका चुनाव चिह्न 'चुराया' है, उन्हें उस चोरी की संपत्ति का इस्तेमाल करके सत्ता मजबूत करने और गलत तरीके से शासन करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'इस कानूनी लड़ाई में चार साल बीत चुके हैं। दो बड़े चुनाव, नगर निगम चुनाव और जिला परिषद चुनाव हो चुके हैं, जबकि यह मामला तारीख-दर-तारीख खिंचता जा रहा है। इन देरी का खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। सत्ता बनाए रखने के लिए चुनाव चिह्न का उनका गलत इस्तेमाल रोका जाना चाहिए।'

ठाकरे ने कहा कि नाम और चुनाव चिह्न पर उनकी पार्टी का ही हक है। उन्होंने दोहराया कि मौजूदा शासक शासन चलाने में अक्षम हैं और यह विवाद कभी पैदा ही नहीं होना चाहिए था। हमें अपना नाम और चुनाव चिह्न बनाए रखने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने की नौबत ही नहीं आनी चाहिए थी।

हिमाचल ने दुर्लभ रिकॉर्ड के 17 लाख आर्काइव पेजों को डिजिटाइज किया

विश्व केसरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को कहा कि राज्य के अर्काइव (अभिलेखागार) में सुरक्षित लगभग 17 लाख दुर्लभ और मूल्यवान दस्तावेजों के डिजिटलीकरण का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य की कीमती दस्तावेजी विरासत को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी और ये ऐतिहासिक रिकॉर्ड आम जनता, शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश राज्य अर्काइव में 1807 के बाद के 30,000 से ज्यादा ऐतिहासिक रिकॉर्ड हैं, साथ ही दुर्लभ किताबें, गजेटियर, सेटलमेंट रिपोर्ट, पांडुलिपियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मौजूद हैं।

इन रिकॉर्ड्स का इस्तेमाल राज्य, पूरे भारत और विदेशों के शोधकर्ता, इतिहासकार और शिक्षाविद अध्ययन और रिसर्च के लिए नियमित रूप से करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत 'राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण' का काम भी चल रहा है।

जूडा प्रदर्शन और जहरीली शराब कांड पर बोले डिप्टी सीएम, जीरो टॉलरेंस नीति दोहराई

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जूनियर डॉक्टरों के संगठन (जूडा) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के मामले में पुलिस कमिश्नर से बात कर जांच के आदेश दिए हैं। वहीं,सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों को दुखद बताया है।

जूनियर डॉक्टरों के संगठन (जूडा) के विरोध-प्रदर्शन पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'इंटर्न के स्टाइपेंड को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के मामले में वे निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा दिलाने की मांग कर रहे थे। इसलिए मैंने पुलिस कमिश्नर से बात की और जांच के आदेश दे दिए गए हैं। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) जांच करेंगे और मुख्यमंत्री की वापसी से पहले जांच रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इससे प्रदर्शनकारी संतुष्ट हुए। दूसरे, उनके स्टाइपेंड को लेकर सकारात्मक बातचीत हुए है। इस मुद्दे पर लिए गए निर्णय जल्द ही सबके सामने आएंगे। सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों की घटना पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा, 'हमें इस मामले की तह तक जाना होगा और सबसे सख्त कार्रवाई करनी होगी। गांव के सरपंच को गिरफ्तार कर लिया गया है। 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जल्द ही हम मुख्य आरोपी तक पहुंच जाएंगे और मामले की तह तक जाएंगे। यह बहुत ही घिनौना अपराध है। सबसे पहली बात, गांवों में सरकारी दुकानों से अवैध रूप से शराब बांटना मना है। इसीलिए आपने देखा होगा कि एक्साइज ऑफिसर से लेकर वहां के सभी संबंधित अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है, जिसमें एसडीओपी भी शामिल हैं।

उत्तराखंड की शिक्षा और यूसीसी नीतियां देशभर में बन रहीं मॉडल: मनु गौर

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की ड्राफ्टिंग समिति के सदस्य मनु गौर ने अल्पसंख्यक शिक्षा व्यवस्था में किए गए बदलावों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में लागू किए गए शिक्षा सुधार अब अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन रहे हैं और देश के विभिन्न राज्य इन्हीं नीतियों से प्रेरणा ले रहे हैं। मनु गौर ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई ।

हिमंता बिस्वा सरमा ने असम की पहचान को दुनिया तक पहुंचाने वाले भूपेन हजारिका को दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को मशहूर संगीतकार, गायक, कंपोजर और फिल्म निर्माता डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस सांस्कृतिक हस्ती को असम के दिल और रूह में गहराई से बसी एक भावना बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक सरमा ने पोस्ट किया, हजारिका का सदाबहार संगीत और गहरे अर्थ वाले शब्द पीढ़ियों को प्रेरित करते रहे हैं और उन्होंने असम की भावना, कहानियों और सपनों को राज्य की सीमाओं से बहुत दूर तक पहुंचाया है। सरमा ने कहा, 'डॉ. भूपेन हजारिका सिर्फ एक नाम नहीं हैं। वह एक ऐसी भावना है जो असम के दिल और आत्मा में बसती है। उनका सदाबहार संगीत और गहरे अर्थ वाले शब्द पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में सालभर चलने वाले देशव्यापी समारोहों ने 'ब्रह्मपुत्र के कवि' (बार्ड ऑफ द ब्रह्मपुत्र) की स्थायी विरासत को फिर से स्थापित किया है। सरमा ने हजारिका को महान 'सुधाकंठ' बताया और कहा कि उनका योगदान संगीत से कहीं आगे था; उनके कलात्मक कार्यों ने असम की सांस्कृतिक पहचान और आकांक्षाओं को देश और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम का काम किया।

मुख्यमंत्री ने हजारिका की जन्म शताब्दी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई श्रद्धांजलि का भी जवाब दिया।

पंजाब भाजपा का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला, संगरूर से जुड़े दो मामलों में निष्पक्ष जांच की मांग

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने संगरूर से जुड़े दो गंभीर मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

पहला मामला राज्य में नशे की समस्या से परेशान होकर गुलजार सिंह द्वारा आत्महत्या किए जाने का है, जबकि दूसरा मामला मोहनजीत सिंह के साथ कथित पुलिस हिरासत में मारपीट से जुड़ा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने बताया कि गुलजार सिंह ने वित्त मंत्री हरपाल चीमा की एक जनसभा में अपने इलाके में 'चिट्टा' (सिंथेटिक ड्रग) की खुलेआम बिक्री का मुद्दा उठाया था और ड्रग की समस्या के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि गुलजार सिंह का परिवार भी उनके बेटे की 'चिट्टा' की गंभीर लत के कारण मुश्किलों का सामना कर रहा था। भाजपा ने कहा कि गुलजार सिंह ने अपनी मौत से पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में वित्त मंत्री और अन्य लोगों का नाम लिया था, जिन्हें उन्होंने अपनी मौत की वजह बने हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया था। पार्टी ने मांग की कि इस मामले को सिर्फ आत्महत्या का मामला न माना जाए और गुलजार सिंह के आरोपों की कानून के मुताबिक पूरी जांच की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने उनकी मौत की सीबीआई से जांच की मांग की, ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि वीडियो रिकॉर्डिंग, संबंधित बातचीत और परिवार के सदस्यों के बयानों को सबूत के तौर पर सुरक्षित रखा जाए।

ढिल्लों ने गवर्नर का ध्यान मोहनजीत सिंह के साथ हिरासत में कथित मारपीट के मामले की ओर भी दिलाया। ढिल्लों ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के संगरूर दौरे के दौरान राज्य सरकार द्वारा ड्रग्स की समस्या से निपटने के तरीके का विरोध करने पर मोहनजीत सिंह को हिरासत में लिया गया था। पार्टी ने कहा कि बाद में मोहनजीत सिंह ने शारीरिक दुर्व्यवहार और हिरासत में यातना का आरोप लगाया और उन्हें इलाज करवाना पड़ा।

पेरुंदुरई सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ, एस. जयकुमार की जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका खारिज

विश्व केसरी

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने 2026 विधानसभा चुनाव में पेरुंदुरई विधानसभा सीट से एआईएडीएमके उम्मीदवार एस. जयकुमार की जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही इस सीट पर उपचुनाव कराने की राह में मौजूद एक महत्वपूर्ण कानूनी बाधा भी समाप्त हो गई है।

जस्टिस डी. भरथा चक्रवर्ती का यह आदेश जयकुमार की उस अर्जी पर आया, जिसमें उन्होंने डीएमके के पूर्व उम्मीदवार थोप्पु वेंकटाचलम (जिन्हें एनडी वेंकटाचलम के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा दायर चुनाव याचिका को खारिज करने की मांग की थी। कोर्ट ने माना कि वेंकटाचलम की याचिका में ऐसा कोई ठोस आधार नहीं था जिससे चुनाव विवाद को आगे बढ़ाया जा सके। इसी आधार पर कोर्ट ने जयकुमार की दलील स्वीकार कर ली और उनके चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

एस. जयकुमार ने विधानसभा चुनाव में एआईएडीएमके के टिकट पर पेरुंदुरई सीट से चुनाव लड़ा था और 9,693 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। बाद में एक बड़े राजनीतिक बदलाव के कारण यह सीट खाली हो गई, क्योंकि जयकुमार ने सीएम विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार के समर्थन में वोट करने के बाद विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने एआईएडीएमके छोड़ दी और टीवीके में शामिल हो गए।

उनके इस्तीफे के कारण पेरुंदुरई में नए चुनाव की जरूरत पैदा हो गई। हालांकि वेंकटाचलम द्वारा दायर लंबित मामले के कारण चुनाव आयोग तुरंत चुनाव प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा पा रहा था। इसलिए यह खाली सीट राजनीतिक और चुनावी जांच-पड़ताल के दायरे में बनी हुई थी।

विश्व केसरी

वैश्विक तनावों के चलते बाजार लगातार दूसरे दिन धड़ाम, सेंसेक्स 555 अंक टूटा

विश्व केसरी

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच तेल की कीमतों में वृद्धि के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों निफ्टी और सेंसेक्स में 0.73 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

एनएसई निफ्टी 50 144.05 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,635.10 पर बंद हुआ, तो वहीं बीएसई सेंसेक्स 555.23 अंक यानी 0.73 प्रतिशत लुढ़ककर 75,577 पर पहुंच गया।

प्रमुख बेंचमार्कों में कमजोरी के बावजूद व्यापक बाजारों में तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.18 प्रतिशत तो निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और प्राइवेट बैंक इंडेक्स सबसे अधिक नुकसान में रहे। निफ्टी फार्मा, हेल्थकेयर, एफएमसी और मीडिया इंडेक्स लाभ में रहे। निफ्टी मेटल इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.98 प्रतिशत की गिरावट) और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.93 प्रतिशत की गिरावट) सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। इसके अलावा, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी आईटी में भी गिरावट देखने को मिली। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया (1.31 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी फार्मा (0.77 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.63 प्रतिशत की तेजी) ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी केमिकल्स में भी तेजी दर्ज की गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि अप्रैल में मिड-कैप और मार्च में स्मॉल-कैप के लिए 52-हफ्ते के निचले स्तर दर्ज किए जाने के बाद से इन सेगमेंट ने 20-30 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह तेजी घरेलू निवेश में सुधार और 'वैल्यू बाइंग' (कम कीमत पर अच्छे शेयर खरीदना) की वजह से आई। 2025 में ग्लोबल आर्थिक मंदी, ज्यादा महंगाई और ट्रेड टैरिफ जैसी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण कमाई में कमी की चिंताएं कम हुईं। एक्सपर्ट ने आगे कहा कि पहली तिमाही (क्यू1) के नतीजों से कॉर्पोरेट कमाई में सुधार के संकेत मिले, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के कारण इस उम्मीद को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। हालांकि चुनिंदा शेयरों की खरीदारी जारी रहेगी, लेकिन बाजार में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, इसलिए शॉर्ट-टर्म निवेशकों के लिए थोड़ा मुनाफा बुक करना समझदारी होगी।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी की कीमतें एक प्रतिशत तक बढ़ीं

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी में मंगलवार को खरीदारी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,818 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले बढ़त के साथ 1,53,362 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10 बजे यह 1,207 रुपए या 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,025 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,361 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,54,125 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी खरीदारी देखी जा रही है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,39,016 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,40,009 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 2,185 रुपए या 0.91 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,41,201 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,40,009 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,41,724 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोना हल्की तेजी के साथ 4,478 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.50 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान युद्ध बढ़ने के कारण वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने और चांदी में खरीदारी देखने को मिली है। वहीं, दूसरी तरफ तेल की बढ़ती कीमतों ने लगातार बनी हुई महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं। निवेशक अब फेड की अगली पॉलिसी के बारे में और संकेत पाने के लिए इस हफ्ते आने वाले अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। इससे ही आने वाले समय में सोने की दिशा तय होगी।

नॉमिनल जीडीपी के आकलन को कम बताना बिना किसी तर्क के लिखी गई कहानी जैसा: एसबीआई रिसर्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में मंगलवार को कहा कि कुछ बुद्धिजीवियों द्वारा वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही की नॉमिनल जीडीपी अनुमान में 6 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही से वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के बीच 42 लाख करोड़ रुपए की कमी बताना बिना किसी तर्क के लिखी गई कहानी जैसा है।

एसबीआई रिसर्च ने 2 सितंबर, 2026 की अपनी रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया कि पूरी तरह से अलग-अलग बेस ईयर वाली सीरीज की तुलना करना 'बेतुका और बौद्धिक बेईमानी का पक्का संकेत' है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा, 'पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े 7.8 प्रतिशत रहने की घोषणा के बाद चार सवाल सामने आए हैं, जो राजनीतिक और आर्थिक, दोनों तरह के हैं और हमें लगता है कि इन पर व्यापक चर्चा की जरूरत है।'

इनमें पहला, नॉमिनल जीडीपी में बड़े बदलावों पर चर्चा। दूसरा, इन गिरावट वाले बदलावों का अलग-अलग सेक्टर के हिसाब से ब्योरा। तीसरा, डिफ्लेटर इतना कम क्यों है और वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के दौरान डब्ल्यूपीआई और सीपीआई के ऊंचे आंकड़ों से यह बिल्कुल अलग क्यों है। डॉ. घोष ने कहा, 'चौथा, 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का अहसास नहीं होता और प्रमुख इंडिकेटर भी लंबे समय तक मजबूत जीडीपी का संकेत नहीं दे रहे हैं, क्योंकि प्राइवेट इन्वेस्टमेंट अभी भी पीछे चल रहा है।' सबसे पहले, वर्ल्ड बैंक के अनुसार, जब कॉन्स्टेंट-प्राइस सीरीज के लिए नया रेफरेंस ईयर लागू किया जाता है, तो नेशनल अकाउंट्स में बड़े बदलावों की जरूरत पड़ सकती है।

भारत में जीडीपी के बेस ईयर (आधार वर्ष) में बदलाव का इतिहास रहा है जैसे वित्त वर्ष 05, वित्त वर्ष 12 और हाल ही में वित्त वर्ष 23 में। रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमने पाया कि वित्त वर्ष 09 से शुरू होकर 70 तिमाहियों में 239 बार बदलाव किए गए; इनमें से 134 बार आंकड़े ऊपर की ओर और 105 बार नीचे की ओर संशोधित किए गए।'

इससे स्पष्ट होता है कि बदलाव का दायरा अनियमित रहा है और किसी भी राजनीतिक सरकार के दौरान इसका कोई तय पैटर्न नहीं रहा है, जैसा कि अभी दावा किया जा रहा है।

रिपोर्ट में तर्क दिया गया, 'हालांकि, नॉमिनल जीडीपी में बदलाव के मामले में, वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही से शुरू होकर वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही तक 14 तिमाहियों में 41.8 करोड़ रुपए का संशोधन देखा गया, जबकि वित्त वर्ष 26 से पहले की 56 तिमाहियों में 10.1 लाख करोड़ रुपए का कम संशोधन हुआ। यह अंतर क्यों?'

भारत की क्रूड ऑयल बास्केट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

विश्व केसरी

मुंबई। मध्य पूर्व में तनाव का असर भारत की क्रूड ऑयल बास्केट पर भी देखा जा रहा है और इसकी औसत कीमत अब चार महीने के उच्चतम स्तर 100.75 डॉलर पर पहुंच गई है।

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, 7 सितंबर को भारत की क्रूड ऑयल बास्केट की कीमत 106.26 डॉलर प्रति बैरल थी। यह दिखाता है कि मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ भारत के लिए कच्चा तेल आयात करना महंगा होता जा रहा है।

इससे पहले भारत के कच्चे तेल के बास्केट की औसत कीमत अगस्त में 90.19 डॉलर प्रति बैरल, जुलाई में 82.04 डॉलर प्रति बैरल और जून में 83.22 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं, मई में अमेरिका-ईरान में युद्ध के चरम पर भारत के कच्चे तेल की बास्केट की औसत कीमत 106.23 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कच्चे तेल का दाम भी 100 डॉलर प्रति बैरल की तरफ पहुंच रहा है। दोपहर 2:20 पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.75 प्रतिशत बढ़कर 97.73 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.11 डॉलर प्रति बैरल पर था। मध्य पूर्व में लगातार तनाव के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद है, जिससे दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का आवागमन होता है। अमेरिका-ईरान के युद्ध के बीच में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले करने के कारण स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है और युद्ध के बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के कई रणनीतिक और आर्थिक ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर दिया है।

यूनाइटेड ब्रुअरीज के शेयर 52 हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंचे

नौ में से छह कारोबारी सत्रों में दर्ज की गई गिरावट

विश्व केसरी

मुंबई। देश की प्रमुख बीयर निर्माता कंपनी यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (यूबीएल) के शेयरों में मंगलवार को लगातार दबाव देखने को मिला। कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयर 3.1 प्रतिशत तक टूटकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 1,251.60 रुपए पर पहुंच गए। हालिया गिरावट के साथ शेयर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और यह पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से कमजोर प्रदर्शन करने वाले प्रमुख उपभोक्ता शेयरों में शामिल हो गया है।

मंगलवार की गिरावट जनवरी 2026 के बाद कंपनी के शेयर में दर्ज सबसे बड़ी एकदिनी गिरावटों में से एक रही। इससे पहले 20 जनवरी 2026 को शेयर में 3.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी, जबकि 19 मई 2026 को इसमें 3.02 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई थी। हाल के कारोबार पर नजर डालें तो यूनाइटेड ब्रुअरीज के शेयर पिछले लगातार 9 कारोबारी सत्रों में से 6 सत्रों में गिरावट के साथ बंद हुए हैं।

यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब कंपनी अपने कारोबार में प्रीमियम उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने और उत्पादन क्षमता विस्तार पर जोर दे रही है।

यूनाइटेड ब्रुअरीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विवेक गुप्ता ने हाल ही में कहा था कि वित्त वर्ष 2030 तक कंपनी की कुल बिक्री में प्रीमियम बीयर श्रेणी का योगदान 18 से 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। फिलहाल यह हिस्सा करीब 11 प्रतिशत के आसपास है।

गुप्ता के अनुसार, प्रीमियम बीयर श्रेणी सालाना 20 से 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और यह लाभप्रदता में महत्वपूर्ण योगदान देने लगी है। इसी रणनीति के तहत कंपनी अपने प्रीमियम ब्रांड पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

हाल ही में यूनाइटेड ब्रुअरीज ने अपने लोकप्रिय प्रीमियम ब्रांड हाइनेकन सिल्वर की उपलब्धता का विस्तार केरल, ओडिशा और मध्य प्रदेश में किया है। कंपनी का मानना है कि उपभोक्ताओं के बीच प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग भविष्य में उसके राजस्व और मार्जिन को मजबूत कर सकती है।

विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी कंपनी निवेश कर रही है। इस महीने की शुरुआत में यूनाइटेड ब्रुअरीज ने स्टॉक एक्सचेंजों को जानकारी दी थी कि वह महाराष्ट्र स्थित अपनी एलोरा ब्रेवरी में नई कैनिंग लाइन स्थापित करने के लिए 110 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

नया संयंत्र नियामकीय मंजूरियों के अधीन सितंबर 2026 में चालू होने की उम्मीद है। यह एलोरा इकाई की पहली कैनिंग लाइन होगी और इसकी उत्पादन क्षमता 40,000 कैन प्रति घंटा होगी।

यह निवेश ऐसे समय में आया है जब यूनाइटेड ब्रुअरीज अपनी उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और डिब्बाबंद बीयर की बढ़ती मांग को पूरा करने की कोशिश कर रही है। कंपनी का प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान और उत्पादन क्षमता का विस्तार उसकी विकास रणनीति का मुख्य आधार बन रहने की उम्मीद है, भले ही शेयर को निकट भविष्य में बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ रहा हो।

भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों की भर्ती अगस्त में 14 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों में भर्ती अगस्त में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ी। इस वृद्धि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) से जुड़ी नौकरियों की अहम भूमिका रही, जिनमें 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

नौकरी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल त्योहारी सीजन की शुरुआत देर से होने के बावजूद भर्ती में यह वृद्धि दर्ज की गई। नौकरी का जॉबस्पीक इंडेक्स अगस्त में बढ़कर 3,028 हो गया, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 2,664 था। ऑटो सेक्टर में भर्ती में 19 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद हेल्थकेयर में 16 प्रतिशत और रिटेल सेक्टर में 15 प्रतिशत की वृद्धि रही। अन्य प्रमुख क्षेत्रों में इंश्योरेंस में भर्ती में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके बाद आईटी में 11 प्रतिशत, बैंकिंग और एफएमसीजी में 10-10 प्रतिशत एवं बीपीओ/आईटीईएस, ऑयल एंड गैस और रियल एस्टेट में 8-8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, फार्मा और बायोटेक सेक्टर में भर्ती स्थिर रही, जबकि हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल में 4 प्रतिशत एवं एजुकेशन सेक्टर में भर्ती में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। फ्रेशर्स की भर्ती में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 4-7 साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती 10 प्रतिशत बढ़ी। मिड-टू-सीनियर अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। 8-12 साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती में 16 प्रतिशत, 13-16 साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती में 18 प्रतिशत और 16 साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती में 13 प्रतिशत वृद्धि हुई।

इन्फो एज (इंडिया) लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ हितेश ओबेरॉय ने कहा, 'इस वृद्धि को त्योहारी कैलेंडर के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पिछले साल त्योहारी अवधि का बड़ा हिस्सा अगस्त में था, जबकि इस साल यह सितंबर में शिफ्ट हो गया है।'

कार्य के आधार पर हेल्थकेयर एवं लाइफ साइंसेज में भर्ती 34 प्रतिशत, मीडिया प्रोडक्शन एवं एंटरटेनमेंट में 33 प्रतिशत, इंजीनियरिंग-हार्डवेयर एवं नेटवर्क्स में 30 प्रतिशत और बीएफएसआई, इन्वेस्टमेंट एवं ट्रेडिंग में 29 प्रतिशत बढ़ी। मेट्रो शहरों में हैदराबाद ने 23 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ भर्ती वृद्धि में सबसे आगे रहा। इसके बाद कोलकाता में 22 प्रतिशत, चेन्नई में 20 प्रतिशत, बेंगलुरु और पुणे में 14-14 प्रतिशत, दिल्ली-एनसीआर में 10 प्रतिशत और मुंबई में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

कोयला गैसीकरण योजना को मिला उद्योग जगत का मजबूत समर्थन

37,500 करोड़ रुपए की योजना के पहले चरण में आए 7 आवेदन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 37,500 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना को उद्योग जगत से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि योजना के पहले चरण में बड़े कॉर्पोरेट समूहों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से कुल सात आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस क्षेत्र में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाते हैं।

कोयला मंत्रालय के अनुसार, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने यूरिया उत्पादन से जुड़ी तीन परियोजनाओं के लिए आवेदन किया है। वहीं गैलेंट इस्पात लिमिटेड ने डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) और सिंथेसिस गैस (सिंगैस) उत्पादन परियोजना के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

इसके अलावा, एनटीपीसी लिमिटेड ने सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी) परियोजना के लिए आवेदन दिया है, जबकि श्याम सेल एंड पावर लिमिटेड ने सिंगैस उत्पादन तथा तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) ने यूरिया उत्पादन परियोजना के लिए प्रस्ताव जमा किया है।

कोयला मंत्रालय का कहना है कि यह प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि उद्योग जगत कोयला गैसीकरण को ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, आयात निर्भरता कम करने और औद्योगिक विकास को गति देने के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देख रहा है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'जब हमने कहा था कि योजना में किसी की रुचि नहीं होने की खबरें समय से पहले थीं, तब हमें विश्वास था कि उद्योग जगत सकारात्मक प्रतिक्रिया देगा। पहले ही चरण में सात आवेदन प्राप्त होना, जिनमें देश के कुछ सबसे बड़े औद्योगिक समूह और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं, इस योजना और भारत के कोयला गैसीकरण मिशन में विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है।'

‘आखिरी गांव’ से बना भारत का पहला गांव, जानें हिमालय के इस खूबसूरत गांव की खासियत

अगर आप पहाड़ों की शांति, रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता का एक साथ अनुभव करना चाहते हैं, तो हिमालय का यह खूबसूरत गांव एक खास जगह हो सकती है. ‘आखिरी गांव’ से ‘भारत का पहला गांव’ बनने का इसका सफ़र इसे देश के अहम सीमावर्ती गांवों में शामिल करता है.

भारत में कई ऐसे गांव हैं जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी पहचान के लिए जाने जाते हैं. ऐसी ही एक जगह है माणा गांव, जो उत्तराखंड के चमोली ज़िले में भारत-तिब्बत सीमा के पास स्थित है. समुद्र तल से लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर बसा यह गांव लंबे समय तक देश के ‘आख़िरी गांव’ के तौर पर जाना जाता था. हालांकि, 2022 में इसे आधिकारिक तौर पर ‘भारत का पहला गांव’ घोषित किया गया. तब से, यह जगह पर्यटकों के बीच और भी ज़्यादा लोकप्रिय हो गई है...

माणा गांव चारों तरफ ऊंचे पहाड़ों से घिरा हुआ है. यहां का प्राकृतिक माहौल, बर्फ़ से ढकी चोटियां, पत्थर के पारंपरिक घर और शांत वातावरण पर्यटकों को अपनी ओर खींचते हैं. गांव के आस-पास अलकनंदा और सरस्वती नदियों से जुड़ी कई प्राकृतिक जगहें भी हैं. ज़्यादा ऊंचाई पर होने के कारण यहां का मौसम काफ़ी ठंडा रहता है और सर्दियों में यहां भारी बर्फ़बारी होती है.

आख़िरी गांव’ क्यों कहा जाता था?

माणा गांव भारत-तिब्बत सीमा के बहुत पास बसा है. अपनी इसी भौगोलिक स्थिति के कारण, इसे लंबे समय तक भारत का ‘आख़िरी गांव’ कहा जाता था. हालांकि, पर्यटन और विकास के नजरिए से सीमावर्ती गांवों को एक नई पहचान देने के मकसद से, सरकार ने माना को ‘भारत का पहला गांव’ के तौर पर बढ़ावा देना शुरू किया. इससे इस गांव की पहचान सिर्फ़ एक सीमावर्ती चौकी से बदलकर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में हो गई.

पौराणिक कथाओं से माणा का संबंध

माणा गाँव कई पौराणिक कथाओं से भी जुड़ा है. माना जाता है कि पांडवों ने स्वर्गारोहण (स्वर्ग की यात्रा) के दौरान इस इलाके से गुज़रते हुए यात्रा की थी. यहां मौजूद ‘भीम पुल’ के बारे में भी एक स्थानीय मान्यता है, कहा जाता है कि भीम ने सरस्वती नदी को पार करने के लिए एक विशाल चट्टान का इस्तेमाल करके रास्ता बनाया था.

पर्यटकों के लिए यह जगह खास क्यों है?

माना आने वाले पर्यटक हिमालय के शानदार नज़ारों के साथ-साथ यहां की स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली को भी करीब से देख सकते हैं. आस-पास कई धार्मिक और प्राकृतिक स्थल हैं. बद्रीनाथ धाम के पास होने की वजह से, पवित्र तीर्थस्थल पर आने वाले श्रद्धालु माना गांव भी जरूर आते हैं।

रोज अंडा खाने की सोच रहे हैं? पहले जान लीजिए बाल, दिमाग, वजन और कोलेस्ट्रॉल पर इसका असर

रोजाना अंडा खाने से शरीर को प्रोटीन, विटामिन क्ष2, कोलीन, सेलेनियम और दूसरे जरूरी पोषक तत्व मिल सकते हैं. इससे मांसपेशियों, बालों और दिमाग की सेहत को सपोर्ट मिलता है, लेकिन मात्रा और व्यक्ति की सेहत के हिसाब से सेवन करना जरूरी है.

रोज सुबह नाश्ते में एक अंडा शामिल करना कई घरों में आम बात है. कोई इसे उबालकर खाता है, तो कोई ऑमलेट या भुर्जी बनाकर. स्वाद के साथ-साथ अंडे को प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत भी माना जाता है, लेकिन मन में सवाल उठता है कि अगर रोज अंडा खाना शुरू कर दें तो शरीर में वास्तव में क्या बदलाव हो सकते हैं? क्या इससे बाल मजबूत होंगे, दिमाग को फायदा मिलेगा या वजन बढ़ने का डर रहेगा? अंडे में प्रोटीन के साथ विटामिन क्ष2, कोलीन, सेलेनियम और कुछ जरूरी फैटी एसिड पाए जाते हैं.

यही वजह है कि इसे संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जाता है. हालांकि, अंडा कोई जादुई भोजन नहीं है और इसके फायदे पूरी डाइट, आपकी उम्र, गतिविधि और स्वास्थ्य पर भी निर्भर करते हैं. आइए समझते हैं कि रोज अंडा खाने से शरीर पर किस तरह का असर पड़ सकता है.

शरीर को मिल सकता है बेहतर प्रोटीन सपोर्ट

मांसपेशियों के लिए उपयोगी

अंडे में अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है, जिसमें शरीर के लिए जरूरी अमीनो एसिड शामिल होते हैं. रोजमर्रा के काम करने वाले व्यक्ति से लेकर एक्सरसाइज करने वालों तक, प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत और उन्हें बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, अगर कोई व्यक्ति सुबह सिर्फ चाय-बिस्किट लेकर घर से निकल जाता है, तो नाश्ते में अंडा शामिल करना उसकी डाइट को ज्यादा पौष्टिक बना सकता है. उबला हुआ अंडा इस मामले में आसान विकल्प है.

बालों और नाखूनों को मिल सकता है पोषण

बालों की सेहत सिर्फ बाहर से लगाए जाने वाले तेल या सीरम पर निर्भर नहीं करती. शरीर को पर्याप्त प्रोटीन और कुछ जरूरी पोषक तत्व मिलना भी अहम है. अंडे में प्रोटीन, बायोटिन, जिंक और विटामिन क्ष2 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की सामान्य पोषण जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं. इसका मतलब यह नहीं कि रोज अंडा खाने से बाल झड़ना तुरंत बंद हो जाएगा. बालों का झड़ना कई वजहों से हो सकता है, लेकिन संतुलित डाइट में अंडा प्रोटीन का अच्छा विकल्प जरूर बन सकता है.

दिमाग के लिए भी खास है अंडा

अंडे की जर्दी में कोलीन नामक पोषक तत्व पाया जाता है. कोलीन शरीर में कई जरूरी प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है और दिमाग तथा तंत्रिका तंत्र के सामान्य कामकाज में भूमिका निभाता है.

याददाश्त के लिए क्यों चर्चा में रहता है?

अंडे में विटामिन क्ष2 जैसे पोषक तत्व भी होते हैं. ये शरीर और तंत्रिका तंत्र के सामान्य स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं।

न आएगी बदबू, न लगेगी मक्खी, गीले-सूखे कचरे से घर पर फ्री में बनाएं पौधों के लिए बेस्ट खाद

अगर आप पौधों के लिए बार-बार महंगी खाद खरीदने से परेशान हैं तो यह खबर आपके काम की है. गार्डनिंग एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा के अनुसार, घर के गीले और सूखे कचरे का सही संतुलन बनाकर आप आसानी से घर पर ही बेहतरीन जैविक कम्पोस्ट तैयार कर सकते हैं. जानिए कम्पोस्टिंग का सबसे आसान तरीका.

अगर आप भी अपने पौधों के लिए बार-बार बाजार से महंगी खाद खरीदकर लाते हैं तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है. आपके घर में रोजाना बहुत सा ऐसा कचरा निकलता है जिसे आप बेकार समझकर बाहर फेंक देते हैं. इसमें फलों और सब्जियों के छिलके, सूखी पत्तियां और बगीचे का कचरा शामिल है.

इस कचरे को कुछ बहुत ही आसान तरीकों से पौधों के लिए उपयोगी कम्पोस्ट (खाद) में बदला जा सकता है. अगर आपको गार्डनिंग का शौक है तो आप अपने घर पर ही बहुत आसानी से डीआईवाई (ष्ठढ्ढङ्घ) कम्पोस्ट पिट तैयार कर सकते हैं. इसे बनाने के लिए आपको बाजार से कोई भी महंगा सामान खरीदने की जरूरत नहीं है.

गीले और सूखे कचरे का संतुलन जरूरी

खंडवा के गार्डनिंग एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा बताते हैं कि घर पर कम्पोस्ट बनाते समय बदबू और मक्खियों की समस्या से बेहद आसानी से बचा जा सकता है. इसके लिए कम्पोस्ट पिट में गीले और सूखे कचरे का सही संतुलन रखना बेहद जरूरी है.

ग्रीन और ब्राउन सामग्री में क्या रखें?

एक्सपर्ट के अनुसार, बेहतर कम्पोस्ट बनाने के लिए हमें 1 भाग ग्रीन यानी गीली सामग्री के साथ 2 से 3 भाग ब्राउन यानी सूखी सामग्री मिलाने का तरीका अपनाना चाहिए।

पीरियड्स में जिम जाना सही या गलत? ट्रेनर ने बताया किन एक्सरसाइज से मिलेगा फायदा

पीरियड्स शुरू होते ही कई महिलाएं और लड़कियां जिम और एक्सरसाइज से दूरी बना लेती हैं. लेकिन अगर शरीर सामान्य महसूस कर रहा है, तो इन दिनों हल्की से मध्यम एक्सरसाइज की जा सकती है. ट्रेनर से जानिए पीरियड्स के दौरान किस तरह का वर्कआउट सुरक्षित और बेहतर विकल्प हो सकता है.

गाजियाबाद: पीरियड्स शुरू होते ही कई महिलाएं और लड़कियां जिम जाना बंद कर देती हैं. उन्हें लगता है कि इन दिनों एक्सरसाइज करने से कमजोरी या दर्द बढ़ सकता है. हालांकि, अगर शरीर सामान्य महसूस कर रहा है तो पीरियड्स के दौरान भी हल्की से मध्यम एक्सरसाइज की जा सकती है. बस इन दिनों शरीर की क्षमता के अनुसार वर्कआउट करना जरूरी है. खासकर पीरियड्स के पहले और दूसरे दिन क्रैंप, कमजोरी या सुस्ती महसूस होने पर शरीर के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.गाजियाबाद के ॠऋॠ तह्र ऋध्रह्व जिम की ट्रेनर मिलन चपराना ने लोकल 18 को बताया कि पीरियड्स के दौरान जिम पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं होती. अगर शरीर सामान्य महसूस कर रहा है तो करीब 20 से 30 मिनट का हल्का से मध्यम वर्कआउट किया जा सकता है. इस दौरान वॉकिंग, स्ट्रेचिंग और हल्की वेट एक्सरसाइज की जा सकती हैं. हालांकि, अगर दर्द, चक्कर या ज्यादा कमजोरी महसूस हो रही हो तो एक्सरसाइज से बचना बेहतर है.

ट्रेनर के मुताबिक, पीरियड्स के दौरान हैवी वेट लिफ्टिंग और बहुत ज्यादा हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करने से बचना चाहिए. सामान्य दिनों की तुलना में वर्कआउट की तीव्रता कम रखी जा सकती है. अगर कोई महिला नियमित रूप से वेट ट्रेनिंग करती है और शरीर सामान्य महसूस कर रहा है तो अपनी सामान्य क्षमता के करीब 60 से 70 प्रतिशत वजन के साथ एक्सरसाइज करने का विकल्प रखा जा सकता है. चेस्ट, बाइसेप्स और ट्राइसेप्स जैसी अपर बॉडी एक्सरसाइज की जा सकती हैं. वहीं, अगर लोअर बॉडी की एक्सरसाइज करने में दर्द या असहजता महसूस हो तो उसे कुछ दिनों के लिए टाला जा सकता है.

पीरियड्स के दौरान सिर्फ एक्सरसाइज ही नहीं, बल्कि खानपान पर भी ध्यान देना जरूरी है. ट्रेनर मिलन चपराना के अनुसार, डाइट में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और अच्छे फैट को शामिल करना चाहिए. घर का बना पौष्टिक भोजन लेना बेहतर रहता है, जबकि ज्यादा तला-भुना खाना और जंक फूड कम करना चाहिए. इन दिनों शरीर को पर्याप्त पानी देना भी जरूरी है. ट्रेनर ने करीब 3 से 4 लीटर पानी लेने की बात कही, हालांकि पानी की जरूरत हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति, मौसम और दिनचर्या के अनुसार अलग हो सकती है. कमजोरी महसूस होने पर पर्याप्त आराम और नींद लेना भी जरूरी है.

ट्रेनर ने जिम में इस्तेमाल होने वाले स्टेरॉयड को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी. उनका कहना है कि स्टेरॉयड का इस्तेमाल पीरियड्स के दौरान ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी बिना चिकित्सकीय सलाह नहीं करना चाहिए. जरूरत के अनुसार प्रोटीन को संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है.

पीरियड्स के दौरान हर महिला का अनुभव अलग हो सकता है. इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और उस समय महसूस हो रहे लक्षणों के अनुसार करनी चाहिए. अगर ज्यादा दर्द, चक्कर, असामान्य कमजोरी या अन्य परेशानी हो तो वर्कआउट रोककर आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें।

ईनो और सही बैटर के साथ ऐसे बनाएं खमन ढोकला, हर बाइट में मिलेगा नरम और रसभरा स्वाद, जानिए आसान रेसिपी

बेसन और सूजी से बनने वाला खमन ढोकला नाश्ते से लेकर शाम की चाय तक के लिए बढ़िया विकल्प है. सही बैटर, ईनो और तड़के की मदद से घर पर भी इसे बाजार जैसा नरम, स्पंजी और रसभरा बनाया जा सकता है.

घर पर बनाएं नरम और स्पंजी खमन ढोकला सुबह नाश्ते में कुछ ऐसा खाने का मन हो जो हल्का भी हो और स्वाद में बिल्कुल फीका भी न लगे, तो खमन ढोकला एक बढ़िया विकल्प बन सकता है. गुजरात का यह लोकप्रिय स्नैक अब सिर्फ गुजरात तक सीमित नहीं है. देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग इसे नाश्ते, शाम की चाय और बच्चों के टिफिन में खूब पसंद करते हैं. खासकर जब ढोकला बाजार जैसा मुलायम, स्पंजी और हल्का रसभरा हो, तो एक टुकड़े पर रुकना मुश्किल हो जाता है.

अच्छी बात यह है कि इसे घर पर बनाने के लिए किसी खास मशीन या बहुत मुश्किल तकनीक की जरूरत नहीं पड़ती. बेसन के साथ थोड़ी सूजी, दही और ईनो की मदद से इसका बैटर आसानी से तैयार हो जाता है. इसके बाद बस सही तरीके से स्टीम करना और स्वाद वाला तड़का डालना है, अगर आपके घर में बच्चे या बड़े रोज एक जैसे नाश्ते से बोर हो जाते हैं, तो यह रेसिपी जरूर आजमाई जा सकती है.

खमन ढोकला बनाने के लिए सामग्री

बैटर के लिए

दो कप बेसन, दो बड़े चम्मच सूजी, एक बड़ा चम्मच चीनी, एक छोटा चम्मच नमक, एक छोटा चम्मच हल्दी, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, एक बड़ा चम्मच दही, करीब एक से सवा कप पानी और डेढ़ छोटा चम्मच ईनो फ्रूट सॉल्ट लें।

आई लव यू बोलने में होती है हिचकिचाहट? पार्टनर को इन 5 तरीकों से महसूस कराएं अपना प्यार, खुशियां रहेंगी आसपास

क्या आपके दिल में भी पार्टनर के लिए बेशुमार प्यार है, लेकिन जुबान पर ‘I Love You’ लाते ही हिचकिचाहट गले में अटक जाती है? अगर आप भी अपने शर्मीले स्वभाव के कारण खुलकर प्यार नहीं जता पाते, तो परेशान होने की जरूरत नहीं. जानते हैं 5 बेहद खूबसूरत और रोमांटिक तरीकों के बारे में, जिनकी मदद से आप बिना एक भी शब्द बोले अपने पार्टनर को खास और महफूज महसूस करा सकते हैं.

रिश्ता कोई भी हो, उसमें प्यार का इजहार करना बेहद जरूरी माना जाता है. कई बार कपल्स के बीच सब कुछ सही चल रहा होता है, बॉन्डिंग भी मजबूत होती है, लेकिन जब बात जुबान से ‘ढ्ढ स्नश1द्ग ङ्घश्व’ कहने की आती है, तो एक अजीब सी झिझक या हिचकिचाहट गले में अटक जाती है. कुछ लोग अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करने में शर्मीले स्वभाव के होते हैं, तो कुछ को लगता है कि बार-बार प्यार जताना जरूरी नहीं है.

लेकिन सच तो यह है कि रिश्ते में गर्माहट बनाए रखने के लिए छोटे-छोटे जेस्चर्स बहुत बड़ा असर डालते हैं. अगर

आप भी उन लोगों में से हैं जो खुलकर अपने जज्बात बयां नहीं कर पाते, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. शब्दों के मोहताज हुए बिना भी आप अपने पार्टनर को खास महसूस करा सकते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 5 खूबसूरत और असरदार तरीकों के बारे में, जिनसे आप बिना ‘आई लव यू’ कहे भी अपना प्यार जता सकते हैं.

अनकही परवाह और छोटी-छोटी मदद

प्यार सिर्फ बड़े-बड़े तोहफों या वादों का नाम नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की छोटी-रोजी में छिपी परवाह है. जब आप अपने पार्टनर की छोटी-छोटी जरूरतों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गहरा जुड़ाव महसूस होता है.

कैसे करें: ऑफिस जाने से पहले उनकी पसंद की कॉफी बना देना, उनके थके होने पर बिना कहे उनका कोई जरूरी काम अपने जिम्मे ले लेना, या सफर के दौरान पानी की बोतल पास रख देना. ये छोटे एक्शंस चीख-चीख कर कहते हैं कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं.

सरप्राइज नोट्स या डिजिटल लव मैसेज

अगर सामने से बोलने में झिझक महसूस होती है, तो पेन और पेपर (या डिजिटल स्क्रीन) का सहारा लें. लिखा हुआ प्यार एक अलग ही जादू बिखेरता है, जिसे पार्टनर संभाल कर रखना पसंद करता है.

क्या करें: उनके लैपटॉप बैग में, टिफिन बॉक्स में या मेकअप किट के पास एक छोटा सा प्यारा सा नोट चिपका दें— ‘Have a great day, cutie!’ या ‘यू आर डूइंग ग्रेट! ‘. इसके अलावा, दिन के बीच में अचानक एक रैंडम स्वीट टेक्स्ट भेजना भी रिश्ते में ताजगी भर देता है.

फिजिकल टच और जादू की झप्पी (The Power of Hugs)

साइकोलॉजी भी मानती है कि नॉन-वर्बल कम्यूनिकेशन रिश्तों को मजबूत करने में सबसे आगे है. एक वॉर्म हग (गले लगाना), कंधे पर प्यार से हाथ रखना या चलते वक्त हाथ थामना (Hand-holding) दिल की बात बिना एक भी शब्द बोले पहुंचा देता है.

कैसे करें: जब पार्टनर ऑफिस से थका हुआ लौटे, तो उसे कसकर गले लगाएं. यह स्पर्श सारी थकान मिटा देता है और उन्हें यह अहसास कराता है कि आप हर परिस्थिति में उनके साथ चट्टान की तरह खड़े हैं.

उनकी बातों को कान लगाकर सुनना (Active Listening)

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सबसे कीमती चीज है— 'समय'. जब आप अपने पार्टनर की दिनभर की छोटी-बड़ी बातें, उनकी शिकायतें या उपलब्धियां पूरे ध्यान से सुनते हैं, तो आप उन्हें यह महसूस कराते हैं कि वे आपके लिए बेहद खास और अहम हैं.

कैसे करें: जब वे बात कर रहे हों, तो फोन को एक तरफ रख दें, आंखों में आंखें डालकर उनकी सुनें और बीच-बीच में रिएक्ट करें. यह इस बात का सबूत है कि आपके लिए उनकी भावनाएं मायने रखती हैं।

दादा बी.पी. कोइराला की जयंती पर भावुक हुईं मनीषा कोइराला, कहा-उनके विचार आज भी प्रासंगिक

मुंबई। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने दादाजी की बी.पी. कोइराला की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री ने उनके लोकतंत्र के प्रति समर्पण को याद किया।

बी.पी. कोइराला (फाइल फोटो)

अभिनेत्री ने **इंस्टाग्राम पर दादाजी** की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे भाषण देते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, "**बी.पी. कोइराला** की जयंती पर हम उस दूरदर्शी राजनेता को याद करते हैं, जिन्होंने अपना जीवन लोकतंत्र, मानवीय गरिमा, राष्ट्रीय एकता और प्रगति के लिए समर्पित कर दिया।

राष्ट्रीय मेलमिलाप के लिए उनका आह्वान एक गहरा सत्य याद दिलाता है कि मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए एकजुट होना ही नेपाल की ताकत है। उनके विचार, साहस और दृष्टिकोण आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। आइए, लोकतंत्र, संवाद, गरिमा और मेलमिलाप के साथ उस नेपाल का निर्माण करें जिसका सपना उन्होंने देखा था।

राजनीति के अलावा, वह एक प्रसिद्ध क्रांतिकारी, विचारक और लेखक भी थे, जिन्होंने अपने उपन्यासों और साहित्य के माध्यम से प्रेम, संघर्ष और मानवाधिकारों को एक नई आवाज दी। छात्र जीवन में उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से पढ़ाई की थी।

"उनके विचार, साहस और दृष्टिकोण आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।"
— मनीषा कोइराला

बी.पी. कोइराला : एक नजर में

- नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री
- 1959 से 1960 तक नेपाल के प्रधानमंत्री रहे
- नेपाली कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता
- प्रसिद्ध क्रांतिकारी, विचारक और लेखक

उनके भाई भी रहे प्रधानमंत्री

मातुका प्रसाद कोइराला और गिरिजा प्रसाद कोइराला भी नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

मनीषा कोइराला की आने वाली फिल्म

एक्ट्रेस मनीषा को आखिरी बार मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की 2024 की पहली डिजिटल सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, सोनाक्षी सिन्हा, शर्मिन सहगल, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन और ताहा शाह बदुशा भी नजर आए थे।

जब प्यार जताने गए थे अक्षय कुमार, सरेआम पिटकर आ गए थे वापस

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार आज भले ही करोड़ों दिलों की धड़कन हों, लेकिन उनकी जिंदगी में एक ऐसा दौर भी आया जब किसी लड़की को प्रभावित करने की कोशिश उन्हें भारी पड़ गई। कॉलेज के दिनों में उन्हें एक लड़की पसंद थी और उसे इंप्रेस करने के लिए गाना भी गाया, जिसके बाद लड़की के पड़ोसियों ने उन्हें और उनके दोस्त को पीट दिया था।

उन्होंने कहा कि उस घटना ने उन्हें यह सिखाया कि किसी को प्रभावित करने के लिए बनावटीपन नहीं, बल्कि सादगी और आत्मविश्वास ज्यादा मायने रखता है। अभिनेता का यह पुराना किस्सा उनके संघर्ष, मासूमियत और युवावस्था की यादों की एक दिलचस्प झलक पेश करता है, जिसे सुनकर दर्शक भी खूब मुस्कुराए थे।

अक्षय कुमार का जन्म 9 सितंबर 1967 को हुआ था और उनका बचपन दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में बीता। उनका असली नाम राजीव हरिओम भाटिया है। उनके पिता सेना में थे और बचपन से ही अक्षय को खेल-कूद और कुश्ती में दिलचस्पी थी। उन्होंने मुंबई के खालसा कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने मार्शल आर्ट सीखने का फैसला किया और पिता की मदद से बैंकॉक चले गए।

बैंकॉक में अक्षय ने मार्शल आर्ट सीखा। साथ ही, उन्होंने अपना खर्च चलाने के लिए एक रेस्टोरेंट में वेटर और कुक के तौर पर काम किया। दिन में काम और खाली समय में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग उनका रोज का जीवन बन गया था। अक्षय कई इंटरव्यू में बता चुके हैं कि उनके पिता ने उन्हें बैंकॉक भेजने के लिए पैसे जुटाए थे और इस सफर ने उनकी जिंदगी को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारत लौटने के बाद भी अक्षय के लिए बॉलीवुड का रास्ता तुरंत नहीं खुला। उन्होंने कुछ समय दिल्ली में आर्टिफिशियल ज्वेलरी बेचने का काम किया। मुंबई लौटकर वह मार्शल आर्ट सिखाने लगे। इसी दौरान उनके एक छात्र के पिता ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। अक्षय ने यह मौका आजमाया और एक फर्नीचर स्टोर के लिए मॉडलिंग की। उन्होंने बताया कि उस एक काम के लिए उन्हें 21 हजार रुपए मिले, जबकि वह पूरे महीने मार्शल आर्ट सिखाकर करीब 5 हजार रुपए कमाते थे। यहीं से उन्हें लगा कि मॉडलिंग के रास्ते से वह आगे बढ़ सकते हैं।

फिल्मों में आने से पहले अक्षय ने फोटोग्राफर जयेश सेठ के साथ लाइट असिस्टेंट के तौर पर भी काम किया।

सलमान से जैकलीन तक, इन सितारों के घर धूमधाम से मनाया जाता है गणेश उत्सव

मुंबई। गणेश चतुर्थी आते ही मुंबई की गलियों से लेकर फिल्मी सितारों के घरों तक 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई देने लगती है। आम लोगों की तरह बॉलीवुड के कई सितारों के लिए भी गणेश उत्सव का त्योहार बेहद खास होता है। कई सितारों के घर का बप्पा सेलिब्रेशन हर साल सुर्खियों में रहता है। आइए जानते हैं उन फिल्मी सितारों के बारे में, जिनके गणेश उत्सव में आस्था के साथ परिवार और त्योहार की रौनक भी साफ दिखाई देती है।

सलमान खान- खान परिवार का गणपति उत्सव लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचता रहा है। सलमान कई मौकों पर अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के घर होने वाले गणपति उत्सव में शामिल होते हैं। 2025 में भी अर्पिता के मुंबई स्थित घर पर बप्पा की स्थापना हुई थी, जहां सलमान अपने माता-पिता सलीम खान और सलमा खान के साथ आरती करते दिखाई दिए। इस दौरान परिवार के दूसरे सदस्य और करीबी दोस्त भी मौजूद थे। बाद में विसर्जन के मौके पर सलमान को बहन अर्पिता और सोनाक्षी सिन्हा के साथ डांस करते हुए भी देखा गया।

सोनाली बेंद्रे- सोनाली बेंद्रे को गणेश चतुर्थी का त्योहार काफी पसंद है। वह हर साल घर पर बप्पा का स्वागत करती रही हैं। एक वक्त ऐसा भी आया जब वह इलाज के सिलसिले में न्यूयॉर्क में थीं और घर से दूर होने की वजह से गणपति की आरती में फेसटाइम के जरिए शामिल हुई थीं। इसके अगले साल वह अपने परिवार के साथ घर पर गणपति उत्सव मनाकर बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने तब पर्यावरण का ध्यान रखते हुए ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा रखने और घर पर ही विसर्जन करने की बात कही थी।

शीना चौहान ने जीवंत किया शकुंतला का किरदार, बोलीं-मिथक के पीछे छिपी महिला को जानना चाहती थी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री शीना चौहान ने हाल ही में भारतीय पौराणिक कथाओं और राजा रवि वर्मा की प्रसिद्ध पेंटिंग्स से प्रेरित होकर एक विशेष फोटोशूट कराया है, जिसके जरिए उन्होंने शकुंतला के चरित्र को जीवंत कर इस विरासत को याद किया। अभिनेत्री ने बताया कि शकुंतला के बदलाव ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया है।

अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा, 'शकुंतला में मुझे सिर्फ उनकी खूबसूरती या प्रेम कहानी ने ही नहीं बल्कि बदलावों ने भी अपनी ओर आकर्षित किया है। वह एक सीधी-सादी, मासूम महिला के रूप में शुरू होती हैं, फिर भी उनके सफर में इतनी खूबसूरती, भावनाएं और मजबूती है। असल में मैं मिथक के पीछे छिपी महिला को जानना चाहती थी और सोचना चाहती थी कि अगर शकुंतला हमारे समय की महिला होती तो वह कैसा महसूस करती।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे कहानियों, कला और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली महिलाओं के बारे में जानना बहुत पसंद है। मैं खास तौर पर पौराणिक भारतीय कहानियों और किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं क्योंकि उनमें बहुत सारा इतिहास, भावना, सुंदरता और आज के समय से जुड़ाव होता है। शकुंतला के जरिए मैं उस विरासत को सम्मान देना चाहती थी और साथ ही उसे एक नई आवाज देना चाहती थी। उनकी दुनिया भले ही किसी और दौर की हो लेकिन वह जिन भावनाओं को दर्शाती हैं, वो आज भी हमारी ही हैं।'

राजा रवि वर्मा की दुनिया से प्रेरणा लेते हुए शीना चौहान के इस फोटोशूट में शकुंतला की सदाबहार खूबसूरती को दिखाया गया है, बिना उनकी मशहूर पेंटिंग की हूबहू नकल किए। खूबसूरत और पुरानी विरासत से प्रेरित बैकग्राउंड जिसमें मेहराब, पानी और प्राकृतिक चीजें हैं, ये तस्वीरें एक पुराने दौर का एहसास कराती हैं, जैसे एक्ट्रेस सीधे किसी क्लासिक भारतीय कलाकृति से बाहर निकलकर आई हों।

तस्वीरों में शीना एक सफेद साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें हल्का गुलाबी और सुनहरा बॉर्डर है। उनके खुले बाल, हल्का पारंपरिक मेकअप, काजल लगी आंखें और छोटी सी बिंदी के साथ फूलों की नाजुक बालियां और सफेद फूलों की मालाएं बहुत जच रही हैं। हाथों में कमल का फूल लिए और पानी के किनारे नंगे पैर खड़ी होकर वह मासूमियत, नारीत्व और शांति का एहसास करा रही हैं।

यह फोटोशूट हम्पी के 'इवोल्व बैक' में किया गया है, जिसके फोटोग्राफर प्रसाद एच.एम. हैं, एडिटिंग वैभव वेणु गोपाल वेरनेकर ने की है और स्टाइलिंग वीना शंकर ने की है।

नाना पाटेकर ने दिया था आत्मविश्वास, उनके हौसले से निखरी मेरी एक्टिंग: मुजम्मिल इब्राहिम

विश्व केसरी ■

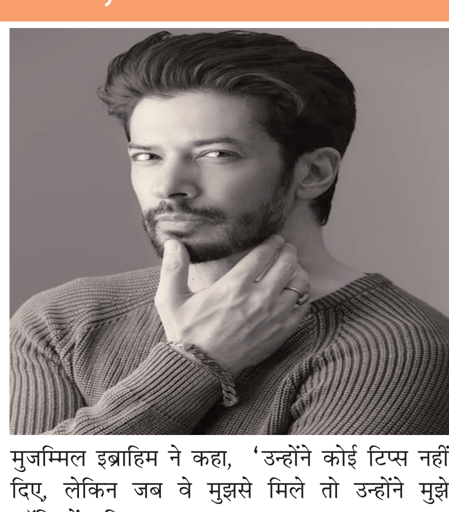

मुंबई। वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' में अपने 'अविनाश' के किरदार से पहचान बनाने वाले अभिनेता मुजम्मिल इब्राहिम दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के मुरीद हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि नाना पाटेकर के हौसले ने उन्हें आत्मविश्वास दिया और एक एक्टर के तौर पर काबिलियत दिखाने में मदद की थी।

मुजम्मिल इब्राहिम ने बताया, 'वो एक बेहतरीन कलाकार हैं और उससे भी बेहतर इंसान हैं। उनसे आप एक्टिंग के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैंने उनके साथ फिल्म फिल्म 'हॉर्न 'ओके' प्लीज' में काम किया था और बहुत मजा आया था। अब भी जब मैं उन्हें कॉल करता हूं, तो वो मुझे अपने बेटे जैसा ही ट्रीट करते हैं। कोई फर्क नहीं है।

मीडिया ने अभिनेता से सवाल पूछा, 'नाना पाटेकर ने आपको एक्टिंग के बारे में क्या टिप्स दिए।' मुजम्मिल इब्राहिम ने कहा, 'उन्होंने कोई टिप्स नहीं दिए, लेकिन जब वे मुझसे मिले तो उन्होंने मुझे कॉन्फिडेंस दिया।

अभिनेता ने याद किया कि साल 2007 में आई एक हिंदी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धोखा' के रिलीज होने के बाद नाना पाटेकर ने उनके काम की सराहना की थी। अभिनेता मुजम्मिल इब्राहिम ने आईएएनएस को बताया, 'मुजम्मिल, 'धोखा' के बाद तुम्हारी बहुत तारीफ हो रही है। भले ही फिल्म सुपरहिट नहीं हुई, लेकिन तुम्हारी तारीफ हो रही है। मैं तुम्हारे साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हूं।

अभिनेता ने फिल्म 'हॉर्न 'ओके' प्लीज' के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब हम साथ में सीन करते थे, क्योंकि कॉमेडी में आपको अपनी टाइमिंग से सीन को सेट करना पड़ता है। फिल्म में हमारे साथ सतीश शाह, अली असगर समेत कई बेहतरीन कलाकारों की टोली थी। इसलिए उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया।

आखिर में मुजम्मिल ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें एक कलाकार, एक्टर और कॉमेडियन के तौर पर निखारा है।

रोडीज-21 में गैंग लीडर बने अभिषेक मल्हान, बोले-'जिंदगी में कुछ भी कर लूंगा पर रोडीज नहीं'

विश्व केसरी ■

मुंबई। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर अभिषेक मल्हान 'रोडीज-21' (रोडीज रीबर्थ) में गैंग लीडर के तौर पर अपना सफर शुरू करने जा रहे हैं। अभिषेक मल्हन ने बताया कि शो में गैंग लीडर बनना उनके लिए किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

उन्होंने बताया कि जब रघु राम और राजीव लक्ष्मण रोडीज के ऑडिशन लिया करते थे, तब उन्होंने सोचा था कि वो कुछ भी कर लेंगे लेकिन रोडीज कभी नहीं करेंगे। अभिषेक मल्हन ने बताया कि उन्होंने कभी रोडीज का पूरा सीजन नहीं देखा था।

उन्होंने कहा, 'मैंने रोडीज का कोई भी सीजन पूरा नहीं देखा है लेकिन जब पहले रघु और राजीव ऑडिशन लेते थे, तब मैंने सोच लिया था कि मैं जिंदगी में कुछ भी कर लूंग पर रोडीज कभी नहीं करूंगा। जिंदगी ऐसी ही होती है, एक सर्कल पूरा हो जाता है और आज मैं गैंग लीडर हूं। मैं पहले सोचता था कि वहां कौन जाएगा।'

बता दें कि इस बार एमटीवी रोडीज का 21वां सीजन आ रहा है, जिसका नाम 'रोडीज रीबर्थ' है। नए सीजन में पहली बार 6 गैंग लीडर्स नजर आएंगे, जिन्हें 'ओजी' और 'न्यूजी' (पुराने और नए गैंग लीडर) में बांटा गया है, जिनमें अभिषेक मल्हान, नेहा धूपिया, प्रिंस नरूला, बसीर अली, निखिल चिनप्पा और वीजे बानी नजर आएंगे और रणविजय सिंघा होस्ट के रूप में वापसी कर रहे हैं।

इस सीजन के लिए दिल्ली-एनसीआर (नोएडा) में 5 सितंबर को ऑडिशन आयोजित किए गए थे। शो की बात करें तो, यह शो 15 अगस्त 2003 को शुरू हुआ था। इसे रघु राम और निखिल जे अल्वा ने बनाया था। इस शो में युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन चुनौतियों, स्टंट और टास्क का सामना करना पड़ता है। कंटेस्टेंट्स अलग-अलग गैंग लीडर्स के नेतृत्व में खेलते हैं और शो के दौरान विभिन्न जगहों की यात्रा करते हैं। टास्क के अलावा शो में आपसी राजनीति, बहस, ग्रुप डिस्कशन और वोट-आउट प्रक्रिया मुख्य आकर्षण होती है। एमटीवी रोडिज न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी लोकप्रिय है। यह भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले एडवेंचर रियलिटी शोज में से एक है और इसका क्रेज भारतीय सीमाओं के बाहर भी कई देशों में देखने को मिलता है।

रोडीज की लोकप्रियता को देखते हुए इसे दुनिया भर के 35 से अधिक देशों में प्रसारित किया जाता रहा है।

श्रीलंका पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह श्रीलंका पहुंच चुके हैं। श्रीलंका पहुंचने पर उनका गर्मजोशी और पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। रक्षामंत्री के आगमन व स्वागत के लिए, बंडारानायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर श्रीलंका सरकार के प्रतिनिधि व भारतीय उच्चायुक्त मौजूद रहे।

वह 8 से 10 सितंबर तक श्रीलंका की तीन दिवसीय आधिकारिक पर हैं। अपनी यात्रा के पहले दिन वह मंगलवार को नई दिल्ली से कोलंबो पहुंचे हैं। यहां हवाई अड्डे पर श्रीलंका के रक्षा उपमंत्री मेजर जनरल अरुण जयसेकरा (सेवानिवृत्त) और श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने रक्षा मंत्री की अगवानी की। श्रीलंकाई पक्ष की ओर से किया गया पारंपरिक स्वागत दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ, मैत्रीपूर्ण और भरोसेमंद संबंधों को दर्शाता है।

राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और श्रीलंका के बीच पहले से मजबूत संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात और बातचीत करेंगे। मंगलवार को ही वे यहां भारतीय उच्चायुक्त से जुड़े महत्वपूर्ण लोगों से भी मुलाकात करने वाले हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और समुद्री साझेदारी इस यात्रा के प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेंगे। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत और श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए समुद्री सुरक्षा दोनों देशों के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी श्रीलंका पहुंचा है। बातचीत के दौरान आपसी हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विचार किया जाएगा। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका के संबंध केवल रणनीतिक और रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत रिश्ते भी बेहद गहरे हैं।

रक्षा मंत्री की यात्रा के दौरान इन संबंधों को और मजबूत करने पर भी जोर रहने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह कोलंबो में भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात करेंगे। वह श्रीलंका में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद भी करेंगे। रक्षा मंत्री की तीन दिवसीय यात्रा को भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूत समुद्री एवं रक्षा साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में भारत के साथ विचार-विमर्श को आगे बढ़ाएंगे: इस्माइल बाघेई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने मंगलवार को भारत के साथ ईरान के बेहतर संबंधों को जिक्र किया। उन्होंने बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ हुई प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बारे में बताते हुए कहा कि भारत के साथ हमारे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे संबंध हैं।

बाघेई ने कहा कि हम 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में होने वाली मुलाकात का लाभ उठाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ बातचीत और विचार-विमर्श को आगे बढ़ाएंगे। भारत में ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इस्माइल बाघेई के बयान का एक वीडियो साझा किया।

इस्माइल बाघेई ने कहा, 'राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बिश्केक में जिन नेताओं से मुलाकात की, उनमें भारत के प्रधानमंत्री भी शामिल थे। भारत के साथ हमारे संबंध बहुत पुराने, ऐतिहासिक और सभ्यतागत रिश्तों पर आधारित हैं और हम भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देते हैं।''

उन्होंने कहा कि भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और 'ब्रिक्स' दोनों का सदस्य है। यह उन देशों में से एक हैं, जिनके साथ हमारे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे संबंध हैं। खासकर व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में। उन्होंने बताया कि ईरान और भारत के बीच होने वाली चर्चाओं में आमतौर पर कई मुद्दों पर बात होती है।

इनमें चाबहार बंदरगाह भी शामिल है, जो दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भी जिक्र किया।

बाघेई ने कहा, 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से मिलने वाले अवसर का हम निश्चित रूप से उपयोग करेंगे, ताकि आपसी हितों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ बातचीत और विचार-विमर्श को आगे बढ़ाया जा सके।

संक्षिप्त खबर

यमन के अल-जौफ में जेल पर हवाई हमला

विश्व केसरी

सना। उत्तरी यमन के हूती नियंत्रण वाले अल-जौफ प्रांत में एक जेल पर हवाई हमला हुआ, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबर है। हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने इस हमले के लिए सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला सोमवार को प्रांत की राजधानी अल-हजम में स्थित जेल पर हुआ। इसमें महिलाओं और बच्चों के भी हताहत होने की बात कही गई है। अल-मसीरा ने जेल निदेशक के हवाले से बताया कि 35 कैदी और अपने पति से मिलने आई एक महिला अब भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। टीवी चैनल की ओर से दिखाए गए वीडियो में जेल को भारी नुकसान पहुंचा हुआ दिखाई दिया। साथ ही बचावकर्मी मलबे में फंसे लोगों की तलाश करते नजर आए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अल-मसीराह टीवी के हवाले से बताया कि इस मामले पर सऊदी अरब की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इस बीच, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारिया ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि यमन में सऊदी सैन्य कार्रवाइयों का 'जवाब दिया जाएगा।' उन्होंने आरोप लगाया कि इन कार्रवाइयों में हवाई हमले, निगरानी उड़ानें और यमनी सरकारी बलों को हथियारों की आपूर्ति शामिल है।

पाकिस्तान में बढ़ा असंतोष, सेना और नेताओं के बीच बन रही टकराव की स्थिति

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। इन समस्याओं का कोई स्पष्ट समाधान नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में राजनीतिक वर्ग के भीतर असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है और अब नेता सेना की ओर से लिए जा रहे फैसलों पर सवाल उठाने लगे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान राजनीतिक वर्ग और सेना के बीच बड़े टकराव की स्थिति बन रही है। हालांकि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने सख्त नियंत्रण के जरिए हालात पर काबू बनाए रखा है, लेकिन अब राजनीतिक वर्ग का धैर्य जवाब देता दिख रहा है। राजनीतिक नेताओं को जनता का सामना करना पड़ता है। वे बलूचिस्तान, पीओके और केपी जैसे इलाकों में हो रही हिंसा की संतोषजनक व्याख्या नहीं कर पा रहे हैं। राजनीतिक वर्ग का कहना है कि देश के सामने आंतरिक चुनौतियां और समस्याएं हैं, जबकि सेना ज्यादातर इन हालात के लिए बाहरी खतरों को जिम्मेदार ठहराती है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि भारत को आक्रामक पक्ष बताने वाला नैरेटिव अब पहले की तरह प्रभावी नहीं रह गया है। पीओके में हो रहे विरोध प्रदर्शन इसका एक उदाहरण हैं। अधिकारी के अनुसार, पीओके के लोग अपने क्षेत्र की तुलना सीधे जम्मू-कश्मीर से कर रहे हैं। खास तौर पर बुनियादी ढांचे और विकास के मामले में वे पाकिस्तानी प्रशासन से सवाल पूछ रहे हैं कि दोनों क्षेत्रों के बीच इतना अंतर क्यों है।

प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करों पर अमेरिका की स्ट्राइक

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिकी साउथ कमांड के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर ने पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने कुख्यात नार्को-आतंकी संगठन लॉस चोनेरोस के लिए काम कर रहे एक तैरते आपूर्ति स्टेशन जहाज को रोक लिया। जांच और चालक दल को हिरासत में लेने के बाद जहाज को समुद्र में डुबो दिया गया।

यूएस साउथकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में घटना की जानकारी साझा की। कमांड ने पोस्ट में बताया कि 7 सितंबर को यूएस साउदर्न कमांड के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र के रास्ते होने वाली अवैध ड्रग तस्करी गतिविधियों का समर्थन कर रहे एक तैरते हुए आपूर्ति स्टेशन जहाज को सफलतापूर्वक रोक लिया। बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि यह जहाज हिंसक नार्को-आतंकी संगठन लॉस चोनेरोस के लिए काम कर रहा था।

जहाज पर मौजूद लोगों को हिरासत में लेने के बाद उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा। जहाज की पूरी जांच करने और चालक दल को सुरक्षित उतारने के बाद अमेरिकी बलों ने उस जहाज को समुद्र में डुबो दिया।

जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर ने कहा कि वह पश्चिमी गोलार्ध में ड्रग तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर तरीके से अपने अभियान जारी रखे हुए है। यह हवाई हमला नहीं था। अमेरिकी सेना ने जहाज पर चढ़कर तलाशी ली और जहाज को खाली करा दिया। सभी को जहाज से निकाल लिया गया और उन्हें सुरक्षित रूप से इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंप दिया गया। इसके बाद खाली जहाज को डुबो दिया गया।

यह दूसरा ऐसा रिफ्यूलिंग जहाज है जिसे साउथ कमांड ने कुछ ही दिनों में नष्ट किया है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ का नशे के खिलाफ बड़े कैंपेन का हिस्सा है।

एफिल टॉवर विवाद पर बीएपीएस ने मांगी माफी, कहा- किसी को प्रवेश से नहीं रोका गया

विश्व केसरी

पेरिस। पेरिस स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर ने स्पष्ट किया है कि एफिल टॉवर पर मंदिर के प्रतिनिधिमंडल की निजी यात्रा स्मारक प्रबंधन के साथ मिलकर तय की गई थी। इसे आम खुलने के समय के ठीक पहले रखा गया था ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम असुविधा हो।

बीएपीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा कि किसी भी व्यक्ति को एफिल टॉवर में प्रवेश से नहीं रोका गया था। बीएपीएस ने उन लोगों से माफी भी मांगी जिन्हें इस घटना से कोई ठेस पहुंची हो या असुविधा हुई हो।

यह स्पष्टीकरण एफिल टॉवर के कर्मचारियों की हड़ताल के बाद आया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों को परिसर से हटाया गया था। यह विवाद पिछले सप्ताह बीएपीएस से जुड़े लगभग 100 लोगों के एक निजी दौरे से जुड़ा था, जो पेरिस के बाहरी इलाके में एक मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए फ्रांस आए थे। मंदिर की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम उठाई गई चिंताओं का सम्मान करते हैं और उन्हें बहुत गंभीरता से लेते हैं। हमारे प्रतिनिधिमंडल का आकार बड़ा था, इसलिए इस यात्रा की व्यवस्था एफिल टॉवर प्रबंधन के सहयोग से सामान्य समय पर खुलने के ठीक शुरुआत में की गई थी, ताकि अन्य लोगों को कोई असुविधा या व्यवधान न हो। हमारी जानकारी के अनुसार, किसी भी समय किसी को एफिल टॉवर में प्रवेश से नहीं रोका गया। फिर भी, अगर किसी को दुख पहुंचा है या किसी प्रकार की असुविधा हुई है, तो हम इसके लिए दिल से माफी मांगते हैं।'

फॉकलैंड द्वीप विवाद: अर्जेंटीना इजरायली ऊर्जा कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करेगा

विश्व केसरी

ब्यूनस आयर्स। दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। पिछले कुछ महीनों से कई द्वीप चर्चा में बने हुए हैं। इनमें चागोस द्वीप, ईरान का खार्ग द्वीप, बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप शामिल हैं। इस बीच एक और द्वीप सुर्खियां बटोर रहा है और ये फॉकलैंड द्वीप समूह है। जिसे लेकर ब्रिटेन और अर्जेंटीना के बीच पुराना विवाद उभर आया है।

अर्जेंटीना सरकार ने सोमवार को ब्रिटिश नियंत्रण वाले फॉकलैंड द्वीप समूह में तेल परियोजना संचालित करने वाली इजरायली कंपनी 'नाविटास पेट्रोलियम' और उसके अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने का ऐलान किया है।

राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से शुक्रवार (4 सितंबर) को एक बयान जारी किया गया था। उनका आरोप है कि नाविटास और उससे जुड़ी कंपनियां उत्तरी फॉकलैंड बेसिन में हाइड्रोकार्बन की खोज और उत्पादन के लिए ब्रिटिश लाइसेंस का इस्तेमाल कर रही हैं, जो अर्जेंटीना के कानून का उल्लंघन है। विदेश मंत्री पाब्लो क्विरनो ने इस मामले को गंभीरता से उठाने का फैसला किया है।

विवाद के केंद्र में 'सी लायन' नाम की बड़ी अपतटीय तेल परियोजना है। इसे इजरायली कंपनी नाविटास संचालित कर रही है, जिसकी परियोजना में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ब्रिटेन की रॉकहॉपर एक्सप्लोरेशन भी इसमें भागीदार है। परियोजना से 2028 में तेल उत्पादन शुरू करने की योजना है। अर्जेंटीना का कहना है, फॉकलैंड द्वीपों के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का अधिकार हमारे (अर्जेंटीना) पास है और हमारी अनुमति बिना वहां तेल गतिविधियां चलाना गैरकानूनी है।

इंडोनेशिया में खुले कुछ एयरपोर्ट, ज्वालामुखी से अभी भी निकल रहा लावा

विश्व केसरी

जकार्ता। अनाक क्राकाटाओ ज्वालामुखी विस्फोट के कारण प्रतिबंधित हवाई सेवाओं को कुछ हद तक शुरू कर दिया है। देश ने राजधानी जकार्ता में अपना मुख्य एयरपोर्ट और चार अन्य एयरपोर्ट फिर से खोल दिए हैं, जिन्हें ज्वालामुखी से निकलती राख के कारण बंद कर दिया गया था।

अधिकारियों द्वारा जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर से ज्वालामुखी की राख हटाने के बाद मंगलवार को ये पांचों एयरपोर्ट फिर से खोल दिए गए। हालांकि मंगलवार को अनाक क्राकाटाओ ज्वालामुखी से लावा निकल ही रहा है। इसके कारण अधिकारी अलर्ट पर हैं। दो एयरपोर्ट अभी भी बंद हैं और ज्वालामुखी को लेकर चेतावनी दूसरे सबसे ऊंचे स्तर पर बरकरार है। बता दें कि इंडोनेशिया में ज्वालामुखी को लेकर चेतावनी के कुल चार स्तर होते हैं। दूसरे सबसे ऊंचे स्तर की चेतावनी में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

हवाई सेवाओं पर लगे ब्रेक का असर 3,40,000 से ज्यादा यात्रियों और लगभग 2,900 उड़ानों पर पड़ा।

जकार्ता के सोएकार्नो-हट्टा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में फायरफाइटर और फायरट्रक रनवे और दूसरी जगहों से राख हटाते हुए दिखे। परिवहन मंत्री डुडी पुरवागांधी ने कहा कि फ्लाइट शेड्यूल को सामान्य होने में 'थोड़ा' और समय लग सकता है।

डुडी ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा, हम यात्रियों और आम जनता से थोड़ा धैर्य रखने की अपील करते हैं, क्योंकि हम यह पक्का करने के लिए जांच करेंगे कि ये विमान उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं।''

हैरो लन्दन में भव्य हिन्दी दिवस समारोह...

विश्व केसरी

लंदन। यूके एवं इंटरनेशनल हिन्दी सोसाइटी ने सिद्धाश्रम शक्ति स्थल के सहयोग से लन्दन के हैरो क्षेत्र में 5 सितम्बर 2026 की शाम इस वर्ष के पहले हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय उच्चायोग की हिन्दी एवं संस्कृति अधिकारी डॉ. अनुराधा पांडेय ने की तो मुख्य अतिथि रहे पूर्व सांसद विरेन्द्र शर्मा। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया मीडिया हस्ती रवि शर्मा ने। सरस्वती वंदना प्रस्तुत की लन्दन की लोकप्रिय गायिका पूजा भनोट ने। विशिष्ट अतिथियों का स्वागत गुरु जी राज राजेश्वर ने किया।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय कवियों ने कविता पाठ किया, इनमें शामिल थे, डॉ. अनुराधा पांडेय, डॉ. पद्मेश गुप्त, अरुण सब्बरवाल, शिखा

वार्ष्णेय, आशुतोष कुमार, आशीष मिश्रा, रितेश निगम, अंतरा राकेश तल्लम, रेणु शर्मा, विनी कालिया, विकास पारेख, वैभव श्रीवास्तव एवं तेजेन्द्र शर्मा। प्रत्येक कविता का श्रोताओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। वहीं भारत से पधारे विवेक रंजन श्रीवास्तव, खुदेजा खान एवं पीयूष श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को एक विशेष गुणवत्ता प्रदान की। कवि सम्मेलन का एक विशेष आकर्षण रही पंडित गौरांगी गौरी जी की उपस्थिति जिन्होंने भ्रूण हत्या पर बहुत मार्मिक रचना का पाठ किया।

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विरेन्द्र शर्मा ने श्रोताओं से भरे सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि जब वे भारत से ब्रिटेन आए थे तो भारतीय भाषाएं बोलने के ना तो अवसर मिलते थे और ना ही उसे पसंद भी किया जाता था। आज हालात एकदम अलग हैं। घरों में भारतीय भाषाओं के टीवी चैनल दिखाई और सुनाई देते हैं। हिन्दी सिनेमा का आज के युवाओं पर भी असर है। साहित्यकारों को ब्रिटेन के सरोकार अपनी रचनाओं में चित्रित करने चाहिये।

अध्यक्ष पद से बोलते हुए डॉ. अनुराधा पांडेय ने कहा कि कथा यू.के. एवं इंटरनेशनल हिन्दी सोसाइटी ने मिल कर इस वर्ष का हिन्दी दिवस को जो भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है।

सऊदी अरब और लाल सागर में हूती हमलों की कतर ने की निंदा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की सख्त कार्रवाई की अपील

विश्व केसरी

दोहा। कतर ने लाल सागर में व्यापारिक जहाजों और सऊदी अरब के शहरों में हूती समूहों के हमलों की निंदा की। कतर ने कहा हूती समूह अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा और आवाजाही की स्वतंत्रता को खतरे में डाल रहा है। कतर ने ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतों को तुरंत रोकने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

कतर विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडि?या 'एक्स' पोस्ट में नागरिक ठिकानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने वाले हूती समूहों के हमलों की निंदा की।

कतर विदेश मंत्रालय ने पोस्ट में कहा, 'सऊदी अरब के आभा, खमीस मुशैत, जाजान और नज्रान शहरों में हूती समूहों ने नागरिक और आर्थिक महत्व के ठिकानों को निशाना बनाया। यह बेहद निंदनीय है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिक घायल हुए हैं। इसके अलावा यह समूह लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा तथा आवाजाही की स्वतंत्रता को खतरे में डाल रहा है।''

कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हमले बेहद निंदनीय और आक्रामक हरकतें हैं। यह आम नागरिकों की जान और क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखाता है। साथ ही यह सऊदी अरब की संप्रभुता का खुला उल्लंघन, अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन और क्षेत्र की शांति व स्थिरता के लिए खतरनाक तनाव बढ़ाने वाला कदम है। मंत्रालय ने कहा कि कतर नागरिक ठिकानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने का पूरी तरह विरोध करता है।

डीएमएफ के 'अमृत' से भीगे भानुप्रतापपुर के गांव जहां बच्चों को नसीब नहीं आंगनबाड़ी का छत

वहां उगे 65 लाख के 'टिन शेड'!

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। जिला खनिज न्यास निधि यानी डीएमएफ फंड—जिसका मकसद खदान प्रभावित इलाकों की सूरत बदलना और गांव-गरीब को शिक्षा, स्वास्थ्य व मूलभूत सुविधाएं देना था, वह अब भानुप्रतापपुर जनपद पंचायत में महज 'टिन शेड' उगाने की मशीन बनकर रह गया है। आलम यह है कि गांवों में चाहे लोग घुटने भर कीचड़ में पैदल चलने को मजबूर हों या नौनिहाल दूसरे विभागों की दहलीज पर बैठकर अपना भविष्य गढ़ रहे हों, लेकिन साहबों को विकास सिर्फ टिन के शेडों में ही नजर आ रहा है। जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायतों में इन दिनों डीएमएफ फंड से टिन शेड निर्माण की मानो बाढ़ सी आ गई है। गांव में मूलभूत सुविधाएं हों या न हों, लेकिन लोहे के खंभों पर टिन की छतें जरूर तन रही हैं।

हाटकर्रा में 65 लाख की 'छांव', पर बच्चों के सिर पर खुद की छत गायब

ग्राम पंचायत हाटकर्रा की तस्वीर इस व्यवस्था पर करारा तमाचा है। इस एक अकेली पंचायत में DMF फंड से 15-15 लाख के तीन टिन शेड (कुल 45 लाख) और एक 20 लाख रुपये का बाजार शेड तैयार किया जा रहा है। यानी केवल टिन शेडों के नाम पर 65 लाख रुपये का बजट फूँक दिया गया। विडंबना देखिए कि जिस पंचायत पर मेहरबान अफसरों ने 65 लाख के शेड मंजूर कर दिए, उसी हाटकर्रा में एक ढंग का आंगनबाड़ी भवन तक नहीं है! नन्हें बच्चे वन विभाग के पुराने भवन में जैसे-तैसे आंगनबाड़ी पढ़ने को मजबूर हैं।

तारंदुल का भी यही हाल, कीचड़ से बदहाल गांव पर शेड का बुखार

यही 'टिन शेड मॉडल' ग्राम पंचायत तारंदुल में भी फल-फूल रहा है। यहाँ भी 20 लाख रुपये की लागत से शेड खड़ा किया जा रहा है, जबकि इसके आश्रित ग्राम खासगांव में आंगनबाड़ी केंद्र खुद के भवन के तरस रहा है और सामुदायिक भवन के भरोसे चल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों में इस फिजूलखर्ची और अजीबो-गरीब प्राथमिकताओं को लेकर भारी आक्रोश है। बारिश के इस मौसम में गांवों की गलियां कीचड़ से लथपथ हैं। एक घर से दूसरे घर जाना दूभर हो चुका है। ग्रामीण पिछले कई वर्षों से सीसी (सीमेंट-कंक्रीट) सड़क की मांग करते-करते थक चुके हैं, लेकिन पंचायत से लेकर जनपद तक बैठे जिम्मेदारों को कीचड़ से सनी सड़कें दिखाई नहीं देतीं।

कमीशन का 'खेल' या विकास का 'शेड'?

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि सीसी सड़क और आंगनबाड़ी भवन बनाने में मेहनत ज्यादा है और शायद 'सुविधा शुल्क' का गणित बैठाना मुश्किल, इसलिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सिर्फ टिन शेड का निर्माण ही भा रहा है। ?सवाल यह उठता है कि क्या डीएमएफ का पैसा केवल टीन और लोहे के पाइप खरीदने के लिए आता है? क्या गांव के नौनिहालों के लिए सुरक्षित आंगनबाड़ी भवन और ग्रामीणों के लिए चलने योग्य सड़क से ज्यादा जरूरी लाखों के खाली शेड हैं? प्रशासनिक शह पर चल रहे इस 'शेड पुराण' ने जनहित के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

45 दिन वाला नियम खत्म, अब 25 दिन में ही होगी गैस सिलेंडर की बुकिंग

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। केंद्र सरकार ने देशभर के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए गैस सिलेंडर रीफिल बुकिंग के अंतराल को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर की अगली बुकिंग के बीच 25 दिनों की समान समय-सीमा निर्धारित की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को विशेष सुविधा मिलेगी, जिन्हें अब तक अगली बुकिंग के लिए 45 दिनों तक इंतजार करना पड़ता था।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने इस संबंध में जानकारी दी। पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से 7 सितंबर को देश की तीन प्रमुख तेल विपणन कंपनियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड —के प्रमुखों को पत्र जारी कर इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपभोक्ताओं की मांग हुई पूरी

गैस सिलेंडर बुकिंग की 45 दिन की समय-सीमा को घटाकर 25 दिन किए जाने की मांग को लेकर व्यापारी संघ एवं उपभोक्ता लंबे समय से आवाज उठाते रहे हैं। व्यापारी संघ सहित अन्य उपभोक्ताओं ने सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से लगातार शासन-प्रशासन एवं गैस कंपनियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया था।

उपभोक्ताओं का कहना था कि घरेलू गैस की आवश्यकता को देखते हुए 45 दिनों की बुकिंग सीमा काफी अधिक थी। कई बार सिलेंडर समाप्त होने के बाद भी अगली बुकिंग नहीं हो पाने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता था।

अब सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए समान रूप से 25 दिन की अवधि निर्धारित किए जाने से उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस निर्णय का क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने स्वागत करते हुए केंद्र सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय एवं संबंधित गैस कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रभारी मंत्री ने सक्ती में केंद्रीय मंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर अधिकारियों की ली बैठक

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सक्ती जिले में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रस्तावित आगमन को लेकर कलेक्टर एसपी सहित सक्ती जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उनके द्वारा कार्यक्रम आयोजन के सभी बिन्दुओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बता दे कि केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आगामी 11 सितंबर 2026 को ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास गृह प्रवेश कार्यक्रम, पंचायत पदाधिकारी तथा लखपति दीदी

सम्मेलन व विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम प्रस्तावित है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की पर्याप्त एवं उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था, लाइटिंग एवं एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, हितग्राहियों, मीडिया प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं आमजनों के लिए पृथक एवं सुव्यवस्थित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आगमन एवं प्रवेश व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के साथ ही यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देने कहा।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सक एवं मेडिकल टीम की तैनाती, एंबुलेंस की उपलब्धता तथा फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्रीन रूम एवं मंचीय व्यवस्था की भी जानकारी ली।

मिनी माता सम्मान, वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार एवं माता बहादुर कलारिन सम्मान के लिए 25 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के उत्थान एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं अशासकीय संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2026 हेतु मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान), वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार एवं माता बहादुर कलारिन सम्मान के लिए 25 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) महिलाओं, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य की महिला अथवा अशासकीय संस्था को प्रदान किया जाता है। सम्मान के अंतर्गत चयनित महिला अथवा संस्था को 02 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इसी प्रकार महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला को वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके तहत चयनित महिला को 02 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया जाएगा। महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष तथा नारी उत्थान के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से माता बहादुर कलारिन सम्मान प्रदान किया जाता है।

रायपुर में ओबीसी मोर्चा का संभाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान कार्यक्रम हुआ

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज परिसर में संभाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में सोमवार, 7 सितंबर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने की, जबकि विशेष अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी उपस्थित रहे।

सम्मेलन में रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों से पहुंचे समाज के प्रबुद्धजनों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड से तीन विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनके क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों सम्मान प्राप्त हुआ।

योग एवं आरोग्य के क्षेत्र में मिथलेश कुमार सिन्हा सम्मानित

छुरा के योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा को योग, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा विगत लगभग 12 वर्षों से योग एवं आरोग्य के क्षेत्र में निरंतर सेवा कर रहे हैं। उन्होंने योग के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारंपरिक चिकित्सा एवं जनसेवा के लिए ओमप्रकाश साहू का सम्मान

पारंपरिक चिकित्सा एवं जनसेवा के क्षेत्र में लगभग 20 वर्षों से सक्रिय वैद्य ओमप्रकाश साहू को भी सम्मानित किया गया। वे कम शुल्क में लोगों को पारंपरिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रहे हैं। बताया गया कि वे सप्ताह में लगभग 300 लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हुए पारंपरिक चिकित्सा को आमजन तक सहज एवं सुलभ रूप से पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

प्रो-कबड्डी प्रीमियर लीग का भव्य समापन

विश्व केसरी

दुर्गुकोंदल। दुर्गुकोंदल क्षेत्र में आयोजित दुर्गुकोंदल प्रो-कबड्डी प्रीमियर लीग-2026 का रोमांचक एवं भव्य समापन हुआ। मुख्य अतिथि बिरेश ठाकुर, जिलाध्यक्ष, कबड्डी संघ कांकेर की मौजूदगी में आयोजित समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

फाइनल मुकाबले में जूनियर टाइगर हथरा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ट्राइबल वॉरियर्स खुटगांव को पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं बजरंगी फाइटर मिचेवाड़ा की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया।

फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांचक रहा। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने दमदार रेड, शानदार टैकल और मजबूत

डिफेंस का प्रदर्शन किया। मुकाबले के अंतिम क्षणों तक दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। निर्णायक क्षणों में जूनियर टाइगर हथरा ने बेहतर रणनीति, मजबूत टीमवर्क और शानदार खेल का परिचय देते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया।

विजेता को 40 हजार, उपविजेता को 25 हजार रुपये

विजेता जूनियर टाइगर हथरा को प्रथम पुरस्कार के रूप में 40,000 रुपये एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। उपविजेता ट्राइबल वॉरियर्स खुटगांव को 25,000 रुपये एवं ट्रॉफी तथा तीसरे स्थान पर रही बजरंगी फाइटर मिचेवाड़ा की टीम को 15,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

प्रतियोगिता में कुल 80,000 रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। प्रार्थिया द्वारा थाना सिटी कोतवाली कांकेर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग बेटी ने उसे आरोपी द्वारा उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए जाने की जानकारी दी है।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली कांकेर में अपराध क्रमांक 309/2026, धारा 64(1), 65(1) बीएनएस एवं धारा 4 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक उत्तर बस्तर कांकेर निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस हरीश पाटील के पर्यवेक्षण में आरोपी की पतासाजी हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही की गई। विवेचना के दौरान आरोपी श्लोक जायसवाल, उम्र 19 वर्ष, निवासी एकतानगर कांकेर के अपने निवास पर मौजूद होने की जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा नाबालिग पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए जाने की घटना स्वीकार किए जाने पर उसे 07 सितंबर को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

'पर्व पर्युषण की आराधना शुरू

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। स्थानीय श्वेताम्बर जैन संघ में शासनोत्सव वर्षावास 2026 के अंतर्गत पूज्य भव्य मुनि एवं पूज्य सोमभद्र मुनि का चातुर्मास जप तप, प्रभु भक्ति, प्रवचन स्वाध्याय के साथ सतत गतिमान है। मुनि की प्रेरणा से संघ में अक्षयनिधि, समवसरण, विजय कषाय तप, सतत आयंबिल की तपस्या सतत गतिमान है। सैकड़ों श्रावक श्राविकाएं तप से जुड़कर निर्जरा कर रहे हैं। चातुर्मास में दीर्घ तपस्या के रूप में विशेष रूप पीयूष सम्यक कृपापात्र रजत बंगानी ने आत्म बल से विशेष पुरुषार्थ करते पूज्य गुरु भगवंत से 38 उपवास का पच्चक्खान लिया। इसी क्रम में भाई पराग पारख (सुपुत्र मनीष पारख - गरियाबंद) ने अपूर्व संयम त्याग का परिचय देते हुए सिद्धि तप

की तपस्या के आठवें अंतिम पायदान पर पहुंच गए हैं। सकल संघ सदस्यों ने दोनों दीर्घ तपस्वियों की खूब खूब अनुमोदना की।

'पर्वाधिराज पर्युषण की आराधना आज से'

दिनांक 8 सितंबर मंगलवार से श्वेताम्बर जैन समुदाय का पर्व पर्वाधिराज पर्युषण प्रारंभ हो रहा है। आज इस पावन प्रसंग पर विशेष रूप से भव्य मुनि ने कहा कि साधना पथ पर चलने वालों के लिए यह जैन धर्म सर्वश्रेष्ठ है।

राजिम नगर के विकास की दिशा में एक और कदम, नेताजी सुभाष चौक, श्रीराम वाटिका में लाइटिंग फव्वारा का भूमि पूजन

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम नगर के सौंदर्यीकरण एवं विकास को गति देने के उद्देश्य से आज राजिम नगर पालिका परिषद द्वारा नेताजी सुभाष चैक ,राम वाटिका एवं गायत्री मंदिर के पीछे वीआईपी रोड स्थित गार्डन में एल्डरमैन निधि से लाइटिंग फव्वारा निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि एवं नगर पालिका के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने कहा कि राजिम नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के लिए नगर पालिका लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुभाष चैक एवं गायत्री मंदिर के पीछे वीआईपी रोड स्थित राम वाटिका में लाइटिंग फव्वारा

बनने से इन स्थानों की सुंदरता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष विश्वकर्मा ने कहा कि नगर विकास के लिए स्वीकृत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाइटिंग फव्वारा निर्माण से नगर के प्रमुख स्थलों की सुंदरता में और निखार आएगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष पूर्णिमा चंद्राकर, उप अभियंता नितेश कुमार भवर, सभापति भारत यादव, आकाश सिंह राजपूत, कुलेश्वर साहू, मंशाराम कुर्रे सहित पार्षदगण तुषार कदम, नरोत्तम, जुगु ठाकुर, अंजनी, उत्तम निषाद, बलराम यादव, सुरेश पटेल, टंकु सोनकर, अजय पटेल, सुमित्रा, यशवंत निराला, रेखा एवं कुलेश्वर साहू उपस्थित रहे।

इसके अलावा एल्डरमैन सफिल धीवर, मधु नत्थानी, दीनदयाल सोनकर, रामजीवन साहू एवं राधेश्याम सोनी , ऋषि दुबे, संजीव साहू, गेंदलाल, रामनारायण पटेल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने नगर के विकास एवं सौंदर्यीकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा आगामी दिनों में भी राजिम नगर में जनहित से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की बात कही।

ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। प्रजापति ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, नवापारा-राजिम में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. उमा गुप्ता ने मां को प्रथम शिक्षक बताते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक एवं अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहीं संचालिका पुष्पा बहन ने कहा कि गूगल, इंटरनेट और एआई के दौर में शिक्षकों को तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ मानवीय मूल्यों को भी बनाए रखना होगा।

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रफुल्ल दुबे ने भारतीय शिक्षा पद्धति, सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं ईमानदारी के महत्व पर विचार व्यक्त किए। सोम, रोमन लाल साहू एवं जितेंद्र देवांगन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों को श्रीफल, वस्त्र एवं लेखनी भेंटकर सम्मानित किया गया। संचालन पूजा दीदी ने किया। इस अवसर पर राम ठाकुर, हेमंत साहू, चेमिन साहू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रियलमी 16प्रो 5जी हैरी पॉटर एडिशन का हुआ ऐलान, टेक और पॉप-कल्चर का खास मेल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड अब उत्पादों को उपभोक्ताओं की संस्कृति, मनोरंजन और फैनडम से जोड़ने के लिए केवल स्पेसिफिकेशन और हार्डवेयर अपग्रेड तक सीमित नहीं रह गए हैं। लिमिटेड-एडिशन डिजाइन से लेकर वैश्विक मनोरंजन फ्रेंचाइजी के साथ साझेदारी तक, ये सहयोग ब्रांड्स को परिचित डिवाइस को अलग और अधिक व्यक्तिगत बनाने का एक और तरीका दे रहे हैं।

जैसे-जैसे अलग-अलग प्राइस सेगमेंट में स्मार्टफोन के फीचर्स एक-दूसरे से अधिक मिलते-जुलते जा रहे हैं, स्पेशल-एडिशन डिवाइस कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं के साथ मजबूत जुड़ाव बनाने का माध्यम बन रहे हैं। इसके तहत रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों में परिचित सांस्कृतिक और मनोरंजन से जुड़े ब्रांडों को शामिल किया जाता है।

इस ट्रेंड के तहत स्मार्टफोन निर्माता मनोरंजन फ्रेंचाइजी, ऑटोमोबाइल ब्रांड्स, स्पोर्ट्स टीमों, लाइफस्टाइल कंपनियों और लोकप्रिय कंज्यूमर ब्रांड्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं। ये साझेदारियां अकसर केवल डिवाइस पर लोगो लगाने या उसका बाहरी डिजाइन बदलने तक सीमित नहीं रहतीं। इनमें पैकेजिंग, एक्सेसरीज, वॉलपेपर, सॉफ्टवेयर इंटरफेस, चार्जिंग एनिमेशन, साउंड और यूजर एक्सपीरियंस के अन्य हिस्सों में भी सहयोग की झलक दिखाई देती है।

रियलमी उन स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल रहा है, जिसने इस क्षेत्र में लगातार प्रयोग किए हैं और टेक्नोलॉजी को पॉपुलर कल्चर व एंटरटेनमेंट से जोड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने कोका-कोला, नारुतो, थॉर और गेम ऑफ थ्रोन्स जैसी फ्रेंचाइजी और ब्रांड्स से जुड़े स्पेशल एडिशन पेश किए हैं। इसके अलावा कंपनी ने मोटरस्पोर्ट की दुनिया से जुड़े सहयोग भी किए हैं।

रियलमी 10 प्रो 5जी कोका-कोला एडिशन में लाल और काले रंग के डिजाइन के साथ स्मार्टफोन में कोका-कोला की पहचान को शामिल किया गया था। इसमें कस्टमाइज्ड सॉफ्टवेयर एलिमेंट्स, चार्जिंग इफेक्ट्स, साउंड और थीम वाली पैकेजिंग दी गई थी। वहीं रियलमी जीटी एनईओ 3 नारुतो एडिशन में डिवाइस के डिजाइन, पैकेजिंग, एक्सेसरीज और सॉफ्टवेयर में नारुतो यूनिवर्स से जुड़े संदर्भ शामिल किए गए थे।

कंपनी ने मनोरंजन से जुड़ी फ्रेंचाइजी के साथ भी सहयोग किया है। थॉर: लव एंड थंडर लिमिटेड एडिशन में फिल्म से प्रेरित पैकेजिंग, कलेक्टिबल्स, वॉलपेपर और एक्सेसरीज दी गई थीं। वहीं, रियलमी 15 प्रो 5जी गेम ऑफ थ्रोन्स लिमिटेड एडिशन में हाउस टार्गेरियन से प्रेरित डिजाइन एलिमेंट्स, थीम वाला यूजर इंटरफेस और कलेक्टिबल्स शामिल किए गए थे।

मनोरंजन के अलावा, रियलमी ने अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो में एस्टन मार्टिन अरामको एफ1 टीम के साथ भी साझेदारी की है। इसमें रियलमी जीटी 7 ड्रीम एडिशन और रियलमी जीटी8 प्रो ड्रीम एडिशन शामिल हैं। इन डिवाइस में रेसिंग टीम की पहचान को खास डिजाइन और ब्रांडिंग के जरिए शामिल किया गया है।

इसी पृष्ठभूमि में रियलमी ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ग्लोबल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ अपने नए पॉप-कल्चर सहयोग की घोषणा की है। यह सहयोग रियलमी 16 प्रो 5जी हैरी पॉटर एडिशन के लिए किया गया है। रियलमी 15 प्रो गेम ऑफ थ्रोन्स लिमिटेड एडिशन के बाद यह रियलमी और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच दूसरी साझेदारी है। हैरी पॉटर यूनिवर्स पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से वैश्विक लोकप्रिय संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा बना हुआ है। किताबों, फिल्मों, गेम्स, स्टेज प्रोडक्शंस, कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और इमर्सिव एक्सपीरियंस के जरिए इसने कई पीढ़ियों के प्रशंसकों का एक बड़ा समुदाय तैयार किया है। यह नई साझेदारी जादुई दुनिया के तत्वों को रोजमर्रा की टेक्नोलॉजी में लेकर आती है और फ्रेंचाइजी की पहचान को रियलमी के स्मार्टफोन डिजाइन के साथ जोड़ती है।

एनएसई आईपीओ के जीएमपी में कमी आने से आईएफसीआई और एनआईएसीएल के शेयर 14 प्रतिशत तक फिसले

विश्व केसरी ■

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) आईपीओ के जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) में कमी आने के कारण न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल) और आईएफसीआई के शेयर मंगलवार को 14 प्रतिशत तक फिसल गए।

एनआईएसीएल ने अब तक के कारोबार में 199.52 रुपए का इंट्राडे लो लगाया है, जो कि इसके पिछले क्लोजिंग प्राइस 231.20 रुपए से 13.71 प्रतिशत कम है। दोपहर 12 बजे यह एनएसई पर 9.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 209.50 रुपए पर था।

एनआईएसीएल के पास एनएसई में 1.42 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। हालांकि, एनएसई के आईपीओ के कारण बीते कुछ हफ्तों में यह करीब 30 प्रतिशत बढ़ चुका था।

आईएफसीआई के शेयर ने अब तक के कारोबार में 92.75 रुपए का इंट्राडे का लो बनाया है, जो कि इसकी पिछली क्लोजिंग 102.51 रुपए से 9.5 प्रतिशत कम है। फिलहाल यह 8.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 94.16 रुपए पर था।

वहीं, आईएफसीआई के पास स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) में 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो कि एनएसई में करीब 4.4 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है। गिरावट के पहले बीते कुछ हफ्तों में इसमें 40 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली थी।

एनएसई आईपीओ के जीएमपी में हाल में ही बड़ी गिरावट देखने को मिली है और यह 5 सितंबर के 310 रुपए प्रति शेयर से कम होकर 8 सितंबर को 221 रुपए प्रति शेयर पर आ गया है।

बीते शुक्रवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के करीब 30,000 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया था।

इसका मतलब है कि अब एक्सचेंज आईपीओ लाने की अंतिम प्रक्रिया में पहुंच गया है और उसे सेबी के पास आरएचपी (रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) जमा करना है और इसके बाद आईपीओ बाजार में आ सकता है।

एनएसई का पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होने वाला है, यानी इसमें कोई भी पैसा कंपनी के पास नहीं जाएगा। इसके तहत करीब 14.89 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी, जो कि एनएसई के कुल पेड-अप कैपिटल का करीब 6 प्रतिशत हो सकता है।

पहले 180 दिन रखेंगे पूरे जीवन की नींव, जानिए क्यों जरूरी है बच्चों के लिए सही पोषण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बच्चे के जीवन की शुरुआत जितनी नाजुक होती है, उतनी ही महत्वपूर्ण भी। जन्म के बाद के शुरुआती दिन और खासकर पहले छह महीने बच्चे के विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं। यही वह समय होता है जब बच्चे को सही पोषण, प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। बच्चे के जीवन के पहले 180 दिन, यानी पहले छह महीने, उसके पूरे जीवन पर गहरा असर डाल सकते हैं।

पहले छह महीनों में मां का दूध बच्चे के लिए सबसे महत्वपूर्ण और अनमोल पोषण माना जाता है। इसमें बच्चे की जरूरत के मुताबिक पोषक तत्व होते हैं, जो उसके शारीरिक विकास और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। जन्म के बाद मां का पहला दूध, जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है, भी बच्चे के लिए बेहद अहम होता है। यह गाढ़ा और पीले रंग का दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है और नवजात को शुरुआती सुरक्षा देने में मदद करता है।

शिशु के जीवन के पहले छह महीने तक सिर्फ स्तनपान कराने की सलाह दी जाती है। इस दौरान सामान्य तौर पर बच्चे को पानी, शहद या अन्य खाद्य पदार्थ देने की जरूरत नहीं होती। मां का दूध ही बच्चे के लिए पोषण और तरल की जरूरत पूरी करने में मदद करता है।

स्तनपान सिर्फ बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। बच्चे को मां की गोद में मिलने वाला स्पर्श और अपनापन उसके भावनात्मक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होता है।

जब बच्चा छह महीने का हो जाता है, तो उसकी बढ़ती पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्तनपान के साथ पौष्टिक पूरक आहार शुरू किया जाता है। बच्चे की उम्र और जरूरत के अनुसार नरम, पौष्टिक और आसानी से पचने वाला भोजन धीरे-धीरे उसकी डाइट में शामिल किया जा सकता है। इस दौरान स्तनपान जारी रखना भी महत्वपूर्ण है।

आयुष विभाग के छात्रों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग

विश्व केसरी ■

लखनऊ। नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के आयुष छात्रों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के घर के बाहर पहुंचकर स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग की। उनका कहना है कि 2011 से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है और उन्हें एमबीबीएस व बीडीएस डॉक्टरों के बराबर स्टाइपेंड मिले।

नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की छात्रा मारिया ने कहा, 'हम अपना स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। हम लोग सरकार का विरोध करने नहीं, बल्कि आग्रह करने आए हैं। हम लोग मरीजों की उतनी ही देखभाल करते हैं, जितना एलोपैथ के डॉक्टर करते हैं। ऐसे में अगर हम बराबर काम कर रहे हैं तो पेमेंट भी समान मिलना चाहिए। हमारी सरकार से मांग है कि स्टाइपेंड में बढ़ोत्तरी करे।

जलज कुमार यादव ने कहा, 'पिछले 15 सालों से हमारी स्टाइपेंड नहीं बढ़ाई गई है। अभी भी स्टाइपेंड 7500 रुपये मिलते हैं। 2011 में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष के छात्रों की स्टाइपेंड समान थी। इसके बाद एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों की स्टाइपेंड दो बार बढ़ चुकी है लेकिन आयुष छात्रों पर ध्यान नहीं दिया गया। स्टाइपेंड बढ़ाने के नाम पर हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है।

निवेदिका सिंह ने कहा, 'हमारी मांग है कि स्टाइपेंड 7500 से बढ़ाकर 25 हजार की जाए। कई साल से हमें स्टाइपेंड सिर्फ 7500 रुपये मिल रहे हैं जबकि अन्य कोर्स में स्टाइपेंड बढ़ाए जा रहे हैं। हमारी मांग है कि उत्तर प्रदेश सरकार अन्य कोर्सों के छात्रों के बराबर स्टाइपेंड दे। इस तरह की मांग पहले भी कई बार कर चुके हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है। उपमुख्यमंत्री से मिलकर अपना ज्ञापन सौंपना चाहते हैं। लव प्रभात ने कहा, 'पिछले 15 सालों से हमारे स्टाइपेंड में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। इन 15 वर्षों में बीडीएस और एमबीबीएस छात्रों के स्टाइपेंड में 2 बार वृद्धि हो चुकी है। हम लोग भी ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी में अन्य विभाग के छात्रों के बराबर काम करते हैं। इसलिए हमारी मांग है।

हीटवेव की वजह से केरल में बिजली का संकट, लग सकती हैं पाबंदिया

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केरल इस समय भीषण गर्मी और बढ़ते बिजली संकट की मार झेल रहा है। राज्य में तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है और अगले एक दिन तक ऐसी ही स्थिति रहने की आशंका है। कई इलाकों में बिजली कटौती जारी रहने की भी संभावना है।

सोमवार को राज्य में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मंगलवार को भी गर्मी का यही हाल बना रहेगा। राहत की उम्मीद बुधवार से है, जब राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना जताई गई है।

तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली की खपत में भी तेज उछाल आया है। केरल राज्य बिजली बोर्ड (केएसईबी) के अनुमान के मुताबिक मांग में 800 मेगावाट तक की बढ़ोतरी हुई है।

पीक आवर्स के दौरान राज्य के बाहर से पर्याप्त बिजली उपलब्ध न होने के कारण केएसईबी ने सोमवार को कई इलाकों में एक घंटे तक की बिजली कटौती लागू की। अगर मंगलवार को भी मांग का यही पैटर्न रहा तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

केएसईबी ने बताया कि शॉर्ट-टर्म पावर कॉन्ट्रैक्ट न होने और रियल-टाइम बिजली बाजार में कीमतें ज्यादा होने से अतिरिक्त बिजली खरीदना मुश्किल हो रहा है।

हालांकि बोर्ड ने सितंबर महीने के लिए बिजली खरीदने के टेंडर जारी किए थे, लेकिन पीक आवर्स के दौरान बिजली सप्लाई के लिए कोई भी कंपनी आगे नहीं आई, जिससे मांग में अचानक हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए बोर्ड के पास सीमित विकल्प बचे हैं। इस बीच, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भीषण गर्मी को देखते हुए कई एहतियाती उपाय जारी किए हैं, क्योंकि तेज गर्मी से लू लगने, थकावट और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ गया है।

पीठ की अकड़न और कब्ज से हैं परेशान, सुप्त मत्स्येंद्रासन है रामबाण उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दफ्तर में घंटों बैठकर काम करने और शारीरिक गतिविधि कम होने की वजह से कमर दर्द, कब्ज और पीठ में अकड़न की समस्या आम हो गई हैं। इन शारीरिक समस्याओं से निजात पाने के व्यक्ति योग का सहारा ले सकता है। सही खानपान और योग से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। योग के इन्हीं आसनों में 'सुप्त मत्स्येंद्रासन' बेहद लाभदायक है, जो न सिर्फ कमर दर्द और जकड़न दूर करता है बल्कि मन को शांति मिलती है।

सुप्त मत्येंद्रासन को अंग्रेजी में सुपाइन स्पाइनल ट्विस्ट या रिक्लाइंड ट्विस्ट कहा जाता है। यह आसन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है, सुप्त (लेटना), मत्स्येंद्र (पौराणिक योगी मत्स्येंद्रनाथ) और आसन (मुद्रा)।

यह अर्ध मत्स्येंद्रासन का लेटा हुआ, पुनर्स्थापनात्मक रूप है, जो निष्क्रिय, गुरुत्वाकर्षण-सहायता प्राप्त स्थिति में रीढ़ की हड्डी के घुमाव के समान आवश्यक लाभ प्रदान करता है और इसके लिए किसी बल की आवश्यकता नहीं होती है। यह आसन योग की शास्त्रीय परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ है, जिससे विश्राम, स्थिरता और रीढ़ की हड्डी में हल्का तनाव कम होता है। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पीठ दर्द से राहत और पाचन तंत्र को सुधारने के लिए एक उत्कृष्ट अभ्यास माना है।

हनी-ट्रैप के लिए आईएसआई की नई चाल, अधिकारियों की फंसाने के लिए मनोवैज्ञानिकों का कर रही इस्तेमाल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में पिछले कुछ सालों में हनी-ट्रैप के मामले बढ़े हैं। चेतावनियों और सलाहों के बावजूद कई अधिकारी इन नेटवर्क का शिकार बन रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान की आईएसआई, जो ये नेटवर्क चलाती है, ने ऐसे अधिकारियों की पहचान करने के लिए कई मनोवैज्ञानिकों को काम पर रखा है जिनके पास संवेदनशील जानकारी होती है। मकसद ऐसे लोगों का अध्ययन करना, उनकी निजी समस्याओं को समझना और फिर उनसे जानकारी निकलवाना है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आईएसआई इस काम के लिए मनोवैज्ञानिकों को नियुक्त कर रही है और उन्हें टारगेट खोजने से पहले महिलाओं के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बनाने का निर्देश देती है। ये बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोग होते हैं जो निजी समस्याओं वाले अधिकारियों को फंसाने में माहिर होते हैं।

ये मनोवैज्ञानिक पहले सोशल मीडिया पर अधिकारियों की पहचान करते हैं और फिर उनके द्वारा पोस्ट किए गए संदेशों का गहराई से अध्ययन करते हैं।

अधिकारी ने कहा कि चूंकि वे प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक होते हैं, इसलिए वे आसानी से ऐसे अधिकारियों की मानसिकता को समझ लेते हैं। एक बार पहचान हो जाने के बाद, आईएसआई द्वारा नियुक्त ये मनोवैज्ञानिक उन अधिकारियों से बातचीत शुरू करते हैं और उनके प्रति बहुत सहानुभूति दिखाते हैं।

वे इन लोगों की कमजोरियों का पता लगाने में महीनों बिताते हैं। इन अधिकारियों का भरोसा जीतने में उन्हें लगभग दो से तीन महीने लगते हैं। जब भरोसा बन जाता है, तो इन लोगों को अपने सिस्टम पर कुछ एप्लिकेशन इंस्टॉल करने के लिए कहा जाता है।

इनमें से ज्यादातर एप्लिकेशन में चुपके से काम करने वाले स्पाइवेयर और मैलवेयर होते हैं, जो चीन में बने होते हैं। अधिकारियों का कहना है कि हनी-ट्रैप नेटवर्क अब पैसे और डराने-धमकाने जैसे तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसके बजाय कमजोरियों का फायदा उठाया जाता है, और करीबीपन व आकर्षण का इस्तेमाल करके संवेदनशील जानकारी रखने वाले अधिकारियों को फंसाया जाता है। मनोवैज्ञानिक इन तरीकों का सबसे बेहतर इस्तेमाल करते हैं। फंसने वाले व्यक्ति को पता भी नहीं चलता और वह डिजिटल कम्युनिकेशन चैनलों के ज़रिए संवेदनशील जानकारी दे बैठता है।

विमेंस जूनियर एशिया कप: जापान को 7-0 से रौंदकर भारत ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

विश्व केसरी ■

मोकी। भारतीय जूनियर विमेंस हॉकी टीम ने 2026 'जूनियर एशिया कप' में मंगलवार को अपने तीसरे एलीट पूल मैच में जापान को 7-0 से रौंदा। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। तीन मुकाबलों में नौ अंकों के साथ, भारत अभी एलीट पूल में सबसे आगे है।

भारतीय टीम बुधवार को अपने आखिरी पूल मैच में चीन के खिलाफ खेलेगी, जिससे ग्रुप में टॉप स्थान तय होगा। चीन ने अपने दो मुकाबलों में छह अंक हासिल किए हैं।

कोरिया के खिलाफ 4-1 की जीत और उसके बाद मलेशिया के खिलाफ 11-1 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद, भारत ने जापान के खिलाफ मुकाबले में भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाई।

भारत के शुरुआती दबाव का फायदा पांचवें मिनट में मिला जब कृष्णा शर्मा ने गोल करके भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। नौवें मिनट में जापान के एक डिफेंडर द्वारा सर्कल के अंदर फाउल करने पर भारत को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला, जिससे उनकी बढ़त दोगुनी हो गई। सुप्रिया ने कोई गलती नहीं की, जिससे भारत 2-0 से आगे हो गया।

भारत ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और पहला क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले तीसरा गोल दागा। पूर्णिमा यादव ने 14वें मिनट में फील्ड गोल दागा और भारत ने पहले क्वार्टर का समापन 3-0 की मजबूत बढ़त के साथ किया।

दूसरे क्वार्टर में जापान ने मैच में वापसी करने के इरादे से अधिक आक्रामक खेल दिखाया, जबकि भारत अपनी बढ़त को और बढ़ाने के मौके तलाशता रहा। हालांकि, किसी भी टीम ने और गोल नहीं किया और भारत हाफ-टाइम तक 3-0 की मजबूत बढ़त के साथ आगे रहा।

जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत नए सिरे से आक्रामक इरादे के साथ की और मैच का अपना पहला गोल करने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा और जापान की कोशिशों को नाकाम कर दिया। इसके बाद, भारत ने फिर से अपनी गति बढ़ाई और पांच मिनट में तीन गोल दागे। गीता यादव ने 41वें मिनट में फील्ड गोल करके स्कोर 4-0 किया और फिर 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल पूरा किया, जिससे भारत की मजबूत स्थिति और भी मजबूत हो गई।

भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा और ठीक एक मिनट बाद एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा यादव ने 46वें मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल (ब्रेस) पूरा किया और तीसरे क्वार्टर के आखिर तक भारत की बढ़त को 6-0 तक पहुंचा दिया।

भारतीय टीम ने आखिरी क्वार्टर में भी आक्रामक खेल जारी रखा और 50वें मिनट में उन्हें इसका फायदा मिला, जब सानिका चंद्रकांत माने ने मैच का अपना पहला गोल करके स्कोर 7-0 कर दिया।

यूएस ओपनः एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लुसियानो डार्डेरी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2026 में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव का शानदार प्रदर्शन जारी है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराकर हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

ज्वेरेव ने अपनी सर्व और हैवी बेसलाइन हिटिंग का इस्तेमाल करके डार्डेरी पर लगातार दबाव बनाए रखा। यहां तक कि जब 21वें सीड वाले डार्डेरी ने शुरुआती सेट में देर से अपनी सर्व टेस्ट की, तब भी ज्वेरेव ने दूसरे सेट में एक और गियर ढूंढने से पहले मजबूती से पकड़ बनाए रखी। डार्डेरी के खराब तरीके से किए गए ड्रॉप शॉट ने ज्वेरेव को अगले सेट में दूसरा ब्रेक दिया, जिससे जर्मन खिलाड़ी 4-0 से आगे हो गया।

डार्डेरी तीसरे सेट में उस रिदम को तोड़ने में कामयाब रहे। उनकी दमदार पहली सर्व ने दिक्कतें पैदा करना शुरू कर दिया, जबकि ड्रॉप शॉट के इस्तेमाल से ज्वेरेव को आगे बढ़कर अनजान जगहों पर डिफेंड करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने तीसरे सेट में ज्वेरेव से कड़ी मेहनत करवाई।

हालांकि, ज्वेरेव ने धैर्य बनाए रखा और अहम मौकों पर नियंत्रण के साथ खेला तीसरा सेट भी अपने नाम किया। जीत के साथ ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव 2026 में सभी चार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद ज्वेरेव ने कहा, 'मुझे लगा कि मेरा स्तर एक जैसा था। उन्होंने तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेलना शुरू किया। मैंने मुश्किल से ही किसी को गेंद को इतनी जोर से मारते देखा जितना उन्होंने पूरे सेट में लगातार किया, इसलिए इसका श्रेय उन्हें जाता है।

ज्वेरेव का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंडशुल्प से होगा। बोटिक ने चौथे राउंड में आर्थर गाअे को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। गाअे के खिलाफ हुए मैच में बोटिक ने शुरुआती 2 सेट गंवा दिए थे और टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थे, लेकिन इसके बाद लगातार 3 सेट जीतकर उन्होंने मैच अपने नाम किया।

यूएस ओपनः कोको गॉफ ने इवा जोविक को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। कोको गॉफ ने इवा जोविक को हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गॉफ ने जोविक को 6-1, 6-4 से हराया। हार के साथ ही यूएस ओपन में जोविक का अबतक का शानदार सफर समाप्त हो गया। वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में पहुंची थीं।

इवा जोविक के खेल को देखते हुए उनसे कोको गॉफ के खिलाफ उलटफेर की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन वह इसमें सफल नहीं रहीं। 18 साल की इस खिलाड़ी पर अनुभवी गॉफ ने सहज और शानदार जीत दर्ज की।

मैच की शुरुआत में गॉफ और जोविक के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला, लेकिन एक बार लय पकड़ने के बाद गॉफ ने जोविक को कई मौका नहीं दिया। 2023 में चैंपियन रहीं गॉफ ने मैच पर मजबूत नियंत्रण स्थापित कर लिया। गॉफ ने जोविक की दो बार और सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम कर लिया।

जोविक दूसरे सेट में ज्यादा सहज दिखीं और आखिरकार अपना ब्रेक लेने से पहले दो बार सर्व बचाने में कामयाब रहीं। कुछ देर के लिए, ऐसा लगा कि उन्होंने मैच अपने पक्ष में मोड़ लिया है। लेकिन, गॉफ ने तुरंत जवाब दिया। जोविक ने अहम मौकों पर फिर गलती की। उन्होंने फिर से अपनी सर्विस गंवा दी।

दलीप ट्रॉफी फाइनलः तीसरे दिन की समाप्ति तक ईस्ट जोन की पकड़ मजबूत

विश्व केसरी ■

चेन्नई। ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। पहली पारी में 708 रन बनाने के बाद इस टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 242 के स्कोर तक साउथ जोन के 6 विकेट हासिल कर लिए हैं। फिलहाल, साउथ जोन की टीम ईस्ट जोन से 466 रन पीछे है।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रनों का विशाल स्कोर बनाया। अभिमन्यु ईश्वरन ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। वैभव 37 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 147 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे।

यहां से कप्तान ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन (85) के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन जोड़े, जबकि कुमार कुशाग्र (101) के साथ 230 रन की साझेदारी की। इसके अलावा, अनुकूल रॉय (45) के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन जुटाए।

ईशान ने इस पारी में 334 गेंदों का सामना करते हुए 7 छक्कों और 30 चौकों के साथ 270 रन की पारी खेली। उनके अलावा, कौनेन कुरैशी ने 40 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से त्रिपुरण विजय ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, शेख रशीद ने 1 विकेट चटकाया।

इसके जवाब में साउथ जोन ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 80 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट खोकर 242 रन जुटाए। इस टीम ने 10 के स्कोर पर रिकी भुई (1) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने नारायण जगदीशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 70 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

जगदीशन 6 चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद पड्डिकल ने शेख रशीद के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। रशीद 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पड्डिकल ने 4 चौकों के साथ 62 रन की पारी खेली।

टीम ने 129 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने मोर्चा संभालते हुए स्मरण रविचंद्रन (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन और श्रेयस गोपाल (26) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

तीसरे दिन की समाप्ति तक तिलक 133 गेंदों में 5 चौकों के साथ 56 रन बना चुके हैं, जबकि चामा मिलिंद 2 रन बनाकर नाबाद हैं। विपक्षी खेमे से मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, कौनेन कुरैशी और शिखर मोहन ने 1-1 विकेट चटकाया।

नवा रायपुर ओपन से पीजीटीआई की वापसी

विश्व केसरी■

नवा रायपुर। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) 'नवा रायपुर ओपन' के साथ नवा रायपुर में वापसी कर रहा है। यह टूर्नामेंट 15 से 18 सितंबर, 2026 तक छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में आयोजित किया जाएगा।

इस पहले 'नवा रायपुर ओपन' को छत्तीसगढ़ सरकार का सहयोग मिल रहा है। रविवार को इस इवेंट की शुरुआत के मौके पर पीजीटीआई प्रमुख कपिल देव मौजूद रहेंगे।

इस टूर्नामेंट में 132 प्रोफेशनल गोल्फर 1 करोड़ रुपए की इनामी राशि के लिए मुकाबला करेंगे। टूर्नामेंट में भारत के कई जाने-माने प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें सप्तक तलवार, हनी बैसोया, वीर अहलावत, अक्षय शर्मा, खालिन जोशी, राशिद खान, मनु गंडास और महू के ओम प्रकाश चौहान शामिल हैं। इसमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं।

टूर्नामेंट के हफ्ते की शुरुआत 13 सितंबर को प्रो-एम इवेंट से होगी, जिसके बाद 14 सितंबर को आधिकारिक प्रैक्टिस राउंड होगा। प्रोफेशनल मुकाबला 15 से 18 सितंबर तक चार राउंड में खेला जाएगा। पीजीटीआई के प्रेसिडेंट कपिल देव ने कहा, 'नवा रायपुर में भारत में प्रोफेशनल गोल्फ के लिए एक अहम डेस्टिनेशन बनने की पूरी क्षमता है। इस साल शहर में दूसरे टूर्नामेंट के साथ वापसी करना इसकी क्षमता पर हमारे भरोसे को दिखाता है। मैं 13 सितंबर को लॉन्च के मौके पर मौजूद रहने और इस क्षेत्र में गोल्फ और गोल्फ टूरिज्म के विकास में सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं।

पिकलबॉल वर्ल्ड कपः कुल 41 मेडल के साथ भारत ने हासिल किया चौथा स्थान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने 'पिकलबॉल वर्ल्ड कप' में अपना सफर चौथे स्थान पर खत्म किया। वियतनाम के दा नांग में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने कुल 41 मेडल (7 गोल्ड, 17 ? ?सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज मेडल) जीते। भारतीय टीम पिछले साल 7वें स्थान पर रही थी।

48 खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए किड्स, जूनियर्स, ओपन, सीनियर्स और मास्टर्स टीम इवेंट्स में हिस्सा लिया। इसके अलावा, 130 से ज्यादा खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत कैटेगरी में भी मुकाबला किया।

किड्स टीम का सिल्वर मेडल जीतना वर्ल्ड कप में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इस टीम की कमान वीर शाह के हाथों में थी।

इसमें विरांष चोपड़ा, आरिन बल्लानी, महिका राठौड़, मानसी कार्तिक, आश्रिता एस, कवीर मेहता और प्रार्थना मोटियानी शामिल थे। भारतीय कप्तान को किड्स कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ कप्तान के तौर पर भी सम्मानित किया गया।

भारतीय जूनियर टीम क्वार्टर-फाइनल में मजबूत वियतनाम टीम से हारकर चौथे स्थान पर रही। अर्जुन सिंह ने भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी की, जिसमें आदित्य सिंह, देव शाह, पूर्वांश पटेल, विवान पटेल, नाओमी अमलसादीवाला, आश्रिता राजू और दिया मट्टीपति भी शामिल थे। भारतीय ओपन टीम क्वार्टर-फाइनल में यूएसए टीम से 2-4 से हार गई, जिससे वर्ल्ड कप के आखिरी से एक दिन पहले उनका सफर समाप्त हो गया। हर्ष मेहता ने इंडियन ओपन टीम की कप्तानी की, जिसमें अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोलियन, अमन पटेल, नाओमी अमलसादीवाला, पर्ल अमलसादीवाला, मिहिका यादव और आलिया इब्राहिम भी शामिल थे। इंडियन मास्टर्स टीम भी क्वार्टर फाइनल में वियतनाम से हार गई। इस टीम में भूषण अकुत, ठाकुरदास रोहिरा, अजीत भारद्वाज, शकुंतला देवनानी और पेटुलिया बालाजी शामिल थे।

वहीं, सीनियर टीम न्यूजीलैंड से हारकर 'राउंड ऑफ 16' से बाहर हो गई। उस भारतीय स्क्वाड में सूर्यवीर सिंह भुल्लर, अतुल एडवर्ड, अखिल माथुर, नीलेश देसाई, किरण सालियन, गौरिका चोपड़ा, पर्लिन रूपकुमार और कविता खन्ना शामिल थे।

तूलिका मानः व्यस्त रहने के लिए जूडो खेलना शुरू किया, कॉमनवेल्थ में देश को दिलाया 'रजत पदक'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जूडो में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा। भारतीय टीम ने 2 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 3 पदक इस खेल में अपने नाम किया। यह पहला मौका था, जब देश को जूडो में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक मिला। स्वर्ण पदक मिलना इस बात का सबूत है जूडो में भारतीय खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूत उपस्थिति हो रही है। तूलिका मान का नाम इसमें अहम है।

जूडो में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में तूलिका का अहम योगदान रहा है। 9 सितंबर 1998 को दिल्ली में जन्मी तूलिका की एक सफल जूडो खिलाड़ी बनने की यात्रा आसान नहीं रही है। बचपन में ही पिता को खोने वाली तूलिका का पालन-पोषण उनकी मां ने किया। तूलिका को बचपन में

जूडो में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी।

दरअसल, उनकी मां अमृता मान नौकरी की वजह से दिन में घर से बाहर रहती थीं। इस दौरान तूलिका को घर में अकेले रहना पड़ता था। अकेलेपन को दूर करन के लिए तूलिका ने जूडो क्लास ज्वाइन किया और यहीं से इस खेल के प्रति उनकी दिलचस्पी जगी। चौथी क्लास से ही जूडो का अभ्यास कर रही तूलिका ने कड़ी मेहनत से दिखाया कि वह इस खेल में काफी आगे जा सकती है। राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद तूलिका ने राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीत अपनी प्रतिभा और क्षमता का आभास पूरे देश को कराया।

78+ श्रेणी में हिस्सा लेने वाली तूलिका ने 2017 में बिश्केक और 2018 में बेरूत में हुए एशियन जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। काठमांडू में 2019 में आयोजित दक्षिण एशियाई खेल में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनमवेल्थ गेम्स में तूलिका की प्रतिभा को पूरी दुनिया ने देखा था। तूलिका ने इस इवेंट में रजत पदक जीता था।

तूलिका ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हिस्सा नहीं लिया था।

एक ऐसा खेल जिसे खुद को व्यस्त रखने के लिए शुरू किया गया हो, उसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना निश्चित ही कठिन परिश्रम, त्याग और अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना संभव नहीं हो सकता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415